RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

अंक - 10 (मासिक) वर्ष - 10 मार्च, 2015 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

द्वारिका में माहेश्वरी सेवा कुंज
आतिथ्य सेवा का नया रंग

बेसहारों का 'अपना सहारा'
श्री कृष्णदास जाजू
स्मारक ट्रस्ट

कला के शिखर यात्री
विकास चाण्डक

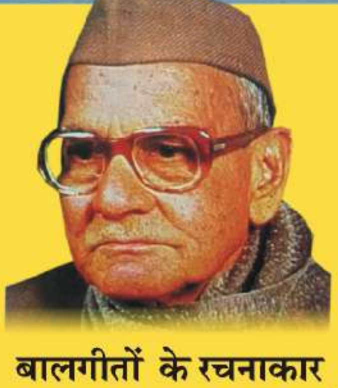

बालगीतों के रचनाकार
द्वारकाप्रसाद माहेश्वरी

FREE
REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

शीघ्र आपके हाथों में
श्री माहेश्वरी मेलापक-2015
विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्व स्तरीय डायरेक्ट्री

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'

का आगामी (अप्रैल-2015) अंक होगा
उन माहेश्वरी नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

जिन्होंने अपने हौंसले से छुआ आसमाँ. इसमें समाहित होगी ऐसी ही महिलाओं की जीवन-यात्रा की प्रेरक कहानी.

अनुरोध- यदि आपकी जानकारी में समाज की ऐसी महिला हो, जिन्होंने व्यापार, उद्योग, समाजसेवा, शिक्षा, कला, प्रशासनिक सेवा अथवा किसी भी क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धि प्राप्त की हो, जो कर सकती है समाज की अन्य महिलाओं को प्रेरित। तो लिख भेजिए हमें। प्रकाशन का अन्तिम निर्णय सम्पादक मण्डल का होगा।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
फोन : 0734-2526561, 2526761, 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

जय महेश

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' की सौगात

माहेश्वरी प्रतीक-चिह्न

के स्टीकर. जिन्हें आप अपने आवास या व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर लगाकर गर्व से जता सकते हैं अपनी पहचान हम हैं माहेश्वरी
इन्हें आप प्राप्त कर सकते हैं, मात्र लागत मूल्य पर.

लिफाफे सहित मात्र 7 रुपये व लिफाफे के बिना मात्र 6 रुपये
संगठनों के द्वारा भेंट किये जाने पर संगठन के नाम व प्रिंट करने की भी व्यवस्था उपलब्ध है।

सम्पर्क : 90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
फोन : 0734-2526561, 2526761, 094250-91161

अब आयेगी आपके द्वार... लेकर रिश्तों की सौगात

500/-

पृथक से प्रति बुक् करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे - आपके द्वार

श्री माहेश्वरी मेलापक 2015

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

यदि आपने बुक नहीं करवाई है अपनी प्रति, तो आज ही बुक करवाएँ, कहीं मौका न चूक जाए।

हाईटेक व प्रोफेशनल युवक-युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734-2526561, 2526761, 2513059, 094250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail..com

Sumeet INDUSTRIES LIMITED
Manufacturers & Exporters

Shankarlal Somani,
Chairman Cum Managing Director

Aiding **Progress**
Striding towards Success...

Spinning the Story of Success

PET CHIPS FDY POY

SUMEET INDUSTRIES LTD. : 504, Trividh Chamber, Opp. Fire Station, Ring Road, SURAT.
Ph. No. 0261 – 2328902, Fax. No. 0261 – 2334189
Email: sumeetindus@yahoo.com Website: www.sumeetindustries.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-10 ▸▸ मार्च, 2015 ▸▸ वर्ष-10

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
बजरंग जाखोटिया (जयपुर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
PH.: 0734-256561, 2526761
MOBILE : 094250-91161
e-mail: smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
■ ICICI A/c. No. : 030005001198

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

27 माहेश्वरी सेवा कुंज लोकार्पित

35 बेसहारों का 'अपना सहारा' श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

31 बालगीतों के स्वप्निल संसार के रचनाकार थे द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

33 कला के क्षितिज का चमकता सितारा विकास चाण्डक

विचार क्रान्ति

... और नींद उड़ गई

एक व्यापारी को नींद न आने की बीमारी थी। उसका नौकर मालिक की बीमारी से दुखी रहता था। एक दिन व्यापारी अपने नौकर को सारी संपत्ति देकर चलबसा। सम्पत्ति का मालिक बनने के बाद नौकर रात को सोने की कोशिश कर रहा था, किन्तु अब उसे नींद नहीं आ रही थी। एक रात जब वह सोने की कोशिश कर रहा था, उसने कुछ आहट सुनी। देखा, एक चोर घर का सारा सामान समेट कर उसे बांधने की कोशिश कर रहा था, परन्तु चादर छोटी होने के कारण गठरी बंध नहीं रही थी।

नौकर ने अपनी ओढ़ी हुई चादर चोर को दे दी और बोला, इसमें बांध लो। उसे जगा देखकर चोर सामान छोड़कर भागने लगा। किन्तु नौकर ने उसे रोककर हाथ जोड़कर कहा, भागो मत, इस सामान को ले जाओ ताकि मैं चैन से सो सकूँ। इसी ने मेरे मालिक की नींद उड़ा रखी थी और अब मेरी। उसकी बातें सुन चोर की भी आंखें खुलगईं।

सीख- इस कहानी से यही प्रेरणा मिलती है कि धन, पद-प्रतिष्ठा आदि में आकर्षण तो अत्यधिक होता है, लेकिन इनके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है, जिन्हें निभा पाना आसान नहीं होता। **साथ ही आवश्यकता से अधिक धन-संचय सुख और शान्ति भंग कर देता है।**

ये रंग जिंदगी के ...

जिस समय यह अंक आपके हाथ में होगा, तब तक यह धरती बसंती रंगों में ईठला रही होगी। पलाश के पेड़ों पर दहकते अंगारों से फूलों का रंग होली की मस्ती बनने को आतुर होगा। जब मौसम का मात्र मिजाज ही हमारी सांसों को भी रंगीन बना देता है, तब चारों तरफ प्रकृति की रंगिमा हमारे तन-मन को आल्हादित करती फाग गाने की उत्कंठा बन जाती है। इसी उमंग और उल्लास का भाव 'होली' का त्यौहार बन जाता है। होली वास्तव में हमें अपने जीवन में भावनाओं के रंग भरने का संदेश है। होलिका के रूप में मन में जरूर तमाम बुरी बातों, व्यवहार में आई बुराइयों और नकारात्मकता का दहन कर हम जीवन को चटकीले रंगों की भावनाओं से परिपूर्ण करें। यही शुभकामनाएं, सद्भावनाएं और संदेश हम अपने पाठकों को शब्दों के रंग के साथ प्रेषित कर रहे हैं। आप सभी को होली मुबारक!

रंग हमारी भावनाएँ बदल देते हैं, हमारे मन-मस्तिष्क को गहराई तक प्रभावित करते हैं। इसीलिए रंगों का अपना विज्ञान है। इस रंग-ज्ञान को भारतीय मनीषियों ने बहुत पहले जान लिया था, जिसका प्रभाव हमारे समूचे लोक जीवन में दिखाई देता है। शृंगार से पहनावे तक और सौंदर्य से सौम्यता तक रंगों का चयन संस्कृति की धरोहर है। रंगों के असर को जानने वाले हर वार-त्योहार पर कपड़ों के रंग का भी विशेष चयन करने से नहीं चूकते। ग्रह नक्षत्र की चाल को भी हमारे ज्योतिषियों ने रंगों से बाँधा है। खैर, यह तो हुई बाहरी रंगों की बात, जो हमारे परिवेश को विशेष बनाते हैं, अब हम उन भीतरी रंगों की बात करते हैं, जो हमारे व्यक्तित्व को खास रंग देते हैं। इस अंक को हमने ऐसे ही रंगों से सजाने की कोशिश की है, जो न केवल अनूठे हैं, बल्कि इनकी आभा से समाज को भी सम्मान मिलता है। आपको इन रंगों से परिचित कराने का अभिप्राय केवल इतना है कि आप भी अपने व्यक्तित्व के लिए कोई ऐसा रंग चुनें, जो आपकी पहचान बन जाए।

सबसे पहले हम 'श्री कृष्णदास जाजू ट्रस्ट' की बात करते हैं, जिन्होंने बेसहारा महिलाओं को मदद का रंग लगाया है। बेसहारा लोगों को हर महीने रुपये 1,000/- की घर पहुँच सेवा ट्रस्ट दे रहा है। यह रकम बहुत कम है, लेकिन ट्रस्ट की सामर्थ्य इतनी ही है। इसमें भी ट्रस्ट हर महीने करीब 55 लाख रुपये की मदद लोगों को पहुँचा पा रहा है। यदि आपके मन में भी ऐसे असहायों की मदद का रंग छलकता है, तो आप ट्रस्ट के माध्यम से ऐसे लोगों की मदद के लिए आगे आ सकते हैं। पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी ने कहा था, इस ट्रस्ट का अखिल विश्व के माहेश्वरीजनों से संपर्क होना चाहिए, ताकि मदद का रंग ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँच सके। द्वारिका में माहेश्वरी सेवा-कुंज का लोकार्पण सेवा के रंग का प्रतीक है। देश-विदेश से आने वाले हमारे बंधुओं को इसका लाभ मिलेगा।

जोधपुर के विकास चांडक रंगों के खिलाड़ी हैं। कला के कई रंगों से उनकी यारी है। चित्रकला के साथ लेखन और अन्य क्षेत्रों में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा के रंग बिखेरे हैं। इसी कड़ी में बालमन की रंग-बिरंगी बगीया के जानकार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी ने भी अपनी रचनाओं में ऐसे रंग सजाए, जो बालकों के मन को गहराई तक छूते हैं। इतना ही नहीं यह अंक आपकी भावनाओं के अनुरूप और भी कई रचनाओं और पठनीय सामग्री के रंगों से ओतप्रोत है। स्थायी स्तम्भों का रंग तो आपको मिलेगा ही। भावनाओं के रंगों से सजा यह अंक आपको कैसा लगा, यह बताना न भूलें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती

जयपुर में आयोजित हो अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी अधिवेशन

20 जनवरी 1954 को स्व. श्री रामस्वरूप व श्रीमती रामेश्वरी देवी जाखोटिया के यहाँ जन्मे जयपुर निवासी श्री बजरंग जाखोटिया व्यावसायिक रूप से एक सफल उद्यमी व व्यवसायी हैं लेकिन उनकी समाजसेवा ने उन्हें इनसे आगे बढ़कर एक निःस्वार्थ समाजसेवी के रूप में पहचान दिलवाई है। व्यावसायिक रूप से आप वर्ष 1974 से स्टील बॉल व वायर के उत्पादन क्षेत्र में उद्योग "बजरंग ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज-जयपुर तथा व्यवसाय क्षेत्र में कनमिंग ट्रेडिंग कम्पनी हांगकांग, के.टी.सी. मुम्बई, वी.एन. ट्रेडिंग कम्पनी लि. जापान व के.टी.सी. डायमण्ड कम्पनी लि. बैंकांक के द्वारा वर्ष 1987 से जवाहरात व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। समाजसेवी गतिविधियों में वर्ष 1975 से माहेश्वरी नवयुवक मण्डल जयपुर के माध्यम से सक्रिय हुए तो तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनकी यह सेवा यात्रा फिर थमी नहीं। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर को आप संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष (शिक्षा), उपाध्यक्ष सहित अध्यक्ष जैसे पद पर अपनी समर्पित सेवा दे चुके हैं। इसके साथ माहेश्वरी जनोपयोगी भवन "उत्सव" के चेयरमैन व जनोपयोगी भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष एवं संरक्षक के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। अपने इन कार्यकालों में आपने प्रतापनगर स्थित गर्ल्स स्कूल व "उत्सव भवन" आदि के लिये अत्यंत रियायती दर पर भूमि शासन से आवंटित करवाई, यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान में आप माहेश्वरी सेवा सदन गिरिराजधरण के ट्रस्टी व द्वारिका धाम के संरक्षक के साथ अ.भा. माहेश्वरी महासभा में कार्यकारिणी सदस्य तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र के ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ और भी कई सामाजिक व व्यावसायिक संस्थाऐं हैं, जो उनकी सेवाओं से पोषित हो रही हैं।

किसी भी राष्ट्र या समाज का विकास उसकी एकता से जुड़ा होता है। माहेश्वरी समाज यदि शीर्ष समाज की श्रेणी में आता है, तो इसके पीछे भी उसकी संगठित शक्ति का ही योगदान है, जिसने विकास की हर बाधा को दरकिनार कर विकास का मार्ग प्रशस्त किया। अतीत के इस संगठनात्मक एकता के सूत्र को वर्तमान में भी ध्यान में रखना होगा। इसके लिये जरूरी है कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलें, हर वर्ग को संगठन की मुख्य धारा में लाऐं और उनके विकास के लिये योजना बने।

देश के आर्थिक आंकड़े के अनुसार माहेश्वरी समाज देश का सबसे बड़ा आयकर प्रदाता समाज है। इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो आजीविका तक के लिये संघर्ष कर रहा है। उनके लिये जो योजनाएं हैं, वे और भी कारगर बनाना जरूरी है। इसके साथ मैं समाज के सम्पन्न वर्ग से भी अपील करता हूँ कि वे अपने यहाँ रोजगार में माहेश्वरी समाजजनों को प्राथमिकता दें। इसके लिये समाज स्तर पर योजना बनाना जरूरी है।

नवयुवकों का विवाह भी वर्तमान दौर में समाज की सबसे बड़ी समस्या है। इसके लिये समाज में घटती कन्या जन्म दर भी जिम्मेदार है। बालक व बालिकाओं की जन्मदर में भारी अन्तर आ रहा है। वर्तमान में ही विवाह सम्बंध तय करना एक बहुत बड़ी चुनौती है, तो सोचिये इस स्थिति में आने वाले दौर में नवयुवकों के विवाह कितनी बड़ी चुनौती बनकर सामने आऐंगे? इसके लिये "बेटी बचाओ अभियान" को कारगर ढंग से चलाने की जरूरत है। वैसे वर्तमान की जो समस्या है, वह सोच की समस्या भी है। युवतियाँ कस्बों व ग्रामीण अंचलों में जाना नहीं चाहतीं। इस समस्या पर भी गंभीर चिंतन कर इसका समाधान खोजना पड़ेगा। जयपुर माहेश्वरी समाज से सम्बद्ध रहते हुए मैंने समाज की समस्याओं को निकट से देखा और उन्हें दूर करने का हर सम्भव प्रयास किया। मेरा सपना है कि जयपुर में समाज का अपना हास्पिटल व डायग्नोसिस सेन्टर हो, जिससे हर समाजजन तक उचित दर पर विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाऐं पहुँचे। युवाओं के विकास के लिए यहाँ समाज की अपनी निजी युनिवर्सिटी की स्थापना भी मेरे सपनों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भगवान महेश से यही प्रार्थना है कि वे इन महत्वपूर्ण सपनों को साकार करने में सहायक बने।

जयपुर देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के मानचित्र पर स्थापित एक महत्वपूर्ण नगर है। अतः मेरा सपना यह भी है कि यहाँ अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासम्मेलन का आयोजन हो। इससे विश्व के कोने-कोने में स्थापित समाजजनों के आपसी सम्पर्क बढ़ेंगे। उद्योग-व्यापार में उनके परस्पर सम्पर्क हों और समाज विकास की ओर और भी तेजी से अपने कदम बढ़ा सके। प्रवासी माहेश्वरी बंधु ऐसे आयोजन से अपने देश व अपने समाज से जुड़ेंगे। इससे अपनी संस्कृति को बल मिलेगा। मुझे विश्वास है कि यदि ऐसा आयोजन होता है, तो जयपुर का माहेश्वरी समाज आंगतुकों के स्वागत में कोई कसर नहीं रख छोड़ेगा। आतिथ्य की समाज की अपनी गरिमामय परम्परा है और इसे निभाने में जयपुर माहेश्वरी समाज कभी पीछे नहीं रहेगा।

यह बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि भगवान् श्रीकृष्ण की नगरी द्वारकाधाम में भी माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा माहेश्वरी सेवा कुंज का निर्माण कर लोकार्पित किया जा चुका है। इस भवन की परिकल्पना हमने गिरिराज महोत्सव के दौरान की थी और अब यह इस भवन के निर्माण के साथ सार्थक भी हो चुकी है। अब हमारा सपना है कि देश के समस्त तीर्थ स्थलों पर भी ऐसे सेवा भवन बनें, जिनसे माहेश्वरी संस्कृति के अनुरूप आवास सुविधा मिल सके। द्वारिका में माहेश्वरी सेवा कुंज का निर्माण एक मुश्किल कार्य था, लेकिन समस्त दानदाताओं व सहयोगियों के योगदान से यह सफल हो सका, इसके लिए वे सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

बजरंग जाखोटिया
(पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज, जयपुर)

अतिथि सम्पादक
Mo. 098290 52722, E-mail : cmd@bajranggroup.com

श्री बिसाथ (बिशु) माताजी

श्री बिसाथ (बिशु) माताजी भट्टड़ खांप की कुल देवी हैं। हुरकट, बिसानी, जेठा, लघड़, पुगलिया, बाहेती आदि नख वाले भी पूजते हैं। क्षेत्र में माताजी का मंदिर **'बीस भुजा का मंदिर'** के नाम से प्रसिद्ध है। माहेश्वरी समाज के साथ ही राजपुरोहित व वैश्य (महाजन) आदि समाज के लोग भी इन्हें पूजते हैं।

श्री बिशु माताजी का क्षेत्र में ख्यात बीस भुजा मंदिर राजस्थान के नागौर जिले के गोटण गाँव से 4 कि.मी. की दूरी पर स्थित टुकलिया गाँव में स्थित है। यह मंदिर इस गाँव में एक पहाड़ी के ऊपर सुंदर-सुरम्य माहौल में बना हुआ है। इसका निर्माण कब हुआ और किसने करवाया इसकी विस्तृत जानकारी तो प्राप्त नहीं हो सकी लेकिन स्थानी निवासियों के अनुसार यह प्राचीन मंदिरों में से एक है। स्थानीय नागरिकों की तो माताजी के प्रति अपार श्रद्धा है ही, साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से भी लोग यहाँ आते हैं। ऐसी जनधारणा है कि यहाँ मांगी गई मान-मिन्नत पूरी होती हैं।

कहाँ-ठहरें

गोटण गाँव सघन आबादी वाला गाँव है, लेकिन ठहरने की उत्तम व्यवस्था यहाँ नहीं है। ठहरने के लिसे समीपस्थ शहर नागौर में व्यवस्था है।

कैसे पहुँचें

राजस्थान के नागौर जिले के गौटण गाँव तक रेलमार्ग है। प्रमुख रेलवे स्टेशन जोधपुर से यह 100-125 कि.मी. की दूरी पर है। नागौर से टुकलिया गाँव 4 कि.मी. दूर है जहाँ तक जाने के लिये बस व टेक्सी की सुविधा उपलब्ध हो जाती है। सालासर से यह 200 कि.मी. की दूरी पर है।

माहेश्वरी विद्याप्रचारक मंडल ने किया प्रतिभा सम्मान

पूरे विश्व से चयनित 14 प्रतिभाओं का किया एम.व्ही.पी.एम. स्कॉलर अवार्ड से सम्मान

पुणे । माहेश्वरी विद्याप्रचारक मंडल द्वारा गत दिनों "एमव्हीपीएम माहेश्वरी स्कॉलर अवार्डस" समारोह का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश से चयनित विभिन्न क्षेत्र की 14 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें 5 प्रोत्साहन पुरस्कार भी शामिल हैं।

"अपनी क्षमताएँ पहचानकर व्यक्तिमत्व विकास करे। आज के युग में आगे बढ़ने के लिये, कुछ हासिल करने के लिये लगन और परिश्रम तो अनिवार्य है ही लेकिन इसके साथ ही नेटवर्किंग भी बहुत अहम् बन गया है। उसे मजबूत बनाइये और उसका उपयोग कीजिए। हर बार यश मिलेगा ये जरूरी नहीं लेकिन अपयश से निराश नहीं होना है। उक्त उद्गार रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एस.एस. मुंदड़ा ने माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे द्वारा आयोजित एम व्ही पीएम माहेश्वरी स्कॉलर 2014 अवॉर्ड समारोह में अध्यक्ष के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। शैक्षणिक विशेष गुणवत्ता प्राप्त विद्यार्थियों का गौरव एवं समाज में बिखरी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु गत तीन वर्षो से माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल द्वारा इस गरिमापूर्ण समारोह का आयोजन हो रहा है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में विडिओकॉन के प्रमोटर एवं राज्य सभा सदस्य धूत उपस्थित थे। उन्होंने प्रेरणाप्रद उपक्रम के लिये मंडल को बधाई देते हुए कहा कि माहेश्वरी विद्या प्रसारक मंडल ने इस दिशा में जो कदम अग्रसर किया है, वह स्तुत्य एवं सराहनीय है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'जननी जन्मभूमीश्च स्वर्गादपि गरियसी' "दुनिया के किसी भी कोने में आप जाओ लेकिन अपनी मातृभूमि को मत भूलो और अपने देश का नाम रोशन करो।" इसी अवसर पर फ्यूचर ग्रुप के किशारे बियाणी तथा डी मार्ट के श्री दम्माणी का दृश्य श्रव्य संदेश प्रसारित किया गया। इस भव्य समारोह में हर माहेश्वरी स्कॉलर को नगद रुपये 75,000/- एवं सम्मान-पत्र प्रदान किया गया।

ये हुए सम्मानित

इसमें डॉ. अभिषेक नंदकिशोर बंग (नांदेड) पी.एच.डी. यू एस ए., कु. हर्षा चंद्रकांत भट्टड़ (पुणे) सी.ए.ऑल इंडिया रेंक -3 (लड़कियों में प्रथम), कु. दिव्या गोवर्धनजी बियानी (नांदेड) मानांकित सीओईपी पुणे, आनंद नारायणदास बूब (अमरावती) बीई-बीआईटीएस पिलानी एम.बी.ए.-आईआईएम अहमदाबाद, ईषा भानुप्रकाश इन्नानी, (इंदौर), बीई-बीआईटीएस पिलानी, श्वेता महेंन्द्र कर्वा, (जालना)- एम.टेक-आईआई.टी. दिल्ली, संजय ओमप्रकाश नावंदर (जयपुर) सी.एम.ऑल इंडिया इंडिया रेंक-1, कु. राधा प्रल्हाद राठी, (पुणे) बीए (लॉ) केम्ब्रीज यूनिवर्सिटी, अक्षय जुगलकिशारजी तापड़िया (लातूर) बी.टेक. सीओईपी, पुणे यूपीएससी रेंक अस्टि.कॉम. आईटी को सम्मानित किया गया। प्रोत्साहन पुरस्कार से सिद्धार्थ माहेश्वरी, (ग्वालियर) बी.टेक. आईआईटी रूड़की, डॉ. वर्षा काकानी, (ठाणे) पीएच.डी. यूडीसीटी मुम्बई, पियुष मानुधने (डोंबीवली) पीजीडीबीएम, एक्सएलआरआई जमशेदपुर, प्रितेश काकानी-(अहदनगर) एम.टेक. आईआईटी मद्रास व पराग मानुधने (डोंबीवली), एम.टेक. आईआईटी मद्रास को सम्मानित किया गया।

ये बने सहयोगी

इस अवार्ड के लिए भूतपूर्व विद्यार्थी संगठन एमव्हीपीएम छात्रालय के शेखर मूंदड़ा, डी.जे मालपाणी ग्रुप के राजेश ओंकारनाथ मालपाणी-संगमनेर, श्रीगोपाल काबरा-आर.आर.केबल्स-मुंबई, श्रीकान्त कासट-शिवनारायण रामनाथ कासट पुणे, पुरूषोत्तम मुकुंददास लोहिया-लोहिया प्रतिष्ठान पुणे, रमेश चांडक, आनंद राठी सिक्युरिटीज मुंबई, कैलाश बियाणी-एशियन सिक्युरिटीज मुंबई, श्रीराम श्रीकांत सोनी-सोनी ट्रस्ट पुणे व राजेन्द्र भगीरथ तापड़िया-सेफ पॅक इंड. लि. पुणे से सहयोग प्राप्त हुआ। गत तीन वर्षो के प्रयासों से इस वर्ष प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। योग्य के चुनाव के लिये विभिन्न क्षेत्र के उच्च पद पर आसीन वरिष्ठ महानुभावों की एक चयन समिति का गठन किया गया। इसमें डॉ. सतीश लड्ढा, डॉ. वज्रेन्द्र मालू- सीईओ-आदित्य बिरला ग्रुप कंपनी, विनोद बाहेती, हर्ष काबरा, अश्विनजी लड्ढा आदि महानुभावों का समावेश था।

आयोजन को कहा प्रेरणादायी

समरोह के प्रारंभ में मा. वि. प्र. मं के अध्यक्ष अतुल लाहोटी ने सभी सम्मानीय अतिथि एवं आगंतुकों का स्वागत करते हुए मंडल की विभिन्न कार्यप्रणालियों पर प्रकाश डाला। मंडल के कार्याध्यक्ष रमेश धूत ने शॉल, श्रीफल से अतिथियों का सम्मान किया। पुरस्कार समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र तापड़िया ने कहा-"भारत का आनेवाला भविष्य प्रज्ञा संपन्न लोगों के हाथों में होगा। माहेश्वरी समाज में शिक्षा के प्रति उदासीनता झाँक रही है। पुरस्कृत विद्यार्थी समाज की युवा पीढ़ी के लिये निश्चित ही प्रेरणादायी साबित होंगे।" चयन समिति के अध्यक्ष डॉ. सतीश लड्ढा व सचिव डॉ. वसंत बंग ने विशेष प्राविण्य पुरस्कार के निष्कर्षों एवं चयन पद्धति का विश्लेषण किया। अंत में 2015 के लिए अधिक से अधिक संख्या में समाज की विशेष प्रतिभाएँ इसमें हिस्सा लें यह आह्वान करते हुए समारोह की समाप्ति हुई। एम.व्ही.पी.एम. स्कॉलर्स 2015 के लिये वेबसाइड www.mvpm.org पर आवेदन पत्र भरने का आह्वान किया।

राजस्थानी नृत्य स्पर्धा का हुआ आयोजन

लातूर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन तथा लातूर जिला माहेश्वरी सभा की ओर से जिला स्तरीय राजस्थानी समूह नृत्य स्पर्धा का आयोजन गत4 जनवरी 2015 को किया गया। इसमें मुरुड,औसा, उदगीर व वनिलंगा तालुका की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव विभा गिलड़ा ने किया। कार्यक्रम को सफलबनाने में अध्यक्ष अनीता मालू ,सचिव विभा गिलड़ा ,वंदना दरक ,संगीता कलंत्री ,संगीता लटुरिया,ज्योति मंत्री, वीना मालू,आदि ने योगदान दिया। करीबन 1200 से 1300 महिलाओ की उपस्थिति इस कार्यक्रम में रही।

स्वच्छ शहर की शपथ के साथ मना गणतंत्र दिवस

खंडवा। गणतंत्र दिवस पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री माहेश्वरी समाज खण्डवा द्वारा झंडा वंदन बुधवारा बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। सुबह 9.30 पर प्रिया जाखेटिया, सपना काकाणी, स्तुति राठी, रिना गिलड़ा एवं विद्या राठी द्वारा झण्डा वंदन किया गया। ''मेरा सुन्दर खण्डवा-मेरा योगदान'' विषय पर सभी उपस्थित समाजजनों ने अपने विचार रखे। इसके पश्चात् श्री माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष विष्णु जैथलिया ने उपस्थित समाजजनों को शपथ दिलाई कि हम अपने घर, व्यवसाय, कार्य स्थल का कचरा उचित स्थान पर कचरा पात्र में ही डालेंगे। जहां भी रहेंगे, वहाँ से 10 फीट तक सफाई रखेंगें और अन्य को भी इसके लिए प्रेरित करेगें। इसके पश्चात् श्री सत्यलक्ष्मी नारायण मंदिर माहेश्वरी पंचायत ट्रस्ट खण्डवा द्वारा खण्डवा नगर को सुन्दर बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर लगभग 100 कचरा पात्र का वितरण किया गया। सचिव मनीष काबरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में नरेन्द्र चाण्डक, नारायण बाहेती, किशन गोपाल मून्दड़ा, पुष्पा काकाणी, सुश्री पुष्पा राठी आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

> आग लगाना अपनी फितरत में नहीं है
> लोग मेरी सादगी से भी जलें...
> तो इसमें मेरा क्या कसूर है।

दीपक एडवरटाइजिंग को क्रेडाई अवार्ड

जयपुर। बिल्डिर्स एवं डेवलपर्स एसोसिएशन क्रेडाई राजस्थान ने लगातार दूसरे वर्ष दीपक एडवरटाइजिंग को क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो 2015 में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विशेष अवार्ड से सम्मानित किया है। यह अवार्ड दीपक एडवरटाइजिंग जयपुर के डायरेक्टर दीपेश माहेश्वरी ने ग्रहण किया। 2014 में भी दीपक एडवरटाइजिंग ने यह अवार्ड अपने नाम किया था। इस प्रापर्टी फेयर की एड डिजाइनिंग एवं कान्सेप्ट प्लांनिग से लेकर प्रिंट, रेडियो, आउटडोर, डिजीटल, पीआर प्रमोशन आदि एजेंसी द्वारा त्रुटि रहित तरीके से किया गया।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

बीकानेर। श्री सेठ गिरधरदास जगमोहन दास मूंधड़ा ट्रस्ट आयोजित द्वारा 30 वां प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह गत दिनों सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलपति डॉ. कैलाश सोढ़ाणी थे। विशेष अतिथि डॉ. नृसिंह बिन्नाणी (प्रोफेसर राजस्थान बागड़ी पी.जी. कॉलेज), मुख्य वक्ता मनोज बजाज (डायरेक्टर सिन्थेसिस) नारायण बिहाणी (अध्यक्ष कृष्ण माहेश्वरी मण्डल), रामेश्वर जी भूतड़ा (अध्यक्ष जिला बीकानेर माहेश्वरी महासभा), मगन चांडक (प्रीति क्लब) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मनोज बिहाणी एवं मगन चांडक द्वारा अतिथियों का परिचय करवाया गया। इस अवसर पर कुल 128 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें 78 लड़किया व 50 लड़के शामिल थे। सम्मान समारोह का मुख्य आकर्षण सुश्री दीक्षा राठी ग्रुप द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक झलकियां रही। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन पवन राठी (मंत्री जिला माहेश्वरी युवा संगठन) एवं सुश्री शिल्पा मोहता ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में माहेश्वरी समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ ही रेखा लोहिया, कंचन राठी, प्रिया राठी, लता मुंधड़ा, जुगल राठी द्वारका प्रसाद पंच्चीसिया, जगदीश कोठारी, भवानी शंकर राठी, मनमोहन लोहिया आदि उपस्थित थे।

NEWS

तोतला परिवार को सफलता

रतलाम। जनपद पंचायत सैलाना हेतु प्रीति तोतला, पंचपद हेतु हेमन्त तोतला एवं दानपुर पंचायत से सुनीता तोतला भारी बहुमत से विजयी घोषित हुई। इसी परिवार से सम्बंधित मुकेश बाहेती ग्राम पंचायत महुड़ी पुरा जिला-उज्जैन से सरपंच पद हेतु प्रत्याशी है। एक ही परिवार के तीन प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के बेनर तले निर्वाचित होने पर माहेश्वरी समाज सरवन ने हर्ष व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि व्यापारी प्रकोष्ठ सरवन के अध्यक्ष महेश तोतला का परिवार पूर्णरूप से भाजपा को समर्पित रहा है। इनका अभिनंदन राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद्र कटारिया ने किया।

छप्पन भोग के साथ मना पाटोत्सव

होशंगाबाद। संत गोकुलोत्सव जी महाराज के सान्निध्य में बनखेड़ी ग्राम में श्री मदनमोहन जी का पाटोत्सव एवं छप्पन महाप्रसादी का आयोजन स्थानीय जांवधिया परिवार एवं मदनमोहन मंदिर ट्रस्ट के सहयोजन से सम्पन्न हुआ। इसमें स्थानीय सांसद राव उदयप्रतापसिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी माहेश्वरी समाज के नवनीतलाल जांवधिया, नरेन्द्र कुमार जांवधिया आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। दीपोत्सव कार्यक्रम में मन्नूलाल सांवल, जीवनलाल मालानी, घनश्यामदास डांगरा, वल्लभदास सातल, कपिल जांवधिया आदि की सक्रिय भागीदारी रही।

सत्यनारायण काबरा सरपंच निर्वाचित

भीलवाड़ा। बड़लियास ग्राम पंचायत के सम्पन्न चुनाव में सत्यनारायण काबरा भारी मतों से सरपंच चुने गये। श्री काबरा फूटबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं। श्री काबरा के पिता रामस्वरूप काबरा भी पूर्व में 15 वर्ष तक सरपंच रहे हैं। उनके निर्वाचन से गाँव में हर्ष की लहर फैल गई।

सर्वाइकल कैन्सर टीकाकरण

सूरत। जिला माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत ओल्ड सूरत सिटी माहेश्वरी सभा सूरत द्वारा ''सर्वाइकल कैन्सर मुक्त माहेश्वरी महिला समाज टीकाकरण अभियान'' प्रारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत सर्वाइकल कैन्सर से बचाव के लिये आगामी 8 मार्च को माहेश्वरी भवन सीटी लाईट में टीकाकरण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में 7500 रुपये मूल्य के तीन टीके मात्र 3000 रुपये में लगाये जाऐंगे। अधिक जानकारी के लिये विनीत काबरा, राधेश्याम बजाज, गोपाल डाड, मुकेश सोमानी, तुलसीराम हेडा व नरेन्द्र राठी आदि से सम्पर्क किया जा सकता है।

एम-सर्कल में बाहेती आमंत्रित

जयपुर। माहेश्वरी उद्यमियों के नवगठित क्लब ''एम-सर्कल का प्रथम आयोजन आगामी 14 मार्च को चेन्नई में होने जा रहा है। इसकी मेजबानी क्लब के चेन्नई चेप्टर द्वारा अध्यक्ष रव्ही लड्डा के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस आयोजन में जयपुर के प्रदीप बाहेती को प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किय जा रहा है। वे समाज के उद्यमियों को मार्गदर्शन प्रदान करना है। अध्यक्ष श्री बाहेती ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि क्लब का वर्तमान में गठन चेन्नई व कोलकत्ता चेप्टीर के रूप में हुआ है लेकिन शीघ्र ही यह सम्पूर्ण राष्ट्र में अपनी सेवा देगा। इसका उद्देश्य समाज के उद्यमियों को परस्पर सम्बद्ध कर विकास के नये आयाम छूना है। इसमें नई तकनीकों की जानकारी के लिये विदेश यात्राओं का भी आयोजन होगा।

रोजगार सेवा केन्द्र स्थापित

जयपुर। क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा, सोड़ाला द्वारा आयोजित कार्य समिति की बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार 'महेश रोजगार सेवा केन्द्र' की स्थापना की गयी। इस केन्द्र द्वारा रोजगार देने वाले एवं रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को सूचीबद्ध किया जायेगा एवं आवश्यक सूचनाओं का आदान प्रदान किया जायेगा। समाज के सभी रोजगार के इच्छुक एवं रोजगार देने वाले व्यक्तियों से मंत्री नवलकिशोर झंवर ने अनुरोध किया कि इसके लिये जगदीश सोमानी (महाराजा साबून), प्रहलाद दास खटोड़ (अग्रवाल फार्म, मानसरोवरा), ताराचन्द नोवाल (शालीमार बाग, चित्रकूट) व कृष्णदास जाजू जाजू (बनीपार्क) से सम्पर्क कर आवश्यक जानकारी दें।

मदनगंज-किशनगंज में सेवा-सदन लोकार्पित

मदनगंज-किशनगंज। श्री माहेश्वरी सदन के नवनिर्मित भवन, चन्द्रा कॉलोनी के लोकार्पण समारोह का आयोजन गत 11फरवरी को जगद्गुरू निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्री श्रीजीमहाराज के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा (महासचिव, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा), ओमप्रकाश दरगड़-अध्यक्ष श्री माहेश्वरी समाज जयपुर व विशिष्ट अतिथि श्यामसुन्दर छापरवाल (अजमेर), भागचन्द मून्दड़ा (चित्तौड़गढ़), सुभाषचन्द नवाल (अजमेर), महावीर प्रसाद बिदादा जिलाध्यक्ष-नागौर जिला माहेश्वरी सभा एवं कमलकिशोर चांडक-संयुक्त मंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, रामरतन

छापरवाल-अध्यक्ष माहेश्वरी समाज किशनगढ़थे। श्री माहेश्वरी सदन के अध्यक्ष श्रीगोपाल सोनी, सचिव श्यामसुन्दर दरगड़, कोषाध्यक्ष कैलाश लड्ढा एवं अतिथियों अशोक पाटनी, विधायक भागीरथ चौधरी, पूर्व विधायक नाथूराम सिणोदिया, महावीर कोठारी आदि ने जगद्गुरू श्री श्रीजीमहाराज का माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सेवा सदन के अध्यक्ष श्री सोनी ने बताया कि भवन में 11 कमरे, 3 बड़े हॉल, 2 रसोईशाला का आधुनिक शैली युक्त साज-सज्जा के साथ निर्माण करवाया गया है एवं शीघ्र ही यह भवन समाज एवं अन्य समाज बन्धुओं को मांगलिक कार्यो के लिए उपलब्ध हो सकेगा। श्रीनिवास काबरा, प्रेमराज राठी, आलोक कांकाणी, मुकुटबिहारी मालपाणी, गोपाल काबरा, शम्भुदयाल राठी, चांदमल रांदड, राधामोहन सारडा सहित कई गणमान्यजन इस अवसर पर उपस्थित थे।

> बड़ा आदमी वो कहलाता है
> जिससे मिलने के बाद
> कोई खुद को छोटा महसूस न करें।

माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट के चुनाव सम्पन्न

इन्दौर। सामाजिक शैक्षणिक संस्था "श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट" के चुनाव निर्वाचन अधिकारी जी.डी. शारदा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए। इसमें संस्था द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के नवीन पदाधिकारियों का चयन किया गया। इनके अन्तर्गत श्री आर.के. डागा माहेश्वरी एकेदमी में अध्यक्ष घनश्याम झँवर व मंत्री नितीन माहेश्वरी, श्री बी.डी. तोषनीवाल माहेश्वरी बाल मंदिर में अध्यक्ष श्रीमती पंकज सोनी व मंत्री देवेन्द्र बाहेती, श्री माहेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यक्ष अजय सोड़ानी व मंत्री लीलाधर मानधन्या, श्रीमती फूलबाई- मुरलीधर जी झंवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास में अध्यक्ष अनिल झंवर व मंत्री रामेश्वरलाल सोमानी तथा श्रीमती रूक्मादेवी-पन्नालाल लड्ढा माहेश्वरी महाविद्यालय में अध्यक्ष संतोष मुछाल व मंत्री किशन मूंदड़ा चुने गये।

मोहनलाल नत्थानी बने डायरेक्टर

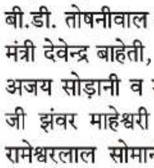

अकोला। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी सदस्य एवं विदर्भ प्रादेशिक संगठन नागपुर के वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ सेल के संयोजक मोहनलाल नत्थानी अकोला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के चुनाव में वर्ष 2014 से 2018 तक के लिये (डायरेक्टर) निर्वाचित हुए। इस उपलब्धि पर गत 26 जनवरी को माहेश्वरी भवन में समाज ट्रस्ट की ओर से उनका सत्कार किया गया है।

हल्दी कुंकु कार्यक्रम हुआ आयोजित

मुर्तीजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी वरिष्ठ महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में मकर संक्रांति के अवसर पर समाज सदस्य रामजीवन बाहेती के निवास पर हल्दी-कुकुं का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से उपस्थित महिलाओं के लिये कई प्रकार की स्पर्धा-खेल प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के इन दोनों महिला मंडल की पदाधिकारी, सदस्य एवं समाज की सदस्याऐं उपस्थित थीं।

झंवर बनी मेस्टा संगठन प्रदेश उपाध्यक्ष

बुलढाणा। महाराष्ट्र इंगलिश स्कूल ट्रस्ट असोसिएशन (मेस्टा) में सहकार विद्यामंदिर की विश्वस्त तथा बुलढाणा अर्बन पतसंस्था की अध्यक्षा कोमल झंवर निर्विरोध रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष चुनी गई।

दादा-पोते लगातार फिर एक साथ हुए सम्मानित

जयपुर। माहेश्वरी समाज की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज कार्यकारिणी सदस्य बल्लभ मारू और उनके पौत्र हर्षवर्धन मारू को एक साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि बल्लभ मारू को खेल क्षेत्र में लगातार छठे वर्ष और हर्षवर्धन को शिक्षा के क्षेत्र में लगातार तीसरे वर्ष सम्मानित किया गया है।

माहेश्वरी समाज ने निकाली मौन रैली

खिरकिया। हरदा में नाबलिग के अपहरण के मामले को लेकर माहेश्वरी समाज ने मौन रैली निकालकर ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में बताया कि एक नाबालिक को विष्णु उर्फ नेपाली विश्नोई अपहरण कर ले गया है। आरोपी पर कार्रवाई की मांग को लेकर माहेश्वरी समाज के लोगों ने यहां रैली निकाली। समाज के लोगों ने घटना का विरोध किया और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनर्रावृत्ति नहीं होने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि नाबालिग के अपहरण किए हुए दस दिन होने पर आए है, लेकिन अभी भी आरोपी को पुसिल गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस घटना के विरोध में जिले की सभी तहसीलों के व्यापारियों ने बाजार बंद रख विरोध प्रकट करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। इसका असर यह हुआ कि पुलिस सक्रिय हुई और 11 दिवस के अन्दर बालिका को समीपस्थ बड़नगर से बरामद किया। आरोपी न्यूज लिखने तक फरार थे।

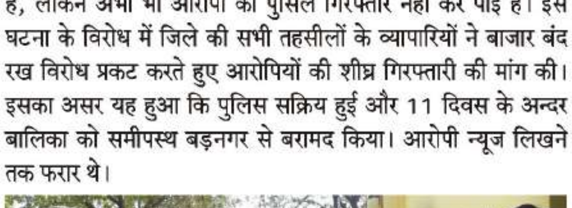

> बारिशों में हम अकेले ही थे
> जब बरसी खुशियाँ
> तो न जाने भीड़ कहाँ से आ गई।

मून्दड़ा अध्यक्ष व गादिया सचिव

जानकीलाल मून्दड़ा

गोपाल गादिया

उदयपुर। माहेश्वरी पंचायत (शहर) के चुनाव निर्वाचन अधिकारी डॉ. बसन्तीलाल हेड़ा एवं डॉ. प्रहलाद राय सोमानी की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष जानकीलाल मून्दड़ा, उपाध्यक्ष अशोक बाहेती व सुरेश सोमानी व सचिव गोपाल गादिया, संयुक्त सचिव, दिनेश अजमेरा, कोषाध्यक्ष-रतन प्रकाश माहेश्वरी, संगठन सचिव अम्बालाल परतानी, सांस्कृतिक मंत्री राजेश राठी, प्रचार प्रसार मंत्री मुरलीधर गट्टानी निर्वाचित घोषित किये।

हास्य कवि काबरा का सम्मान

मुम्बई। जीवन के 60 एवं मंचों के 40 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में हास्य कवि, मंच-संचालक एवं लेखक सुभाष काबरा को मीटिओर फिल्मस द्वारा शॉल, श्रीफल, सम्मान पत्र एवं एक लाख रुपये की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया। समारोह में आसकरण अटल, मुकेश गौतम, दिनेश बंसल, नवनीत हुल्लड़, निदा फाजली, महेश हलवाई और कैलाश सेंगर आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

वेलेन्टाईन डे पर प्रकृति प्रेम की सीख

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था ने वेलेन्टाईन डे पर प्रकृति, परिन्दों व पेड़ों से प्यार कर इनके संरक्षण की सीख दी। संस्था के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू व बिलेश्वर डाड ने बताया कि हनुमान कॉलोनी स्थित प्रकृति विहार में युवा जोड़ों विनिता-निखिल डाड, आदित्य-सोनल जाजू व प्रशिता-गौरव ने पेड़ों को रक्षासूत्र बांध, परिन्दों को दाना-पानी दिया तथा वेलेन्टाईन डे पर पर्यावरण व प्रकृति बचाने का संदेश दिया।

नेत्र परीक्षण का हुआ आयोजन

कानपुर। माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर गत 11 जनवरी को माहेश्वरी धर्मशाला में खैराबाद नेत्र चिकित्सालय के कुशल नेत्र चिकित्सकों द्वारा लगाया गया। इसमें 185 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन हुऐ। इसमें दवाओं व चश्मों का निःशुल्क वितरण किया गया। मरीजों के लिये ब्रेड-बिस्कुट, पाव व चाय की निःशुल्क व्यवस्था तथा ऑपरेशन वाले मरीजों के निःशुल्क भोजन की भी व्यवस्था थी। शिविर में अध्यक्षता प्रीति तोषनीवाल, मंत्री अंजू जाजू, शालिनी करनानी, सीमा झंवर, कुसुम बाहेती, सरिता गट्टानी, उषा तोषनीवाल, करूणा अटल के साथ कार्यकारिणी सदस्यायें व सहयोगी सदस्याऐं भी मौजूद थीं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू बांगड़ ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

महेश कोष से 64 विद्यार्थी लाभान्वित

अमरावती। विदर्भ प्रादेशिक महेश कोष की स्थापना अमरावती शहर में सन् 1994 में श्री निवास लड्ढा संस्थापक अध्यक्ष तथा स्व. डॉ. हरगोविन्द नावंदर संस्थापक सचिव के नेतृत्व में की गई थी। प्रतिवर्ष माहेश्वरी समाज के होनहार एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए सहायता तथा अभावग्रस्त समाज के लोगों को वैद्यकीय सहायता दी जा रही है। कोष में प्राप्त धनराशि पर प्राप्त ब्याज से अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2014 में विदर्भ जिले अमरावती से 33, अकोला से 23, नागपुर से 3, वर्धा से 2, भंडारा से 1, यवतमाल से 1, वाशिम से 5, बुलढाना से 7 ऐसे कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए। महेश कोष की कार्यकारिणी समिति ने इनमें से 64 छात्र-छात्राओं को सहायता देने का निर्णय लिया। तदनुसार स्वीकृत राशी धनादेश के विद्यार्थियों को वितरित किये गये। लाभार्थियों में 29 लड़के व 35 लड़कियां है। संस्था अध्यक्ष श्यामसुन्दर टावरी व सचिव ओमप्रकाश लड्ढा ने बताया कि छात्रवृत्ति वितरण में संयोजक राजेन्द्र कुमार नावंदर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

> तलाश-ए-वफा से क्यों
> खुद को तकलीफ देती हो...
> अब मान भी लो दुनिया में
> कोई नहीं तुम्हारे सिवा मेरा।

महिला संगठन ने आयोजित किया आगमन-15

वाराणसी। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 11 जनवरी को शुभम लॉन महमूरगंज पर एक भव्य आकर्षक मेले "आगमन 2015" का आयोजन किया गया। इस का उद्घाटन शालिनी (सहायक पुलिस अधीक्षक और कोतवाली संभाग की प्रभारी) द्वारा किया गया। इस मेले में लगभग 100 स्टालों में कई बड़े औघोगिक तथा लघु और कुटीर उद्योगों के उत्पादों के स्टाल लगाये गये। उपस्थित समाजजनों और वाराणसी की आम जनता ने भी जमकर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर मेगा टेलेंट हंट व शो सुपर मॉम आदि स्पर्धाओं का आयोजन भी 2 अलग-अलग आयु वर्गो में किया गया। भारत की विख्यात एथलीट और कई अंतराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली नीलू मिश्रा व कविता शाह ने निर्णायक के रूप में सहयोग दिया। इसी अवसर पर संगठन द्वारा एक नई शुरूआत के तौर पर संस्था के स्थापना के प्रथम 5 सत्रों के अध्यक्षों को शाल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर जारी प्रवेश पत्रो पर आकर्षक 55 पुरस्कार वाला लकी ड्रॉ भी निकाला गया। कायक्रम की अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष वन्दना कोठारी ने की। अतिथि स्वागत संगठन मंत्री इन्दू चाण्डक ने किया। आभार कोषाध्यक्ष मधु मल्ल और सांस्कृतिक मंत्री अंजू बियानी ने माना। सुपर मॉम व टेलेंट हंट शो का संयोजन और संचालन ज्योति दुजारी और मंजू झंवर ने किया।

औद्योगिक प्रदर्शनी में लगी महेश बैंक की स्टॉल

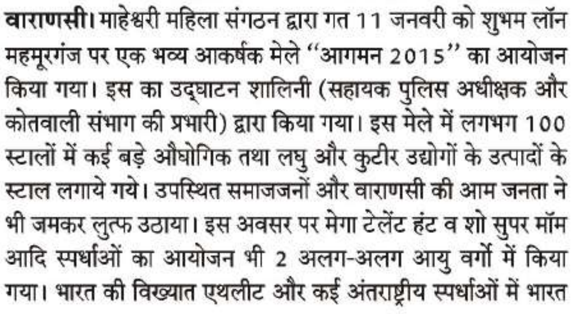

हैदराबाद। गत दिनों आयोजित 75वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी में महेश बैंक की स्टॉल लगाई गई। इसका उद्घाटन स्पेशल पुलिस विभाग के संयुक्त आयुक्त एवम् उपमहानिरीक्षक वाय. नागीरेड्डी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने श्री नागीरेड्डी का स्वागत करते हुए बैंक की उपलब्धियों एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बड़े व्यावसायिक बैंकों के समकक्ष नवीनतम तकनीक के उपयोग के साथ इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग सुविधा के साथ डेबिट कार्ड, नेफ्ट, आरटीजीएस, लखपति जमा योजना आदि ग्राहकों के हित की सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद आसावा ने अतिथि परिचय दिया। इस अवसर पर बैंक के निदेशकगण भी उपस्थित थे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुरुषोत्तमदास मानधणा ने आभार व्यक्ति किया।

> शिकायतें तो बहुत हैं तुझसे
> ए ज़िन्दगी
> पर जो दिया तूने
> वो बहुतों को नसीब नहीं।

माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप के चुनाव सम्पन्न

बालकिशन-कृष्णा सोनी

मोहन-नीता सोमानी

इन्दौर। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप के चुनाव अधिकारी सत्यनारायण बाहेती (उपाध्यक्ष म.प्र पश्चिमांचल माहेश्वरी महा सभा) एवं सत्यनारायण गादिया (कोषाध्यक्ष इन्दौर जिला माहेश्वरी समाज) के निर्देशन में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष बालकिशन-कृष्णा सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अशोक कुमार - चन्द्रकांता चितलांग्या, उपाध्यक्ष-संपतकुमार-राधा साबू, सचिव- मोहन-नीता सोमानी, सहसचिव-अशोक रमिला काकाणी, कोषाध्यक्ष-गोपीकिशन-ब्रजलता काकाणी व प्रचार मंत्री-घनश्यामदास-संगीता माहेश्वरी चुने गये।

दिल्ली प्रदेश का महासभा के टकराव

दिल्ली। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने अपने पृथक अस्तीत्व को लेकर अ.भा. माहेश्वरी महासभा को कानूनी नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में प्रदेश सभा ने महासभा द्वारा दिल्ली प्रदेश की निर्वाचित कार्यकारिणी की उपेक्षा करते हुए समानान्तर रूप से पृथक प्रादेशि क संगठन तैयार करने के प्रयास के आरोप लगाये गये हैं। जारी नोटिस में कहा गया है कि दिल्ली प्रदेश एक वैधानिक संगठन है और इसका अपना विधान है। महासभा इसे अपने हिसाब से संचालित करने के लिये विवश नहीं कर सकती। इस नाराजगी का प्रमुख कारण गत दिनों आयोजित ब्रज समागम में दिल्ली प्रदेश से किसी भी प्रतिनिधि को आमंत्रित न किया जाना बताया जा रहा है।

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से मथानिया में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्ष उमा बिड़ला ने बताया कि गत 26 जनवरी को यह शिविर श्री जी.वी. बूब मेमोरियल स्कूल मथानिया में रखा गया। सचिव छाया राठी ने बताया कि सभी बच्चों की जांच करने के बाद उनको दाँतों की सफाई कैसे रखें। इस बारे में जानकारी दी गई। संयोजिका डॉ. सूरज माहेश्वरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. फुलकौर मुन्दड़ा, कोषाध्यक्ष आशा फोफलिया, सहसचिव शिवकन्या धूत उपस्थित थीं। सभी बच्चों को कॉपी, पेन, पेन्सिल, रबर, देकर दाँतों की देखभाल करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। स्थानीय अध्यक्षता स्नेहलता बूब, सचिव शांति डागा, जिला उपाध्यक्ष श्रीकांता बूब, सन्तोष डागा ने इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संभाला। समस्त सदस्यों का इसमें सहयोग रहा।

हृदय-कैंसर जाँच शिविर सम्पन्न

अमरावती। जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा सहयोग हार्ट फाउंडेशन व महेश सेवा समिति अमरावती के सहयोग से स्थानीय महेश भवन में निःशुल्क हृदय रोग, कैंसर व मेंदुविकार जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन अमरावती के आमदार डॉ. सुनिल देशमुख व वरिष्ठ सदस्य घनश्यामदास सारडा के हाथों हुआ। मंच पर जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सोनी, सचिव डॉ. विजयकुमार भांगड़िया व संगठन मंत्री बंकटलाल राठी उपस्थित थे। संचालन अनिल राठी द्वारा किया गया। इस शिविर का 340 समाज बंधुओं ने लाभ लिया। सभी का ई.सी.जी. निःशुल्क किया गया। आवश्यकतानुसार 150 लोगों के लिपिड प्रोफाइल, यूरिया, क्रियेटीनिन की जाँच भी मात्र 100 रुपये में की गई। चाय, नाश्ता व भोजन की व्यवस्था जिला संगठन द्वारा निःशुल्क की गयी थी।

सामूहिक विवाहोत्सव का हुआ आयोजन

जलगांव। जिला माहेश्वरी सभा श्री माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति-जलगांव, श्री सांई सेवा समिति, पांलधी (जिला जलगांव) द्वारा आयोजित तृतीय माहेश्श्री सामूहिक विवाहोत्सव गत बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर श्री सांई बाबा मंदिर पालधी के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस समारोह मे 11 जोड़ियाँ परिणय सूत्र में बंधी। इस अवसर पर आशीर्वाददाता के रूप में श्यामसुंदर जाजू-केन्द्रीय सचिव-भाजपा, जय प्रकाश मूंदड़ा, भूतपूर्व सहकार मंत्री महाराष्ट्र, गुरूमुख जगवाणी-विधान परिषद सदस्य महाराष्ट्र, जालिंदर सुपेकर-पुलिस अधीक्षक-जलगांव, सतीष चरखा-अध्यक्ष-महाराष्ट्र, प्रदेश माहेश्वरी सभा सहित लगभग 4 हजार समाजजन उपस्थित थे। संयोजन समिति के संस्थापक श्री बालकृष्ण बेहेड़-श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति अध्यक्ष-श्यामसुन्दर झंवर, जलगांव के अध्यक्ष संजय दहाड़-श्री सांई सेवा समिति पालधी के सचिव सुनील झंवर, राजेन्द्र झवंर आदि का इसमें सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

विशेषज्ञ चिकित्सकों से दिलाया परामर्श

कालावाली (हरियाणा)। स्थानीय माहेश्वरी सभा कलावाली व माहेश्वरी युवा संगठन कालावाली ने संयुक्त रूप से चिकित्सा शिविर लगाया। इसमें हृदय, फेफड़ों, श्वांस, शुगर की जाँच की गई। इस शिविर में 200 से अधिक मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा फ्री चैकअप व ईसीजी की गई। इस मौके पर माहेश्वरी सभा कालावाली के प्रधान नरेश माहेश्वरी, माहेश्वरी युवा संगठन के प्रधान पकंज माहेश्वरी, आढ़ती एसोसिएशन कालावाली के उपप्रधान नामी माहेश्वरी, संयोग माहेश्वरी, तरुण माहेश्वरी, पुनीता कोठारी, महिला मंडल की अध्यक्ष वीना महेश्वरी, उपप्रधान रीतु माहेश्वरी, वीना लखोटिया, राजश्री कोठारी, खुशबू कोठारी आदि मौजूद थीं।

> अजीब तरह के लोग हैं इस दुनिया में
> अगरबत्ती भगवान के लिए खरीदते हैं
> और खुशबू खुद की पसन्द की तय करते हैं।

मानवाधिकारी संगठन में कलंत्री

नासिक रोड़। सामाजिक कार्यकर्ता नंदकिशोर कलंत्री अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के कक्ष में मानवाधिकार संगठन के जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त हुए। कलंत्री ने जेसीस के अध्यक्ष पद सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

विवाह की मनाई स्वर्ण जयंती

अहमदाबाद। रायपुर (भीलवाड़ा) राजस्थान के मूल निवासी एवं वर्तमान में अहमदाबाद में मेटल व्यवसायी के रूप में पहचान रखने वाले शान्तिलाल खटोड़ एवं कंकुदेवी खटोड़ के विवाह की स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का आयोजन गत दिनों अहमदाबाद में हुआ। कार्यक्रम में गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा के नन्दलाल न्याती, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के उपाध्यक्ष बाबूप्रसाद खटोड़, अहमदाबाद के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट बालूराम लाहोटी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

जाजू का नेपाल में अभिनंदन

काठमाण्डू। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्याम जाजू का काठमांडू के महेश सदन में माहेश्वरी समाज नेपाल द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष श्री मून्दड़ा, रमेश तापड़िया, अनिल राठी आदि उपस्थित थे। इस यात्रा में श्री जाजू ने नेपाल के प्रधानमंत्री सुशील कोईराला से भी भेंट की।

> लोग अफसोस से कहते हैं कि
> कोई किसी का नहीं...
> लेकिन कोई यह नहीं सोचता
> कि हम कब किसी के हुए।

सेवा पथ के अनमोल रत्न
श्री प्रदीप जी बाहेती
को
'माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2014'
अलंकरण से सम्मानित होने पर

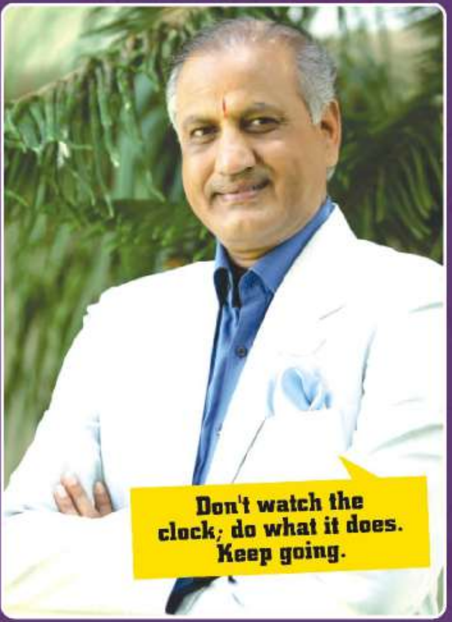

हार्दिक बधाई

प्रभु मान्धना
शिवरतन चितलांगिया
श्याम सुन्दर भूतड़ा
ज्योति माहेश्वरी
डॉ. एन. के. मालपानी
जे.के. जाजू (जागृति)
मधुसुदन बियानी
श्रीमती प्रभा सिंघी
श्रीमती ज्योति तोतला

महेश वाणी का हुआ लोकार्पण

वृंदावन। गत दिनों बृज समागम-महासभा कार्यकारी मण्डल के प्रथम अधिवेशन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई राजश्री बिरला से विदर्भ प्रदेश पदाधिकारियों ने मुलाकात कर प्रदेश की सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी। इसी अवसर पर विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के मुख्य पत्र "महेश वाणी" की इस सत्र की प्रथम आवृति का श्रीमती बिरला द्वारा विमोचन किया गया। प्रादेशिक संगठन के अध्यक्ष सज्जन कुमार मोहता, श्रीकृष्णदास जाजू ट्रस्ट के पूनमचंद मालू, महेश वाणी के सहसंपादक लक्ष्मीनारायण राठी वर्धा, जिला सभा के सचिव मोहनबाबू चाँडक, महेश वाणी के संपादक कमलकिशोर माहेश्वरी, प्रादेशिक संगठन के सचिव मदनलाल मालपाणी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

बीकानेर युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

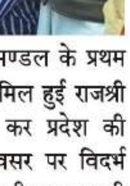

बीकानेर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन की कार्यकारिणी का गठन गत दिनों हुआ। इसमें अध्यक्ष-जुगल राठी (बीकानेर), महामंत्री-ताराचन्द भूतड़ा (नोखा), कोषाध्यक्ष-महेश मंत्री (श्री डूँगरगढ़), उपाध्यक्ष-राधाकिशन चाण्डक (बीकानेर), पवन झंवर (नोखा), राधेश्याम सोमानी, (खाजुवाला), मंत्री-पवन कुमार राठी, सुरेश राठी (बीकानेर), आनन्द बजाज (नोखा) व मनमोहन करनाणी (नापासर), सांस्कृतिक मंत्री-भवानी शंकर राठी (बीकानेर), संगठन मंत्री-दिलीप करवा (नोखा), खेलमंत्री-अमित दम्माणी (बीकानेर), चिकित्सा मंत्री-राजेश राठी पी.बी.एम. (बीकानेर), प्रचार मंत्री-आनन्द पेड़ीवाल (बीकानेर) तथा सलाहकार मंत्री-दिनेश पेड़िवाल (बीकानेर) व राधेश्याम गट्टाणी (नोखा) चुने गये।

सामूहिक रूप से मनाई पिकनिक

बीकानेर। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा यहां से 54 किमी दूर सेरूणा गाँव के निकट पुनरासर स्थित हनुमान मंदिर में नववर्ष के आगमन की खुशी में 3 जनवरी को सामूहिक पिकनिक व दर्शन का कार्यक्रम रखा गया। उपाध्यक्ष कंचन राठी के अनुसार महिला समिति के सदस्यों ने इस अवसर पर सुंदरकाण्ड पाठ का सामूहिक आयोजन भी किया। महिला समिति की संरक्षिका किरण झंवर ने बताया कि इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना के साथ पूरे वर्ष के लिए सभी देशवासियों के सुख-शांति की प्रार्थना की गई।

गर्ल्स होस्टल में मना 16 वां वार्षिकोत्सव

इन्दौर। श्री झंवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास का 16 वां वार्षिकोत्सव एवं स्नेह सम्मेलन एडिशनल कलेक्टर गोपालचन्द्र डाड़ के मुख्य आतिथ्य एवं श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला व माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष अनिल झंवर,सचिव सुमन सारड़ा एवं कोषाध्यक्ष रामेश्वर सोमानी द्वारा किया गया। छात्रावास की जानकारी सचिव सुमन सारड़ा ने देते हुए बताया कि छात्रावास में 100 छात्राएँ रहती हैं तथा आवेदन पर छात्रावास शुल्क में रियायत भी प्रदान की जाती है। अतिथियों का परिचय संस्था कार्यसमिति सदस्य भरत सारड़ा ने दिया। इस अवसर पर छात्रावास में वर्षभर संचालित की जाने वाली गतिविधियों में चयनित विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण में विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ छात्रा के रूप में कु. पलक मुंदड़ा सोनकच्छ, श्रेष्ठ छात्रा (उच्च शिक्षा) कु. दीपाली मुंदड़ा जावर, को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के पालकगण एवं संस्था के दानदाताओं भी उपस्थित थे। अतिथियों को स्मृति चिन्ह संस्था की रमा सारड़ा, निर्मला बाहेती, रामविलास राठी व वार्डन निर्मला-हीरालाल धीरन द्वारा प्रदान किये गये। छात्रावास में रंगोली मेहंदी व रूम सजाओ स्पर्धा आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्रावास की छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व नाटक प्रस्तुत किया गया।

क्रेडिट सोसायटी के चुनाव सम्पन्न

रतलाम। स्थानीय साख सहकारी संस्था मर्या. के निर्वाचन अधिकारी अमरसिंह राठौर (वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक) की देखरेख में माहेश्वरी धर्मशाला में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष सुनील माहेश्वरी तथा उपाध्यक्ष सतीश माहेश्वरी एवं कविता डारिया मनोनीत किए गए। साथ ही संचालकगण शैलेंद्र डागा, माधव काकाणी, रामचंद्र डारीया, डॉ. भगवतीलाल तापडिया, द्वारकादास भंसाली, नरेंद्र बाहेती, कैलाश मालू एवं सुनीता चिंचाणी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

> खुद को बिखरने मत देना
> कभी किसी हाल में
> लोग गिरे हुए मकान की
> ईंट तक ले जाते हैं।

महेश बैंक करेगा रिलायंस रिटायरमेंट फण्ड का विपन्नण

हैदराबाद। रिलायंस केपीटल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के विभिन्न उत्पादों के विपन्नण के मुख्य अवयवों और विशिष्टताओं की जानकारी देने के लिए एक विशेष जानकारी सत्र का आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र का शुभारंभ करते हुए बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने कहा कि बैंककर्मियों द्वारा सामान्य बैंकिंग कार्य से हट कर बैंक की आय बढ़ाने के लिए इंश्योरेंस के विभिन्न उत्पादों की तथ्यात्मक जानकारी रहने से ग्राहक को इनकी विशिष्टता एवं लाभ की समुचित जानकारी के साथ इस दृष्टि से इसका आयोजन किया गया। रिलायंस केपीटल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की ओर से सभी का स्वागत क्षेत्रीय प्रबंधक लोहित सोमया ने किया।

पधारो म्हारे देश का हुआ आयोजन

पुरुलिया (प.बं.)। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा माहेश्वरी सभा के अंतर्गत 'पधारो म्हारे देश' (Fun Fiesta 2014) का आयोजन गत दिनों किया गया। समाज की संस्कृति एवं राजस्थान के पाँच प्रमुख मंदिर (करणी माता, रामदेव बाबा, सालासर, राणीसती दादी एवं खाटूश्यामजी) की झांकी सजाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन रामकृष्ण मिशन के महाराज ज्ञानलोकानंदजी व सांसद मृगांको माहतो द्वारा किया गया। विशेष अतिथि के रूप में पुरुलिया के डीएसपी व एसपी भी उपस्थित थे।

सशक्त महिलाओं का किया सम्मान

जयुपर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा सशक्त माहेश्वरी महिला सम्मान समारोह माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर, जयपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। मंच पर समाज उपाध्यक्ष (शिक्षा) रामअवतार अजमेरा, मुख्य अतिथि हुल्लास चंद भूतड़ा, विशिष्ट अतिथि ज्योति अजमेरा, समारोह अध्यक्ष नीता जाजू, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल एवं प्रदेश मंत्री राजेन्द्र कुमार मंत्री उपस्थित थे। अतिथियों का तहसील सभा के मंत्री एवं चारों क्षेत्रीय सभा के मंत्रीगणों द्वारा बेज लगाकर स्वागत किया गया। सम्मान समारोह में 'ए' श्रेणी में जयपुर जिले की ऐसी 27 महिलाओं-युवतियों का सम्मान किया गया, जिन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तर पर किसी भी क्षेत्र में कोई विशिष्ट सम्मान अर्जित किया है। श्रेणी 'बी' में जयपुर जिले की ऐसी 14 सशक्त माहेश्वरी महिलाएं जिन्होंने कम आयु में अपने पति के निधन के बाद कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक संसाधनों का अभाव होते हुये भी अपने बलबूते पर अपने परिवार को संभाला तथा अपनी संतानों को शिक्षित कर योग्य बनाने हेतु संघर्ष किया, उन्हें सम्मानित किया गया।

आनंद मेला का हुआ आयोजन

उरई। माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा गत 25 दिसम्बर को आनन्द मेला आयोजित किया गया। उद्घाटन बुन्देलखण्ड भाजपा अध्यक्ष के द्वारा किया गया। मेले में 25 स्टाल लगे और बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने खरीददारी की। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्षा शारदा, सचिव रंजना एवं वर्षा भट्टर ने किया। लक्की ड्रा, तोल-मोल के बोल व वन मिनट शो आदि मुख्य आकर्षण थे। शशी भट्टर, सुशील भट्टर, मीरा भट्टर, मीना भट्टर, दीपा भट्टर, शोभा चांडक, प्रियंका राठी, नम्रता, संगीता, शशि भट्टर आदि सदस्यों का का विशेष सहयोग मिला।

> जो पत्थर आपकी मंजिल की राह में
> बाधा डालते हों
> आपको उसी पत्थर को मंजिल की बनाना आ जाए
> तो वही पत्थर आपको मंजिल तक पहुँचा देगा।

श्रीमती माहेश्वरी का किया अभिनंदन

उदयपुर। समाज की नेत्री किरण माहेश्वरी का केबिनेट मंत्री जलदाय विभाग राजस्थान सरकार बनकर प्रथम बार उदयपुर आगमन पर उदयपुर नगर माहेश्वरी सभा व उदयपुर माहेश्वरी समाज सहित विभिन्न समाज के प्रतिनिधि व पदाधिकारियों, कर्मचारी यूनियन, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता, पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष व पदाधिकारियों द्वारा अभिनंदन किया गया। इसमें समाज के वरिष्ठ जानकीलाल मूंदड़ा,डॉ. एसएन माहेश्वरी, रामस्वरूप सेठिया, श्यामलाल लाहोटी, मोहनलाल देवपुरा, ओमप्रकाश जागेटिया, डॉ.केएल समदानी, पुरुषोत्तम मंडोवरा, प्रहलादराय सोमानी, बिहारीलाल धुप्पड़, विजयराज गादिया, राकेश मूंदड़ा, मुरलीधर गट्टानी आदि गणमान्य जन उपस्थित थे। युवा संगठन के शंकर मूंदड़ा, राजेश राठी, अशोक काबरा, दामोदर खटोड़, राजेश तोषनीवाल, महिला मोर्चा की रीतू समदानी, अनिता बांगड़, आशा गिलड़ा, अनिता दरक, सुशीला जागेटिया, कंचन धुप्पड़ आदि उपस्थित थे।

अन्नकूट एवं सम्मान समारोह का आयोजन

इन्दौर। श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र इन्दौर द्वारा अन्नकूट, छप्पन भोग, मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि एलन केरियर इंस्टीट्यूट कोटा के प्रबंध निदेशक गोविंद माहेश्वरी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुशीला काबरा ने की। इस अवसर पर रामअवतार जाजू का अभिनंदन शाल-श्रीफल व अभिनंदन पत्र द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी ने किया। मंत्री किशन मून्दड़ा ने इस अवसर पर जानकारी दी कि संस्था के 50 सदस्यों के सहयोग से होटल रेडीसन के पीछे 6250 स्के. फीट जगह क्रय की गई है, जिस पर एक आधुनिक एवं सुविधाजनक अतिथि भवन का निर्माण प्रस्तावित है। अंत में संयोजक गौरीशंकर लखोटिया, ओमप्रकाश माहेश्वरी एवं सुनील गगगड़ का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। आभार युवा संगठन अध्यक्ष राकेश लखोटिया ने माना। कार्यक्रम का संचालन राजेश सोमानी एवं माधवी भंवर ने किया।

पधारो म्हारा देश में मून्दड़ा

कोलकाता। प्रतिवर्षानुसार इस बार भी "लोक संस्कृति" द्वारा आयोजित आठ दिवसीय राजस्थानी कार्यक्रम "पधारो म्हारो देश" में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी व लोक संस्कृति के संस्थापक ट्रस्टी जगदीशचन्द्र एन. मूंदड़ा को आमंत्रित किया गया। इसमें 10-15 हजार लोग प्रतिदिन शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सम्बोधित कर श्री मूँदड़ा ने अपना मार्गदर्शन भी दिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

बीकानेर। डागा चौक स्थित महेश भवन में श्री माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर एवं मित्तल हॉस्पीटल रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से श्वास, थाईराईड, एच.बी., बी.पी., ब्लड शुगर एवं हड्डियों की निःशुल्क जांच की गई। समिति अध्यक्ष रेखा लोहिया ने बताया कि शिविर में मुख्य रूप से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना मित्तल सहित कई विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। लगभग 215 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जाँच का लाभ उठाया। महिला समिति की कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के साथ बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष जुगल राठी, जगदीश कोठारी, मनमोहन लोहिया, अशोक बागड़ी आदि भी उपस्थित थे। संरक्षिका किरण झंवर ने बताया कि दीपक बिनानी, पवन राठी, एवं रतन मोहता आदि सहित समस्त सदस्यों ने भी सहयोग प्रदान किया।

महिला संगठन ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

नाथद्वारा। अभा माहेश्वरी संगठन के आयोजन ओजसम में दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के 12 सदस्य शामिल हुए। इसमें उदयपुर जिले की सारिका छापारवाल ने ओजसी 2014 में तृतीय स्थान एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। सेवा गतिविधि के अंतर्गत उदयपुर जिले में माहेश्वरी महिला गौरव ने 100 स्वेटर, कम्बल एवं रजाई बांटी, जिसमें कमेटी सदस्य उपस्थित थे। जनवरी माह में राजसमंद जिले में माहेश्वरी महिला मंडल नाथद्वारा द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में जरूरतमंद बच्चों को 70 स्वेटर वितरीत किए गए। उदयपुर जिले में भीण्डर महिला मंडल ने सुश्री कश्ती समदानी को 1500 रुपए की राशि एम.सी.ए. की पढ़ाई के लिए अ. भारतीय सेवा ट्रस्ट से प्रदान करवाई।

> जीना सरल है, प्यार करना सरल है,
> हारना और जीतना भी सरल है,
> तो फिर 'कठिन' क्या है ?
> 'सरल' होना बहुत 'कठिन' है।

ग्राहक का अटूट विश्वास ही विकास का मूल मंत्र

हैदराबाद। सार्वजनिक सेवा क्षेत्र से जुड़ा चाहे बैंक हो या कोई भी अन्य संस्थान प्रशिक्षित एवम ग्राहक के प्रति समर्पित मानव संसाधन उस उपक्रम के विकास के मूल आधार होते हैं। एक ग्राहक के मन में प्रतिष्ठान के प्रति विश्वास जमाने में बैंक कर्मी एवम शाखा प्रबन्धक का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उक्त उद्‌गार भारतीय रिजर्व बैंक के सेवा मंडल सदस्य एवम पूर्व कार्यकारी निदेशक करूप्पा स्वामी ने महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय प्रबन्धक एवम शाखा प्रबन्धकों को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। श्री स्वामी ने महेश बैंक की उपलब्धियों की प्रशंसा की। चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने श्री स्वामी का स्वागत करते हुये उन्हें बैंक की कार्यप्रणाली एवम उपलब्धियों की जानकारी दी। बैंक के प्रबन्ध निदेशक एवम मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेशचन्द आसावा ने श्री स्वामी का संक्षिप्त परिचय दिया।

नववर्ष पर स्मारिका प्रकाशन

वृंदावन। "विचार एक प्रयास-न्यूज एंड नेटवर्क" द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रथम स्मारिका का प्रकाशन किया गया। इसका विमोचन गत 20-21 दिसंबर को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के वृन्दावन (मथुरा) में हुए अधिवेशन में हुआ। इस अवसर पर राजश्री बिरला (बिरला समूह), किरण माहेश्वरी (मंत्री राजस्थान मंत्रीमंडल), श्याम जाजू (राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री भाजपा) के साथ ही महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा (कोलकाता), महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा (सूरत), पूर्व सभापति रामपाल सोनी, रमेशकुमार बंग (हैदराबाद), रामावतार जाजू, बंसीलाल भूतड़ा "किरण", महेश तोतला, ईश्वर बाहेती, भारत सारडा, मधुसूदन भलिका आदि उपस्थित थे।

> ना करो नुमाइश
> अपने जख्मों की यारो...
> लोग हाथों में नमक लेकर घूमते हैं।

रॉयल्स ने किया एमएमसीएल टी-20 पर कब्जा

दिल्ली। माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) द्वारा एमएमसीएल (माहेश्वरी मंडल क्रिकेट लीग) की स्थापना कर इसके पहले मैच का आयोजन 07. से 21 दिसम्बर तक दिल्ली के विभिन्न क्रिकेट मैदानों पर किया गया। कार्यकम को प्रोत्साहित करने के लिए श्यामसुन्दर बिहानी व ओमप्रकाश मोहता ने सभी खिलाड़ियों को विशेष प्रकार की टीम की 'लोगो' लगी हुई पोशाक प्रदान की एवं विज्ञापन के माध्यम से विभिन्न समाज बंधुओं ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया। इस कार्यक्रम को संजोने के लिए लगभग 3.50 लाख रुपये विज्ञापन के माध्यम से एकत्रित किए गए। फाईनल मैच माहेश्वरी रॉयल्स व माहेश्वरी सुपर किंग्स के बीच हुआ। जिसमें रॉयल्स ने सुपर किंग्स को हराकर खिताब पर कब्जा किया। कार्यक्रम के अंत में सभी खिलाड़ियों, फ्रेंचाईजी व विज्ञापनदाताओं को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया एवं विजेता टीम को विशेष उपहार एवं ट्राफी प्रदान की गयी। फाईनल मैच की कमेंट्री अनिल मंत्री एवं अरूण सारड़ा ने की। अध्यक्ष सोहन कासट ने बताया कि इसमें समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

रंगनाथजी का मना कल्याण उत्सव

वरंगल। स्थानीय समाज द्वारा श्री लक्ष्मीवेंकटेश मंदिर में धनुर्मास के अन्तर्गत भगवान श्री गोधा-रंगनाथ जी का कल्याण उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में समाज के करीब 800 श्रृद्धालुओं ने भाग लिया।

झंवर की स्मृति में गोवंश सेवा

मंदसौर। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. बद्रीलाल झंवर की स्मृति में माहेश्वरी महिला मंडल ने झंवर परिवार के सहयोग से कालिदास मार्ग स्थित गौशाला में गौवंश को लापसी का आहार करवाया। गौशाला अध्यक्ष अनिल संचेती ने झंवर परिवार व माहेश्वरी महिला मंडल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में माहेश्वरी पश्चिमांचल संगठन मंत्री गीता झंवर, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष इंदिरा झँवर, कोषाध्यक्ष शारदा सोमानी, अनिल झंवर, मधू धूत, राज चिचानी, संध्या काबरा, सुरेखा झंवर, मणी मालू, आशा काबरा आदि उपस्थित थे।

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि ट्रस्ट रायपुर द्वारा प्रतिभा सम्मान 2014 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमल सारड़ा, विशेष अतिथि श्याम सोमानी जगदलपुर, मोहन राठी दुर्ग, प्रादेशिक सभा अध्यक्ष राजेश राठी, महामंत्री बृज किशोर सूरजन, प्रदेश अध्यक्षा महिला संगठन पुष्पा राठी, युवा प्रदेश संगठन अध्यक्ष विजय राठी, प्रबंध न्यासी रामरतन मूंदड़ा रायपुर व जिला सभा अध्यक्ष जगदीश झंवर थे। स्वागत उद्‌बोधन प्रबंध न्यासी रामरतन मूंदड़ा ने दिया। महामंत्री डॉ. सतीश राठी ने ट्रस्ट के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष असहाय विधवा महिला सहायता के अंतर्गत 1000 रुपए मासिक सहायता दी जाती है। 10 वीं व 12 वीं में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सालाना प्रोत्साहन राशि के रूप में पांच हजार दिया जाता है। कोषाध्यक्ष बालकिशन झंवर दुर्ग ने बताया कि उपस्थित सदस्यों ने इस ट्रस्ट के 36 लाख रुपये के कॉरपस फंड को नए सदस्य बनाकर 50 लाख रुपये कर दिया। कार्यक्रम का संचालन राकेश झंवर, कु. निशा राठी एवं रवि मल ने किया। आभार उपाध्यक्ष मनोज डागा ने माना। इस कार्यक्रम में सूरजप्रकाश राठी, भरत लखोटिया, संजीव राठी, रमेश कुमार केला, डॉ. एम.एल. राठी आदि उपस्थित थे।

शिविर में हुआ 80 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। श्रीनाथ मार्ग स्थित माहेश्वरी समाज भवन में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में 80 यूनिट रक्तदान करने के साथ ही 150 युवाओं ने पंजीकरण भी कराया। यह शिविर हेमंतबाला मानसिंह कोठारी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट व नगर माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से लगाया गया था। मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने बताया कि शिविर में सांसद अर्जुनलाल मीणा, भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री प्रमोद सामर, चैंबर ऑफ कामर्स के संभागीय अध्यक्ष पारस सिंघवी, उमा कोठारी आदि मौजूद थे।

75 वीं बार रक्तदान करने वाले केला सम्मानित

वाशिम। प्रदेश के गृह, नगर विकास व संसदीय कार्य राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ.रणजीत पाटिल ने 75 वीं बार रक्तदान करने वाले शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी व रक्तदाता नंदकिशोर ऊर्फ किशोर केला का भावपूर्ण सत्कार कर नवयुवकों से केला के आदर्श को सामने रखकर रक्तदान जैसे महान कार्य में बढ़-चढ़कर शामिल होने का आह्वान किया। जिला नियोजन समिति की बैठक में शामिल होने वाशिम आए प्रभारी मंत्री डॉ. पाटिल ने इस अवसर पर रक्तदाता श्री केला का प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सत्कार किया। इस अवसर पर रक्तदाता श्री केला ने सभी गणमान्य अतिथियों के समक्ष घोषणा करते हुए बताया कि वे अब प्रति माह कम से कम 10 अन्य लोगों के साथ सिकलसेल व अन्य जरूरतमंद रोगियों के लिए रक्तदान करेंगे। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री डॉ. पाटिल के साथ सांसद भावना गवली, विधायक गोपीकिशन बाजोरिया, विधायक राजेंद्र पाटणी, विधायक लखन मलिक, विधायक अमित झनक, जिला अधिकारी रामचंद्र कुलकर्णी, जिपं के सीईओ रूचेश जयवंशी, जिला पुलिस अधीक्षक रामनाथ पोकले सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

> कई बार हम न चाहकर भी
> ऐसी परिस्थिति में फँस जाते हैं
> जहाँ हमको गलत समझा जाता है
> जो आपके शुभचिन्तक हैं
> वो आपको जरूर समझेंगे, विश्वास रखिए।

With Best Compliments From

VAASTU worldwide

Om Prakash Mundra
Vastu Consultant

Mangaldeep, Om Chowk Pratap Nagar, Beawar, Rajasthan INDIA
Phone no. : 00971508517577 Dubai, 00919460090425 India
Email ID. :vastudubai@yahoo.co.in, Website :www.vaastuworldwide.com

राज्यपाल ने किया पूर्णिमा का सम्मान

रतलाम। राज्यपाल श्री रामनरेश यादव ने गत 28 जनवरी को समाज की प्रतिभावान छात्रा कु. पूर्णिमा माहेश्वरी को हायर सैकेंडरी परीक्षा वर्ष 2014 की प्रावीण्य सूची में वाणिज्य समूह के अंतर्गत 95.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर मध्यप्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर अभिभावक बलराम एवं सरोजबाला असावा के साथ प्रशस्ति पत्र व गोल्डन कलाई घड़ी प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल श्री यादव ने भविष्य में और ऊंचाइयां प्राप्त कर स्वयं एवं परिवार को गौरवान्वित करने की शुभकामना भी व्यक्त की।

कला संस्कृति की कार्यकारिणी ने ली शपथ

वाराणसी। संस्था माहेश्वरी कला संस्कृति का आठवां दायित्व ग्रहण समारोह स्थानीय माहेश्वरी भवन, वाराणसी में आयोजित किया गया। इस आयोजन में माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्यों के बीच भावना लड्ढा ने अध्यक्ष, ज्योति झंवर ने मंत्री और शीतल मारू ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रेया सोमानी और ऐश्वर्या राठी ने किया। ज्योति चाण्डक और राजश्री सोमानी कार्यक्रम की संयोजिकाएं थी। संस्था की वरिष्ठ सदस्या कोमल मूंदड़ा, सुषमा कोठारी और जमुना राठी को भावभीनी विदाई भी दी गई।

> वक्त सबको मिलता है
> जिन्दगी बदलने के लिए
> पर जिन्दगी दोबारा नहीं मिलती
> वक्त बदलने के लिए।

मूंधड़ा ने की प्रियंका से भेंट

पाली (सुमेरपुर)। जिले के सुमेरपुर निवासी इंटक के प्रदेशाध्यक्ष व युवा माहेश्वरी नेता उमाशंकर मूंधड़ा ने कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुत्री प्रियंका गांधी से मुलाकात की। वे अपने निजी दौरे पर यहां आई थी। करीब 15 मिनट चली वार्ता में राजस्थान में संगठन को मजबूत करने सहित अनेक विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने श्री मूंधड़ा को दिल्ली आने के लिए आमंत्रण भी दिया।

गायों की सेवा कर मनाया जन्मदिन

कालावाली। माहेश्वरी युवा संगठन के प्रधान पंकज महेश्वरी ने अपने बेटे अंश महेश्वरी का जन्मदिन गौ अस्पताल में जाकर बीमार गायों की सेवा के साथ मनाया। उन्होंने दलिया आदि खिलाकर गायों की सेवा की। इस मौके पर कालावाली के विधायक सरदार बलकौरसिंह, आढ़ती एसोसिएशन के उपप्रधान नामी महेश्वरी, अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारी आदि मौजूद थे।

मालाणी परिवार की स्वर्णिम परम्परा

B.M. Jewellers Pvt. Ltd.

अप्सरा कॉम्पलेक्स, आजाद चौक, भीलवाड़ा (राज.)

Phone : 01482-231392, 235527

Website : www.bmjewellers.in

NEWS

अपनों की मदद में आगे आए अपने

संगमनेर। गैस के विस्फोट से मकान जल कर खाक होने से प्रभावित कोपरगांव के डागा परिवार के साथ ही किडनी की बीमारी से बेहाल आनंद सोमाणी को संगमनेर तालुका माहेश्वरी सभा, मालपाणी परिवार तथा स्व. जयनारायणजी बूब चॅरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सहायता राशि दी गई। उल्लेखनीय है कि गत नवंबर 2014 को जेआरबी वाडी (सावडी विहार) के हेमराज तथा विजय डागा के घर में हायप्रेशर रेग्युलेटर से आग लगने से घर के साथ घर का सभी सामान जल कर खाक हो गया था। इस घटना की जानकारी प्रदेश कृषि समिति के विठ्ठलदास आसावा को मिली। उन्होंने तुरंत प्रदेश मंत्री मधुसुदन गांधी, महेश सेवा निधि के अध्यक्ष किशन भंसाली, प्रदेश मीडिया कमेटी के अजय जाजू, कोपरगांव तालुका अध्यक्ष राजेंद्र राठी, दिलीप बजाज व युवा जिला अध्यक्ष मुकुंद भूतड़ा को जानकारी दी। श्री जाजू ने सोशयल मीडिया तथा अखबार के माध्यम से सहायता का आह्वान किया। जिस पर संगमनेर तहसील माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश कलंत्री ने सहयोग देने की घोषणा की। सतीश लाहोटी व प्रकाश राठी ने विशेष सहयोग दिया। हेमराज डागा को 20 हजार रुपये तो आनंद सोमाणी को 10 हजार रुपए की सहायता राशि का धनादेश तालुका अध्यक्ष कैलाश कलंत्री और कोषाध्यक्ष योगेश कासट तथा महासभा के सदस्य गणेशलाल बाहेती और महेश निधि के प्रदेश मंत्री बसंत काका मणियार के करकमलो से अदा किया गया। साथ ही मालपाणी परिवार द्वारा डागा परिवार को रुपए 11 हजार तथा स्व. जयनारायणजी बूब चॅरिटेबल ट्रस्ट व अकोला के विजय बूब तथा सतीश बूब द्वारा दोनों को रुपए 2500 के धनादेश दिए गए।

गर्ल्स होस्टल में झण्डावंदन

इन्दौर। श्रीमती फूलबाई मुरलीधरजी झंवर माहेश्वरी कन्या छात्रावास में झण्डावंदन व राष्ट्रगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्रावास की सचिव सुमन सारड़ा, उपाध्यक्ष रमा सारड़ा, कोषाध्यक्ष रामेश्वर सोमानी व संचालक मण्डल के सदस्य रामविलास राठी, भरत सारड़ा एवं वार्डन निर्मला हीरालालजी धीरन ने भारत माता की प्रतिमा का पूजन व माल्यार्पण किया। तत्पश्चात् संस्था सचिव सुमन सारड़ा ने राष्ट्रध्वज फहराया। अन्त में मिठाई वितरीत की गई।

लड्ढा व मालू बने पार्षद

इन्दौर। इन्दौर नगर पालिका निगम के निर्वाचन गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें पार्षद पद पर लता लड्ढा व गोपाल मालू भारी मतों से विजयी हुए। दोनों ही भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार थे। इस निर्वाचन में केवल ये दोनों ही माहेश्वरी उम्मीदवार थे व दोनों ही विजयी हुए है। इनके निर्वाचन पर माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला सहित समस्त समाजजनों ने उनका अभिनंदन करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

कैदियों के बीच मनाया गणतंत्र दिवस

सिलीगुड़ी। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी द्वारा झण्डोत्तोलन के पश्चात सिलीगुड़ी जेल में जाकर कैदियों के मध्य गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कैदियों को कई जरुरत की सामग्री भी प्रदान की गई। माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी की ओर कैदियों के मध्य आयोजित स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष चंद्रकांत मोहता, सचिव दिलीप लखोटिया, उपाध्यक्ष बनवारीलाल करनानी, उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ओम मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष दिनेश राठी, प्रवीण झंवर, युवा संस्था के अध्यक्ष विशाल गट्टानी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

> मत पूछना मेरी शख्सियत के बारे में
> हम जैसे दिखते हैं
> वैसे ही लिखते हैं।

युवा संगठन ने मनाई मकर संक्रांति

नोहर हनुमानगढ़। नोहर माहेश्वरी सभा व युवा संगठन द्वारा थिरानी धर्मशाला में मकर संक्रांति व पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभा सचिव सुनील राठी ने बताया कि कैरम सीनियर में मनोज मालाणी प्रथम व अंकुर लखोटिया द्वितीय तथा जूनियर वर्ग में गोकुल राठी प्रथम व पुलकित कलाणी द्वितीय, शतरंज प्रतियोगिता में प्रवेश चांडक प्रथम व अंकुर लखोटिया द्वितीय, रंगोली प्रतियोगिता में पिंकी बागड़ी प्रथम व सुनीता बागड़ी द्वितीय, मेहंदी प्रतियोगिता में मोनिका पेड़ीवाल प्रथम व नेहा गिलड़ा द्वितीय, लक्की ड्रा में अरुणा राठी, सुरेश मड़दा व रितिका डुढाणी विजेता रहे। कार्यक्रम में सभा के उपाध्यक्ष राजेंद्र थिरानी, जुगलकिशोर कलाणी, पवन चाण्डक, श्याम बागड़ी, ओमप्रकाश कालाणी, सुरेश मड़दा, पवन बागड़ी, दुर्गादत्त कलाणी, उमेश पेड़ीवाल, मांगीलाल बजाज, युवा संगठन अध्यक्ष नरेंद्र चाण्डक, सचिव महेश नढाणी आदि ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

जाजू ने रूकवाया डॉग शो

भीलवाड़ा। केनल क्लब ऑफ राजस्थान, द्वारा जयपुर में डॉग शो आयोजित करने के आवेदन को एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इण्डिया द्वारा खारिज (रद्द) कर दिया गया है तथा क्लब द्वारा पिछले वर्ष आयोजित किये गये डॉग शो की रिपोर्ट, दस्तावेज व फोटोग्राफ मांगे हैं। उक्त जानकारी देते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के राजस्थान प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि जानवर का मेडिकल कराये बिना व बिना बोर्ड की अनुमति के उसका प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। उक्त कृत्य करने पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की विभिन्न धाराओं में जुर्माने व सजा के साथ ही पशुओं को जब्त करने का प्रावधान है। श्री जाजू ने डिप्टी पुलिस कमिश्नर को आवेदन दे कर मांग कि प्रत्येक डॉग की वेक्सीनेशन की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराने के साथ ही प्रत्येक डॉग के मालिक का नाम एवं उनके जुड़े दस्तावेज रिकॉर्ड लिया जावें व किसी भी तरह की प्रतियोगिता व पुरस्कार सम्बन्धी कार्य नहीं हों।

"जो दिमाग से सोचते हैं
वो कारण ढूँढते रहते हैं
दिल से सोचने वाले
रिश्ते निभा जाते हैं।"

पुण्य स्मृति में हुआ अखंड रामायण पाठ

इंदौर। गंजबसोदा एवं इंदौर निवासी गोकुलदास तथा नारायण माहेश्वरी (पसारी) के पिता स्व. श्री रामविलास जी की पुण्यस्मृति में उनके निवास पर अखंड रामायण पाठ का एक दिवसीय आयोजन किया गया।

डबल विकेट क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

रायपुर। स्थानीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी युवा मंडल रायपुर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डबल विकेट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन राजकुमार कॉलेज के क्रिकेट ग्राउंड में गत 1 फरवरी को किया गया। इस आयोजन में जूनियर ग्रुप में 10 टीमे एवं सीनियर ग्रुप में सोलह टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें जूनियर ग्रुप में विजेता हर्ष राठी एवं पवन लाहोटी व उपविजेता राघव लड्ढा एवं कुंदन राठी तथा सीनियर ग्रुप में विजेता संदीप राठी एवं संजय मेहता व उप विजेता राहुल राठी एवं रोहित राठी रहे। प्रतियोगिता के आयोजन में संयोजक शेखर बागड़ी, दीपक लड्ढा, हर्ष राठी, मनोज राठी, गोपाल बजाज, संदीप मर्धा आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

बानासिंह के साथ मून्दड़ा

कोलकत्ता। देश की आजादी से अब तक 21 सैनिकों को अतुलनीय शौर्य प्रदर्शन के लिए सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र प्रदान किया गया है। इनमें 14 को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया है। वर्तमान में इस सम्मान से सम्मानित लोग ही जीवित हैं। उनमें से नायब सूबेदार बानासिंह है, जिन्होंने कारगिल-पुच्छ में अतुलनीय शौर्य प्रदर्शन किया था। उनके सम्मान में कारगिल की सबसे ऊँची चोटी का नाम बाना पाईंट रखा गया है। श्री बानासिंह के साथ शौर्य दर्शन कार्यक्रम में ख्यात समाजसेवी जगदीशचन्द्र एन. मून्दड़ा शामिल हुए।

युवा संगठन ने किया स्टीकर विमोचन

इंदौर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष रूपेश भूतड़ा ने बताया कि संगठन द्वारा ''व्यक्ति सर्वोपरि नहीं वरन् समाज सर्वोपरि होता है, आइये एक बेहतर समाज निर्माण में सहभागी बने'' कुछ इसी प्रकार के सामाजिक जागरूकता से ओतप्रोत स्टिकर निकाले गये। जिसका उद्देश्य सामाजिक चेतना जाग्रत कर समाजजनों को सामाजिक कार्यो के प्रति रूचि पैदा करना, और सभी को मिलकर समाज हित में कार्य करना है। स्टीकर का विमोचन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के महामंत्री श्री एवं श्रीमती राजकुमार कालिया, संगठन मंत्री श्री एवं श्रीमती विवेक मोहता, कोषाध्यक्ष महासभा ट्रस्ट श्री एवं श्रीमती नंदकिशोर मालानी, उपाध्यक्ष, मध्यांचल मधुसूदन भलिका, युवा सन्देश संपादक श्याम सारड़ा, पंकज अटल, अशोक मंत्री, विनय मालानी, विजय सोमानी, सचिव हर्ष राठी आदि द्वारा किया गया।

> एहसान किसी का वो रखते नहीं
> मेरा भी चुका दिया
> जितना खाया था नमक मेरा
> मेरे जख्मों पर लगा दिया।

मूंदड़ा ने दिखाई ''मेक इन इंडिया'' को राह

सूरत। भारत सरकार के उद्योग व व्यवसाय मंत्रालय की संस्था ''साऊथ गुजरात प्रोडक्टिविटी काउंसिल'' द्वारा ''मेक इन इंडिया'' पर सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें ख्यात उद्यमी गिरधर मून्दड़ा-सूरत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सूरत कार्पोरेशन के निलिंद तोरवणे सहित माहेश्वरी समाज की ओर से गुजरात प्रांत के अध्यक्ष मदन पेड़ीवाल, उपाध्यक्ष गजानंद राठी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री मून्दड़ा ने ''मेक इन इंडिया'' अभियान को कैसे सफल बनाया जाऐ, इस पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने सुझाव में इसके लिये वर्क फोर्स को अधिक ट्रेंड करना, उचित तकनीक, डाटा मेनेजमेंट, उपभोक्ताओं की संतुष्टि, पर्यावरण सुरक्षित उत्पादन तकनीक, उद्योग की श्रेष्ठ इन्फॉस्ट्रक्चर, रिन्युवेबल ऊर्जा स्रोतों का उपयोग व इनोवेशन पर ध्यान केन्द्रित करने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने गत दिनों अमेरिका द्वारा भारत में निवेश बढ़ाने की घोषणा को भारतीय उद्योग जगत के लिये हितकर माना। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन में वृद्धि होगी तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

डॉ. तापड़िया ने प्रस्तुत किये शोध पत्र

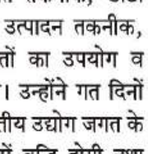

अमरावती। गत दिनों 24 वीं अखिल भारतीय होमिओपॅथीक परिषद की बैठक अहमदाबाद में गत 27-28 दिसंबर को संपन्न हुई। इसमें देश विदेश से 1200 प्रतिनिधि उपस्थित थे। इनमें से 15 प्रतिनिधियों ने अपने शोध प्रबंध प्रस्तुत किये। इसमें कोरेनरी आटिडीसीज, बर्जर डिसीज एवं हेपेटायटीस बी की होमियोपॅथी पद्धति से चिकित्सा पर शोध पत्र शामिल थे। उद्घाटन केन्द्रीय स्वास्थ मंत्री श्रीपाद नायक ने किया था। गुजरात की मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने उपस्थित रहकर मार्गदर्शन दिया। गुजरात के स्वास्थ मंत्री शंकरभाई चौधरी, केंद्रीय होमिओपॅथीक परिषद के अध्यक्ष डॉ. राम सिंग, डॉ. एस. पी.एस बक्षी एवं अखिल भारतीय होमिओपॅथिक मेडीकल असोशिएशन के अध्यक्ष डॉ. व्ही.सी. आचार्य आदि भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस का किया आयोजन

आगरा। जिला माहेश्वरी सभा आगरा ने प्रथम बार गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें जिला माहेश्वरी सभा की कार्यकारणी, कार्यकारी मंडल, माहेश्वरी महिलामण्डल, माहेश्वरी युवा संगठन के सभी गणमान्य जन उपस्तिथ थे। राष्ट्र ध्वज जिला प्रेसिडेंट कुंजबिहारी काहल्या द्वारा फहराया गया। बच्चो ने राष्ट्र गीत गाये व महिला मंडलने गाय गंगे गौरी की प्रस्तुति देकर सभागार में सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक गोपाल गोदानी व पवन गुप्ता थे।

अस्पताल को की चादरें भेंट

जोधपुर। माहेश्वरी समाज जोधपुर महिला एवं बाल विकास समिति द्वारा उम्मेद अस्पताल में 500 चादर भेंट की गई। समिति की संयोजिका उमा बिड़ला ने बताया कि इसमें पूर्णरूप से ईश्वरलाल चाण्डक का सहयोग रहा। अधीक्षक डॉ. अनुराग सिंह को डॉ. राजपुरोहित व नरेश शर्मा की देखरेख में उनको चादरें भेंट की गई। समाज के मंत्री दामोदरलाल बंग, उपमंत्री हरिगोपाल राठी, कोषाध्यक्ष-सत्यनारायण गट्टाणी, घनश्याम बिड़ला, रामस्वरूप तापड़िया, सुरेश गट्टानी, गोपाल भूतड़ा, प्रभा वैद्य, कान्ता राठी, उषा बंग, शान्ति लोहिया, पुष्पा सारड़ा आदि मौजूद थे।

> सिखा दिया वक्त ने मुझे
> अपनों पे भी शक करना
> वरना
> मेरी तो फितरत थी
> गैरों पे भी भरोसा करना।

योग से बताया रोग मुक्ति का मार्ग

भीलवाड़ा। नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आरोग्य भारती चित्तौड़ प्रान्त के सान्निध्य में एक योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक के. करूणाकर पुत्तुर (कर्नाटक) एवं संघ प्रचारक प्रान्त योग प्रमुख हरिसिंह ने अपनी सेवा दी। शिविर में विभिन्न रोगों से ग्रसित 60 रोगियों का उपचार किया गया। उक्त जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष कल्पेश सोमानी ने बताया कि इस शिविर में सायटिका, कमर दर्द, घुटना दर्द, सर्वाइकल, स्लिपडिस्क, हृदय रोग, मधुमेह, अस्थमा, माइग्रेन, डिप्रेशन, गैस, एसीडीटी आदि रोगों का योग द्वारा निदान किया गया। आरोग्य भारती के प्रान्तीय सचिव कैलाश सोमानी ने बताया कि समापन सत्र में अतिथि के रूप में युवा संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश आगाल, जिला मंत्री कृष्णगोपाल जागेटिया, नगर अध्यक्ष कैलाश कोठारी, नगरमंत्री देवेन्द्र सोमानी एवं आरोग्य भारती के प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. डी.एल. कासट आदि उपस्थित थे।

।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और
घर बैठे देखें २००० रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

ऋषि स्वीडन रवाना

उज्जैन सामाजिक पत्रिका 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के सम्पादक पुष्कर बाहेती व सरिता बाहेती के सुपुत्र ऋषि स्वीडन गत दिनों रवाना हुए। ऋषि गत कुछ वर्षों से ख्यात कम्पनी टीसीएस हैदराबाद में कार्यरत हैं। कम्पनी द्वारा एक विशेष प्रोजेक्ट के अन्तर्गत उन्हें स्वीडन पहुँचाया गया है। ऋषि ने बीई के साथ ही सिम्बायोसिस से पीजीडीबीएम किया है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

कल्पेश इंग्लैंड रवाना

उदयपुर। समाज के वरिष्ठ श्रीमती सोहन देवी एवं बसंतीलाल मंडोवरा के पौत्र तथा रुक्मणी देवी व पुरुषोत्तम मंडोवरा के सुपुत्र कल्पेश माहेश्वरी का बहुराष्ट्रीय कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज के द्वारा इंग्लैंड में एक वर्षीय प्रोजेक्ट के लिए चयन किया गया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

विधि बनी सीए सीएस

भीलवाड़ा। समाज सदस्य ओमप्रकाश व लीना अजमेरा की सुपुत्री विधि ने प्रथम प्रयास में सी.ए. व साथ ही सी एस की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। विधि शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है। इस सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सागर बाहेती बने सीए

मंगरूलपीर । स्थानीय समाज सदस्य श्यामसुन्दर बाहेती के सुपुत्र एवं गोपाल बाहेती स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के कोषाध्यक्ष अनिल बाहेती के भतीजे सागर बाहेती ने पुणे के इन्स्टीट्युट से सी.ए. अंतिम वर्ष की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण की।

सपना बनी सीए-सीएस

उदयपुर। समाज की प्रतिभा सुश्री सपना नुवाल सुपुत्री स्व. श्री जगदीशचंद्र नुवाल ने सीए व सीएस दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण करने का गौरव प्राप्त किया। इस दोहरी सफलता पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

उमेश बिड़ला बने सी.ए.

भीलवाड़ा। माण्डल निवासी तुलसीराम बिड़ला के पौत्र एवं सत्यनारायण बिड़ला के सुपुत्र उमेश ने प्रथम प्रयास में ही सी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। उमेश के बड़े भ्राता महेश सी.ए. एवं नरेश इंजीनियर हैं।

अदिति को 9 वीं रेंक

मुम्बई। समाज सदस्य राजेश व संगीता काबरा की सुपुत्री अदिति ने कम्पनी सेक्ट्री की फाउन्डेशन परीक्षा आलइंडिया में 9 वीं रेंक के साथ प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की।

आईआईएम टॉपर रहे आनंद

अमरावती। समाज सदस्य नारायणदास बुब व प्रमिला बुब के सुपुत्र आंनद बुब ने देश के टॉप मैनेजमेंट कॉलेज आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए की परीक्षा इन्स्टीट्युट में पाँचवा स्थान प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसके अंतर्गत वे एक सेमेस्टर की पढ़ाई जर्मनी में कर चुके है। आनंद ने बिट्स प्लानिंग से बी.ई.(कम्प्यूटर साइंस) की पढ़ाई की थी। उन्हें अपनी शैक्षणिक सफलता के आधार पर सर रतन टाटा ट्रस्ट, धीरूभाई अंबानी और महाराष्ट्र गर्व्हमेंट स्कॉलरशीप प्राप्त हुई थी। वर्तमान में आनंद विश्व के प्रसिद्ध ँदूेह ण्दहेल्ूहु उेदल्ज में कार्यरत हुये हैं।

जयेश लड्ढा बने सीए

अमरावती। खाद-बीज व्यवसायी संजय कुमार लड्ढा के सुपुत्र जयेश ने सीए की परीक्षा में सफलता अर्जित की।

नेहा भूतड़ा बनी सीए

अकोला। समाज सदस्य प्रकाशचंद्र भूतड़ा की सुपुत्री नेहा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। नेहा ने आर्टीकल शिप अकोला की फर्म से ही की थी।

सागर राठी बने सीए

खामगांव। माहेश्वरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष रामचंद्र राठी के पौत्र व राजेंद्र राठी के सुपुत्र सागर राठी ने सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की।

चंचल बनी सीए

सीकर। हरिकिशन सोमानी बोर्ड सदस्य माहेश्वरी समाज एवं लता सोमानी-उपाध्यक्ष माहेश्वरी महिला मण्डल की सुपुत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी सूरज देवी सोमानी की सुपौत्री चंचल सोमानी ने विशेष योग्यता के साथ सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। चंचल अध्ययन के साथ नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी विशेष रूचि रखती हैं। स्थानीय समाज संगठनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

मयूर भट्टड़ बने सीए

जयपुर। झेटवाड़ा निवासी प्रभुदयाल भट्टड़ व पुष्पा भट्टड़ ने सीए की फाईनल परीक्षा उत्तीर्ण की। इस पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अमित झँवर बने सीए

अमरावती। समाज सदस्य श्यामसुंदर झंवर के सुपुत्र अमित झंवर ने सीए परीक्षा में सफलता प्राप्त की। पढ़ाई के साथ-साथ अमित कोचिंग क्लासेस में पिछले तीन वर्षों से एमबीए व सीएस फाउंडेशन के छात्रों को भी पढ़ाते रहे हैं।

श्रद्धा गाँधी बनी सीए

अमरावती। समाज सदस्य किशोर गांधी और सरिता गांधी की सुपुत्री श्रद्धा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की।

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि द्वारिका सनानत धर्म के प्रमुख तीर्थों में से एक है। तमाम सुविधाओं के बावजूद यहाँ माहेश्वरी संस्कृति के अनुरूप तीर्थ यात्रियों के लिये आवास की कमी महसूस की जा रही थी। इसी को दृष्टिगत रखते हुए श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने किया है, यहाँ एक भव्य सेवा भवन "माहेश्वरी सेवा कुंज" का निर्माण, जिसने अब अपनी सेवा की शुरूआत भी कर दी है।

» SMT टीम

भगवान् श्रीकृष्ण की नगरी द्वारिका में

माहेश्वरी सेवा कुंज लोकार्पित

भगवान श्री कृष्ण की नगरी द्वारिका में भी माहेश्वरी समाज की सेवा पताका फहराने लगी है। यहाँ श्री अखिल भारतीय सेवा ट्रस्ट द्वारा अति आधुनिक सेवाओं से सुसज्जित सेवा भवन "माहेश्वरी सेवा कुंज" का निर्माण किया गया है। यह श्री द्वारिकाधीश मंदिर से मात्र 1.5 किमी एवं रेल्वे स्टेशन से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस भव्य भवन का लोकार्पण गत 14-15 जनवरी को सम्पूर्ण विधि-विधान व वास्तु शांति यज्ञ के साथ हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम में ट्रस्ट के ट्रस्टी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। इसके साथ "माहेश्वरी सेवा कुंज" के द्वार तीर्थ यात्रियों की सेवा के लिये खुल गये हैं। माहेश्वरी समाजजनों द्वारा द्वारिका में संचालित यह प्रथम एवं एक मात्र "माहेश्वरी सेवा कुंज" है।

विशाल भूखंड पर भव्य भवन

ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2011 में श्री माहेश्वरी सेवा कुंज के निर्माण के लिये 25 हजार वर्गफीट का भूखंड क्रय किया गया था। इस पर भव्य भवन के निर्माण की शुरूआत की गई। वर्तमान में इस भूखंड पर 9 करोड़ रुपये की लागत से अतिआधुनिक सेवाओं से सुसज्जित भवन निर्मित होकर सेवा देना प्रारम्भ कर चुका है। इसमें 47 डबल बड़े कमरे, 4 फैमिली हॉल, 1 सत्संग हॉल एवं भोजनशाला शामिल है। इसके साथ स्वच्छ आर.ओ. पेयजल, सुरक्षित पार्किंग व ड्रायवरों के लिये डोरमेट्री आदि की व्यवस्था भी उपलब्ध है। भवन के आसपास ग्रीन लॉन एवं गार्डन का निर्माण किया जा रहा है। सुविधा ऐसी कि पूरी सुरक्षा के साथ कोई भी परिवार यहाँ ठहर सकता है। उनके ड्रायवर व अन्य कर्मचारियों के लिये

वास्तु पूजन

भवन प्रवेश

डायनिंग हॉल

ऑफिस ब्लॉक

भी पृथक व्यवस्था है। यहाँ धार्मिक आयोजनों की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

कैसा है सेवा कुंज

- यात्रियों के ठहरने के लिये 47 डबल बेड ए.सी. कमरे, जिनमें उपलब्ध है टीवी, अटैच्ड लेटबॉथ, स्टडी टेबल व कुर्सी, सोफा, टी-टेबल तथा लॉकर युक्त अलमारी।
- फेमिली के साथ ठहरने के लिये हैं, 6 व्यक्तियों की क्षमता वाले 4 फेमिली ए.सी. हॉल। इनमें भी डबल बेड रूम्स की तरह समस्त सुविधाऐं उपलब्ध हैं।
- साफ-सुथरा अत्याधुनिक कीचन के साथ ए.सी. डायनिंग हॉल (भोजनशाला), जिसमें 50 व्यक्ति एक साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं।
- यात्रियों के सुविधा के लिये 25 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता से युक्त अतिआकर्षक रिसेप्शन हॉल जो माहेश्वरी गरिमा के अनुरूप है।
- पूरे भवन में वाई-फाई सेवा उपलब्ध है, जिससे आप बने रहें दुनिया से हर दम कनेक्टेड। सेवा के लिये बना है, अति आधुनिक ऑफिस ब्लॉक।
- पूरे भवन में फाल्स सीलिंग करवायी गई एवं लगभग 95% प्रकाश व्यवस्था एलईडी से की गई है।
- इमरजेंसी के लिये जनरेटर की व्यवस्था, जिससे विद्युत कटऑफ के दौरान भी परेशानी न हो।
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। गर्म पानी के लिये भी लगे हैं, दो बॉयलर, जिससे मिले आपको घर जैसी सुविधा।

धार्मिक आयोजनों की विशेष व्यवस्था

यहाँ आने वाले तीर्थ यात्रियों को अच्छा धार्मिक वातावरण मिल सके, इसके लिये यहाँ सत्संग आदि धार्मिक आयोजनों के लिये विशेष सुविधा उपलब्ध है। इसके लिये भवन के प्रथम तल पर एक भव्य एअरकंडीशन सत्संग हॉल बनाया गया है, जिसमें 200 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है। यदि वृहद स्तर पर सत्संग-कथा का आयोजन करना हो, तो भवन के साथ ही लगी हुई खुली जगह है, जहाँ लगभग 2 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है।

सम्पूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था

यहाँ पर स्वास्थ्य के साथ ही सम्पूर्ण सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य की दृष्टि से स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने के लिये इण्डस्ट्रीयल आर.ओ. प्लांट लगाया गया है। प्रत्येक तल एवं रसोई में ब्लू स्टॉर की ठंडे पानी की 5 मशीनें लगाई गई है। सुरक्षा की दृष्टि से भवन में 16 सी.सी. टीवी कैमरे लगाये गये। इनके द्वारा भवन की गतिविधियों पर व्यवस्थापक व ट्रस्टीगण हर समय नजर रख सकते हैं। पार्किंग की भी ऐसी व्यवस्था है कि वाहन रहें एकदम सुरक्षित। यात्री व वाहनों की सुरक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षाकर्मी 24 घंटे तैनात रहते हैं।

कैसे हुई शुरूआत

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट एक बहुउद्देश्य सेवा ट्रस्ट है। इसका गठन सामाजिक एवं लोकोपकारी मानवीय सेवाओं के लिए

कोरीडोर

फैमिली हॉल

रिसेप्शन हॉल

डबल बेड रूम

किया गया है। यह एक पंजीकृत न्यास है। वर्तमान ट्रस्ट में 62 ट्रस्टी हैं। ट्रस्ट का प्रथम प्रकल्प धर्मनगरी द्वारिका में मानव सेवार्थ संपूर्ण सुविधाओं से युक्त सुसज्जित भवन निर्माण करना रहा। द्वारिका नगरी के धार्मिक महत्व एवं देश-विदेश से आने वाले भारी जन समूह को देखते हुए वर्तमान में उपलब्ध आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्थायें अपार्याप्त है। ट्रस्ट द्वारा इसी को मूर्त रूप देने हेतु द्वारिका नगरी में एक आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन निर्माण का संकल्प लिया गया। भवन के संरक्षक महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी (भीलवाड़ा), बजरंग जाखोटिया (जयपुर) व रंगनाथ न्याती (इन्दौर) हैं। यह भवन श्यामसुंदर कासट (कोलकाता)-अध्यक्ष, रामस्वरूप जैथलिया (जालौर)-महामंत्री, बजरंग बाहेती (जयपुर)-उपाध्यक्ष, रामगोपाल माहेश्वरी (खटोड़) (जामनगर)-भवन निर्माण समिति अध्यक्ष, विनोद कुमार बांगड़ (किशनगढ़)-कोषाध्यक्ष, प्रकाशचंद्र लढ़ा (भीलवाड़ा)-मंत्री व निर्माण समिति सदस्य गोविन्द गोपाल सोनी (अहमदाबाद), जुगलकिशोर बाहेती (किशनगढ़) व प्रहलाद लढ़ा (जामनगर), गजानन्द राठी (सूरत), जगदीश सोमानी (सूरत), पूनमचन्द मालू (नागपुर) एवं अन्य माहेश्वरी बंधुओं के अथक् प्रयास एवं सुचारू देख रेख में तैयार हुआ है।

सम्पर्क- माहेश्वरी सेवा कुंज, 21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-110075 (गुजरात), दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111 अध्यक्ष मो. 098315-55555, महामंत्री मो. 096490-79999 E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

पावन तीर्थ द्वारिकाधाम

।। जय द्वारकाधीश ।।

चार धामों में से एक प्रमुख धाम के रूप में जानी-जाने वाली "द्वारिकापुरी" गुजरात में स्थित है। यह अहमदाबाद-ओखा ब्रॉडग्रेज रेल्वे लाईन पर जामनगर से 137 किमी और अहमदाबाद से 378 कि.मी. दूर स्थित है। हवाई मार्ग से पहुँचने के लिये निकटस्थ हवाई अड्डा जामनगर है। यह धार्मिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण है, पर्यटन के तौर पर भी अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के कारण उतना ही महत्व रखती है। द्वारिका समुद्र व गोमती नदी दोनों के ही किनारे पर स्थित होने से यहाँ आने वाले हर तीर्थ यात्री व पर्यटक का अपनी इस अद्वितीय सुन्दरता से स्वाभाविक रूप से मनमोह लेती है। यही कारण है कि देश के कोने-कोने से यहाँ पहुँचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तो लाखों रहती है, विदेशों से यहाँ आने वालों की संख्या भी कम नहीं रहती। श्री द्वारकाधीश मंदिर के साथ ही यहाँ बिड़ला मंदिर, त्रिलोक दर्शन आर्ट गैलेरी, संस्कृत अकादमी व लाईट हाऊस आदि प्रमुख पर्यटन स्थल भी हैं।

पुराणों के आइने में द्वारिका

"द्वारिका" का शाब्दिक अर्थ देखा जाऐ तो यह "द्वार" व "का" शब्द से मिलकर बना है। यहाँ "का" का अर्थ है "ब्रह्म" अर्थात् मोक्ष। अतः इसका सम्पूर्ण अर्थ होगा "मोक्षद्वार" हमारे लगभग सभी पुराणों ने भी इसका यही महत्व प्रतिपादित किया है। इनमें इसे देश के चारधामों में से एक तथा पवित्रतम् पुण्यशाली सप्त पुरियों में से भी एक होने का गौरव दिया गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी प्रजा को "जरासंध" से बचाने के लिये इसे प्रकट किया था और मथुरा के स्थान पर यहाँ अपनी राजधानी स्थापित की थी।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

माहेश्वरी समाज ने हर क्षेत्र में अपनी सफलता का ध्वज फहराया है। कलमकारिता भी इससे अछूती नहीं है। इसमें भी बाल साहित्य की अनूठी विधा को गौरवान्वित करने वाले थे, आगरा के द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी। उनकी अमर कृतियाँ आज भी उनकी स्मृति को अमर किये हुए हैं। उत्तर प्रदेश की तो शायद ही किसी स्कूली कक्षा की पाठ्य पुस्तकें हों, जो उनकी रचनाओं से अछूती हों।

▸▸ डॉ. ओम निश्चल, दिल्ली

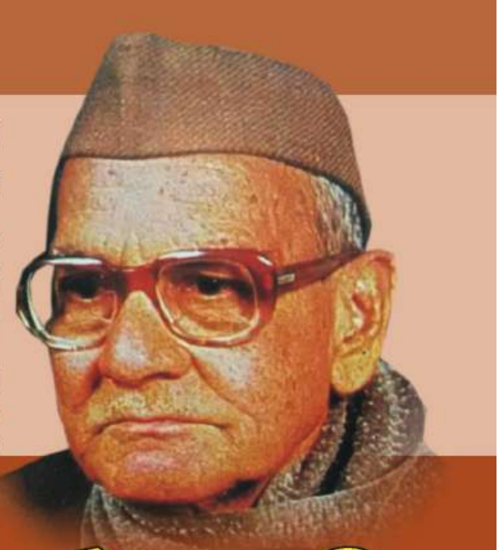

बालगीतों के स्वप्निल संसार के रचनाकार थे द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी

बाल साहित्य के क्षेत्र में में यों तो आज अनेक रचनाकार सक्रिय हैं, किन्तु बालगीतों की रचना दृष्टि से द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी के गीतों का रंग अत्यंत लुभावना है। भाषा समाचार एजेंसी द्वारा 1987 में किए गए एक सर्वेक्षण में राजधानी दिल्ली के माडर्न स्कूल की एक बच्ची जब यह कहती है कि वह हिंदी में अपना सबसे प्रिय लेखक द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी को महसूस करती है, तो सिर्फ इसलिए मन प्रसन्नता से भर नहीं जाता कि वह हिंदी के किसी कवि को अपनी दृष्टि से सर्वाधिक प्रिय मानती है। बल्कि प्रकारान्तर से यह संकेत भी देती है कि इतने प्रौद्योगिक विकास और परिवर्तनों के बावजूद बच्चों के मन में साहित्य के लिए जगह है और वे साहित्य के पठन-पाठन से विमुख नहीं हुए हैं। इस दृष्टि से माहेश्वरी जी का साहित्य रचना में एक नए मानक का निर्माण करता है।

पाठ्य पुस्तकों की शान हैं इनके बाल गीत

माहेश्वरी जी की बाल कविताओं से मेरा पुराना परिचय है। स्कूल के दिनों में पढ़ी उनकी कविताओं का प्रभाव बाल मन पर ऐसा पड़ा कि आज भी वे कविताएँ भूली नहीं है। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में प्रत्येक स्तर की हिंदी पुस्तकों में माहेश्वरी जी का कोई न कोई बालगीत अवश्य होता था। एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भी उनके गीत शामिल रहे हैं। सूरज निकला, वीर तुम बढ़े चलो, हम सब सुमन एक उपवन के, तकली रानी-तकली रानी तथा यदि होता किन्नर नरेश मैं-जैसी कविताएँ अभी भी स्मरण हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ते हुए माहेश्वरी जी के सुपुत्र विनोद कुमार माहेश्वरी मेरे सहपाठी थे। यह 76-77 की बात है। अपनी साहित्यिक रुचियों के कारण हम थोड़े ही दिनों में एक दूसरे के निकट आ गए थे। घनिष्ठ परिचय में जब यह मालूम हुआ कि वे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार श्री द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी के पुत्र हैं, तो यह जानकर मन आह्लादित हुआ और शीघ्र ही उनसे मिलने की इच्छा जागी। तब वे प्रौढ़ शिक्षा की अंतर्राष्ट्रीय महत्व की संस्था साक्षरता निकेतन, लखनऊ के निदेशक थे। वहाँ वे उप शिक्षा निदेशक के पद से सेवानिवृत्ति के बाद आए थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके सक्रिय एवं रचनात्मक योगदान को आज भी बड़े सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। ऐसे यशस्वी रचनाकार से पहली ही मुलाकात में मन सम्मान से भर गया। उनका गाँधीवादी चिंतन और सादा जीवन प्रभावित करने वाला था। वे जब तक लखनऊ मे रहे, यदा-कदा उनसे भेंट होती रही। जुलाई 78 में वे साक्षरता निकेतन से सेवानितृत्त होकर आगरा चले गए थे। कविता उनके भीतर प्राणवायु की भाँति समाई हुई थी। तभी तो वे कहते थे, जब तक प्राणों की वीणा में झंकार शेष, तक तक मैं अपने गीत सुनाता जाऊँगा। उनके गीतों की उम्र निस्संदेह लंबी है।

शून्य से शिखर की यात्रा

द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी का जन्म दिसंबर 1916 में आगरा जनपद के रोहता गांव में हुआ था। यह गाँव आगरा से दक्षिण की ओर 8 किमी की दूरी पर है। माहेश्वरी जी के पूर्व पूर्वज राजस्थान में साँभर झील के आगे कुचामन कस्बे के निकट रसीदपुरा गाँव से काफी पहले ग्वालियर में बस गए थे। उनके पितामह कालूरामजी थे तथा पिता का नाम प्रेमसुख था। श्री प्रेमसुख के तीनों पुत्रों में माहेश्वरी जी सबसे छोटे थे। खेती-किसानी से जुड़े परिवार के बावजूद जैसे तैसे माहेश्वरी जी ने विभिन्न गुरूजनों एवं हितचिंतकों के सहयोग से एमए, एलटी तक की शिक्षा ग्रहण की। बाद में वे उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग से जुड़े तथा शिक्षा प्रसार अधिकारी, पाठ्यपुस्तक अधिकारी, अतिरिक्त सचिव-माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्राचार्य गर्वमेंट सेंट्रल पेडागाजिकल इन्स्टीट्यूट तथा उप निदेशक जैसे पदों पर रहे। आपका अगस्त 1998 में देहावसान हो चुका है लेकिन अपनी अनूठी रचनाओं से पाठकों के बीच वे हमेशा अमर रहेंगे।

साहित्य का वृहद रचना संसार

माहेश्वरी जी का संसार त्रि-आयामी है। पहली कोटि में उनके काव्य एवं खंड काव्य आते हैं। दूसरी कोटि में उनका बाल साहित्य है। तीसरी कोटि में उनका शैक्षिक एवं नव साक्षरोपयोगी साहित्य है। माहेश्वरी जी के पहले कविता संग्रह दीपक का प्रकाशन 1949 में हुआ। उसके बाद ज्योतिकिरण, फूल और शूल, शूल की सेज, गीत गंगा तथा शंख और बाँसुरी शीर्षक संग्रह प्रकाश में आए। इसके अतिरिक्त उन्होंने दो खंड काव्य भी लिखे। 'क्रौंच वध' एवं 'सत्य की जीत' जो एक लंबे अरसे तक हाईस्कूल के पाठ्यक्रम में सम्मिलित भी रहे। माहेश्वरी जी के रचना संसार में ऐसी कविताओं की संख्या ज्यादा है, जो जीवन के राग-विराग से संबंधित सोच के कारण उनके यहाँ सत्य के प्रति, मनुष्यता के प्रति सबल

आग्रह मिलता है। वे राष्ट्रीय भावधारा के उन कवियों में से हैं, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्ष के साक्षी रहे हैं। उनकी कविताओं में लोकमंगल की भावना का समावेश मिलता है। बालगीत के क्षेत्र में उन्होंने प्रभूत कार्य किया है। आजादी के बाद गाँधी जी के स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव में उनका पहला बालगीत संग्रह कातो और गाओ 1949 में प्रकाशित हुआ। उनके बालगीतों की एक लंबी शृखंला है-लहरें बढ़े चलो, बुद्धि बड़ी या बल, अपने काम, माखन मिश्री, हाथी घोड़ा पालकी, सोने की कुल्हाड़ी, अंजन खंजन, सोच समझ कर दोस्ती करो, सूरज-सा चमकूँ मैं, हम सब सुमन एक उपवन के, सतरंगा पुल, प्यारे गुब्बारे, हाथी आता झूम के, बाल गीतायन, आई रेल आई रेल, सीढ़ी सीढ़ी चढ़ते हैं, हम हैं सूरज चाँद सितारे, जल्दी सोना जल्दी जगना, मेरा वंदन है, बगुला कुशल मछुआ, नीम और गिलहरी, चाँदी की डोरी, ना-मौसी-ना, चरखे और चूहे, धूप और धनुष। इसके अतिरिक्त श्रम के सुमन, बाल रामायण तथा शेर भी डर गया कथा-कहानी की पुस्तकें हैं।

प्रधानमंत्री ने भी किया सम्मान

माहेश्वरी जी को उनके साहित्यिक अवदान के लिए अनेक पुरस्कार मिले। वर्ष 1977 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ द्वारा उन्हें बाल साहित्य का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार तथा ताम्रपत्र उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई से ग्रहण किया। 1992 में उन्हें पुनः उ.प्र. हिंदी संस्थान लखनऊ द्वारा बाल साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार बाल साहित्य भारती से सम्मानित किया गया। इन सम्मानों और पुरस्कारों के बावजूद वे कभी इसके मुखापेक्षी नहीं रहे। उनके अनेक गीतों के मुखड़े जन जागरण और साम्प्रदायिक सद्भाव के विज्ञापन के रूप में प्रसारित किए गए और सराहे गए हैं। उनके बालगीत की पहली पंक्ति "हम सब सुमन एक उपवन के" एक समय उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कौमी एकता का बोध जगाने वाली विज्ञापन पंक्ति के रूप में इस्तेमाल की गयी है। एक गंभीर साहित्यकार होने के बावजूद वे अपने बाल साहित्य के लिए ही अधिक चर्चित रहे। आज की आलोचना बाल साहित्य को बेशक गंभीरता से नहीं लेती किन्तु नई पीढ़ी को बेहतर मानव मूल्यों से जोड़ने के लिए इन की यशस्वी भूमिका से इन्कार नहीं किया जा सकता।

कवि सम्मेलन की भी रहे शान

उन दिनों समाज में कवि सम्मेलनों की बड़ी प्रतिष्ठा थी। बड़े-बड़े कवि इन सम्मेलनों में काव्यपाठ करने जाते थे। ऐसे कवि सम्मेलन जिनकी शिवमंगल सिहं सुमन, विश्वम्भर मानव, रूप नारायण त्रिपाठी, श्यामनारायण पांडेय, बच्चान, रामेश्वर शुक्ल अंचल, सुमित्रानंदन पंत, मैथिलीचरण गुप्त आदि शोभा होते थे, माहेश्वरी जी भी मंचों पर बराबर जाते रहे तथा उन्होंने श्रोताओं से भूरि-भूरि सराहना पाई। जब वह इलाहाबाद में रहते थे, उनके घर अज्ञेय आये और अज्ञेय उन्हें गोष्ठी में आमंत्रित किया। माहेश्वरी जी उस गोष्ठी में शामिल हुए। इलाहाबाद में ही माहेश्वरी जी ने गुंजन नामक संस्था भी बनाई, जिसकी गोष्ठियाँ हिंदी साहित्य सम्मलेन के कक्ष में समय-समय पर होती रहती थीं।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ .

हमारे परम आदरणीय
श्री सत्यनारायण काबरा
के ग्राम पंचायत बड़लियास के सरपंच
पद पर भारी मतों से निर्वाचित होने पर
हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की
मंगलकामनाएँ .

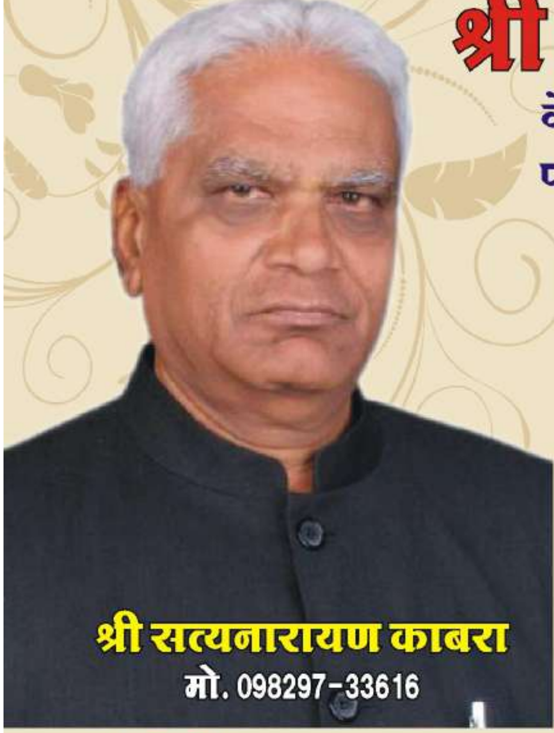

शुभेच्छु
रुक्मणदेवी काबरा (पत्नी)
भैया-भाभी : बालमुकुन्द-सम्पत्तदेवी काबरा
पुत्र-पुत्रवधू : सुनील-रितुश्री काबरा, प्रदीप-विनीता काबरा
पुत्री-दामाद : मुक्तादेवी-मनीषजी सोनी, स्नेहा-सन्दीपजी सोनी
बहन-बहनोई : प्रेमदेवी-स्व. श्री शान्तिलालजी पोरवाल
कान्तादेवी-स्व. श्री जगदीशचन्द्रजी हींगड़,
मंजूदेवी-अशोकजी अजमेरा, संजूदेवी-लक्ष्मीनारायणजी तोषनीवाल
पौत्र-पौत्री : मानस, श्रीया, अरिन्जय
दोइता-दोइती : मनीता, राघव, सौम्य, शौर्य एवं
समस्त काबरा परिवार एवं स्नेहीजन, बड़लियास (भीलवाड़ा)
सम्पर्क : 099099 59959, 093740 81166

हर क्षेत्र की तरह कला के क्षितिज पर भी माहेश्वरी समाज अपनी गौरव पताका फहराता रहा है। इनमें से ही एक हैं, समाज के 20 वर्षीय युवा चित्रकार विकास चाँडक, जिन्होंने पूरी दुनिया को अपने चित्रों का दीवाना बना दिया।

कला के क्षितिज का चमकता सितारा
विकास चाण्डक

बीकानेर निवासी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यालय मंत्री कमलकिशोर चाँडक के पौत्र तथा समाज सेवी दिनेश चाँडक के सुपुत्र विकास चाँडक ने एक व्यवसायी व समाजसेवी परिवार में जन्म लिया। उन्हें बचपन से कला का कोई पारिवारिक माहौल नहीं मिला, इसके बावजूद उनके शौक ने उन्हें वह राह दिखाई जिसने उन्हें एक प्रतिष्ठित कलाकार के रूप में पहचान दिलवाई। उनकी ख्याति देश की सीमाओं को भी लांघकर इस तरह फैली कि कई राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने उनकी कला की सराहना की। इसके साथ ही व्यावसायिक तौर पर "आर्ट वर्क" के लिये उन्हें मलेशिया, थाईलैंड व न्यूयार्क आदि से कई बार प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। फिल्म व लेखन के क्षेत्र में भी उनकी शिखर यात्रा जारी है।

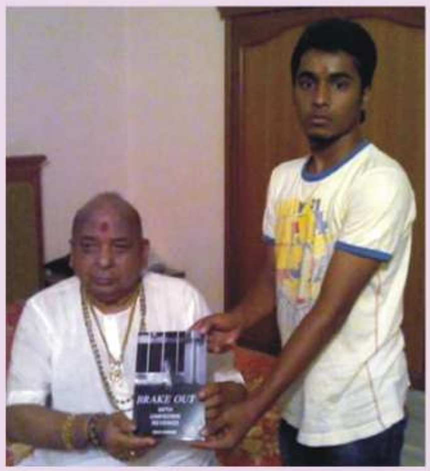

कला से सम्मान का शिखर

विकास ने गत 9 फरवरी को कला के क्षेत्र में देश के शीर्ष अवार्ड से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त किया। देश के शीर्ष शासकीय संगठन "अग्निपथ" द्वारा 9 फरवरी 2015 को नई दिल्ली के "प्यारेलाल भवन" में एक राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देश के प्रख्यात 100 से भी अधिक कलाकारों ने शिरकत की। इनमें कई कलाकार देश के शीर्ष कला सम्मानों से विभूषित थे। ऐसे कलाकारों के बीच हुई इस कला की जंग में भी विकास ने "रजत पदक" प्राप्त किया।

सम्मान की लम्बी फहरिश्त

विकास की कला के सम्मान की एक लम्बी फहरिश्त है। उनके बनाये चित्रों का मैग्जिन, "ई-फिक्शन" के लिये चयन किया गया। इनका इसके वॉल्युम.03 इश्यू 05 में प्रकाशन हुआ है। ख्यात अन्तर्राष्ट्रीय संस्था "पिकासो द्वारा आयोजित "ऑनलाईन आर्ट काम्पीटीशन" में "गोल्डन आर्टिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अमेरिकन एनजीओ-एफ एफ ओ व संगम इंटरनेशनल आर्ट फेस्ट द्वारा भी उनके चित्रों को व्यापक सराहना मिली। ख्यात संस्था मयूरी आर्ट स्टूडियों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए उन्हें "ऑफर लेटर" दिया।

चित्रों में कई विभूतियाँ

विकास ने सिर्फ माडर्न आर्ट में ही महारथ हासिल नहीं की बल्कि उन्होंने व्यक्तिगत चित्रों (पोट्रेट) को बनाने में भी विशेषज्ञता प्राप्त की है। अभी तक विकास ने गृहमंत्री राजनाथ सिंह, विद्युत आपूर्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह सहित समाज के ख्यात समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी, राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष कमल किशोर चाँडक तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा के चित्र बनाकर उन्हें भेंट किये तो वे देखकर अचंभित हुए बिना नहीं रहे। हर किसी ने उनकी कला को सराहा।

कूची के साथ कलम की भी यात्रा

विकास की बहुमुखी प्रतिभा की विशेषता यही है कि वे ब्रश थामकर सिर्फ पेंटिंग पर ही नहीं थमें बल्कि उनकी लेखनी ने साहित्य का सृजन भी करवाया। उन्होंने अंग्रेजी में एक लोकप्रिय पुस्तक "BRAKE/BREAK OUT WITH UNKNOWN REVENGE" लिखी है। इसमें इन्होंने एक राजा की कहानी के आधार पर मानवीय मूल्यों अनुशासन, धैर्य आदि का महत्व स्थापित करते हुए इनकी आवश्यकता को प्रतिपादित किया है। इसके लिये इसमें एक क्रूर राजा की कहानी का कथानक लिया गया है। इस पुस्तक की प्रशंसा "द शेक्सपीयर डॉटा बैंक इलिसोल्स" के को-आर्डिनेटिंग एडिटर व दिल्ली युनिवर्सिटी के ए.आर. एस.डी. कॉलेज के अंग्रेजी के प्रोफेसर डॉ. विक्रम चौपड़ा ने भी अपनी समीक्षा में की।

मात्र तीन साल में सफलता की यात्रा

वर्ष 1995 में 20 जून को जन्मे आगामी 3 माह में 20 वर्ष पूर्ण करने वाले विकास वैसे तो अपनी शिक्षा की यात्रा में हमेशा से ही प्रतिभावान रहे हैं, लेकिन उन्होंने वर्तमान में जो सफलता हासिल की इसमें मात्र गत तीन वर्षों का विशेष योगदान है। विकास वर्तमान में लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी में स्नातक स्तर में शिक्षारत है। उन्होंने केम्ब्रिज बोर्ड द्वारा संचालित संस्कृति वर्ल्ड स्कूल अजमेर से वर्ष 2011 में 10वीं तथा संगम इन्टरनेशनल भीलवाड़ा से वर्ष 2014 में 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस स्कूली अध्ययन के दौरान ही उन्होंने वर्ष 2011 में ए प्लस ग्रेड के साथ विजन अकादमी जोधपुर से एनिमेशन में डिप्लोमा व रिलायन्स एम्स इन्दौर से वर्ष 2012-13 में ए ग्रेड में एडवांस डिप्लोमा प्राप्त किया। इसके साथ वर्ष 2013 में बी.प्लस ग्रेड के साथ लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी से फिल्म मेकिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। इस उच्च शिक्षा ने विकास की प्रकृति प्रदत्त प्रतिभा को संवारा और उन्हें बना दिया अनमोल रत्न।

फिल्मी दुनिया में भी कदम

विकास लगभग 3 वर्षों से फिल्मी दुनिया से भी सतत रूप से सम्बद्ध हैं। अभी तक वे सत्यम फिल्म्स इन्दौर के मार्केटिंग हेड सहित कई जिम्मेदारियों का निर्वाह कर चुके हैं। उन्होंने फिल्मी दुनिया की विनोद खन्ना, डिम्पल कपाड़िया, रजा मुराद, प्रमोद मूथो, कीर्ति नारायण, इरफान, रजा खान आदि जैसी हस्तियों के साथ, राहुल जैन की फिल्म "सबसे जुदा हो तुम" में काम किया है। इसके साथ ही "द फिल्म राईटर एसोसिएशन-मुम्बई से लेखक तथा संस्था आईएफएफए फिल्म एसोसिएशन दिल्ली से डायरेक्टर के रूप में पंजीबद्ध हैं। मुकेश आर.के. चौकसे के साथ असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

आर्थिक बेबसी क्या होती है, शायद यह वह ही बता सकता है, जो बेबस और बेसहारा है। वक्त उनसे क्या कुछ नहीं करवा सकता? ऐसे बेसहारों को ही आर्थिक मदद की ठंडी छाँव दे रहा है, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, ठीक अपनों की तरह हर माह उनके घर मनीआर्डर पहुँचाकर।

▸▸ SMT टीम

बेसहारों का 'अपना सहारा'

श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

समाज एक वृहद परिवार है और परिवार के होते कोई बेसहारा नहीं हो सकता। इसी सोच को गत 40 वर्षो से चरितार्थ कर रहा है, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट। समाज की ऐसी सैंकड़ों बेसहारा विधवाऐं व बुजुर्ग हैं, जो पोस्टमेन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, कि वह आऐगा और उन्हें उनका मनीआर्डर देकर जाऐगा। उन्हें यह सहायता कर रहा है, श्रीकृष्णदास जाजू ट्रस्ट। लक्ष्य यही कि समाज का हर सदस्य सम्मान के साथ जीवन यापन कर सके और वह इस समाज के होते अपने आपको बेसहारा न समझे। उनके घर सहायता राशि के मनीआर्डर ठीक उसी तरह पहुँचाये जाते हैं, जैसे अपने पहुँचाते हैं, पूरे स्नेह व सम्मान के साथ।

ऐसे हुई थी शुरूआत

ट्रस्ट की स्थापना सन् 1961 में हुई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के दिल्ली में आयोजित अधिवेशन में विचार किया गया कि समाजोत्थान में कोई ठोस योजना बनाई जाये जिससे समाज के असमर्थ लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकें। इसी अधिवेशन में कोष का नामकरण माहेश्वरी समाज की श्रेष्ठ विभूति स्व. श्री कृष्णदासजी जाजू की स्मृति में श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट किया गया। ट्रस्ट की स्थापना के समय मुख्य उद्देश्य केवल जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना था लेकिन महासभा के अधिकारियो के पूरे देश भ्रमण के दौरान उनका ध्यान समाज की निराश्रित महिलाओं व असहाय वृद्धाओं की ओर गया। बोर्ड ने सन् 1971 में निर्णय लिया कि ऐसी महिलाओं व वृद्धाओं को सहायता के रूप में प्रतिमाह 40 रुपए दिए जाएं। यह बढ़ते-बढ़ते अब 1 हजार रुपए प्रतिमाह तक पहुँच गई। 1970 तक का तक स्थायी कोष 5 लाख रुपए के लगभग था लेकिन पदाधिकारियों के सतत प्रयास से वर्तमान में यह डेढ़ करोड़ रुपए को भी पार कर चुका है।

कौन थे कृष्णदास जाजू

स्व. श्री कृष्णदास जाजू वे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने सन् 1905 से लेकर 1955 तक के अपने जीवन के 50 वर्ष राष्ट्र को समर्पित कर दिये। 19 अगस्त 1882 में बीकानेर जिले के ग्राम अक्कासर में स्व. श्री जाजू का जन्म हुआ। बाद में उनका परिवार विदर्भ में आकर बस गया। शुरूआत से ही मेधावी रहे श्री जाजू ने कानून की शिक्षा प्राप्त की और वर्षा में वकालात की। सत्यनिष्ठा और नैतिकता तथा महात्मा गाँधी के सान्निध्य ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। उन्होंने वकालात छोड़ दी और सन् 1905 से ही महात्मा गाँधी के साथ स्वतंत्रता प्राप्ति के महायज्ञ में योगदान देने लगे। उनके लिये खादी ही आजीवन उनका परिधान रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश के प्रथम मंत्रीमंडल में वित्तमंत्री तथा मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने का आग्रह स्वयं महात्मा ने भी उनसे किया, लेकिन श्री जाजू ने अपनी निःस्वार्थ देश सेवा की भावना के चलते इन प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। श्री कृष्णदास जाजू जहाँ राष्ट्र की स्वतंत्रता व उत्थान के प्रति समर्पित थे, वहीं समाज में भी उनका सक्रिय योगदान रहा। स्वदेशी अपनाना, नारी शिक्षा व कुरीतियों के निवारण में समाज में भी आजीवन सक्रिय रहे। उनका सम्पूर्ण जीवन ही त्याग, सेवा, सदाचार से ओत-प्रोत रहा। आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के प्रथम अधिवेशन में महामंत्री थे। सन् 1922 में कलकत्ता अधिवेशन की आपने अध्यक्षता की।

सोमानी के नेतृत्व में हुई 5 गुनी वृद्धि

श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट को गत साढ़े 8 वर्षो से सूरत निवासी ख्यात उद्यमी शंकरलाल सोमानी मेनेजिंग ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। श्री सोमानी के इस कार्यकाल में सहायता राशि में भारी वृद्धि हुई। उनके कार्यकाल के पूर्व जरूरतमंदों को प्रदान की जाने वाली मासिक सहायता राशि मात्र 400 रुपये थी जो वर्तमान में बढ़कर 1 हजार रुपये हो गई है। कुल सहायता राशि उनके कार्यकाल के पूर्व की 10 लाख रुपये से लगभग 5 गुना अधिक अर्थात् वर्तमान में 55 लाख के आंकड़े को पार कर रही है।

कैसे प्राप्त करें सहायता

जरूरतमंद विधवा व असहाय बुजुर्ग निर्धारित आवेदन पत्र भरकर ट्रस्ट के ट्रस्टी अथवा संयोजकों की अनुशंसा के साथ प्रेषित कर सकते हैं। प्रधान कार्यालय इसकी जाँच उपरान्त स्वीकृति प्रदान करता है। ट्रस्ट के अन्तर्गत नीति तय की गई है कि जिस प्रदेश द्वारा जितना धन संग्रह हुआ है, उसका 10 प्रतिशत वितरण उसी प्रदेश में प्रतिवर्ष हो। लेकिन कई प्रदेशों में निर्धारित से अधिक राशि का वितरण हो जाता है। अतः संग्रह के साथ ही वितरण में सहयोग प्रदेश पदाधिकारियों को भी सौंपा गया है। छात्रवृत्ति एवं सहायता प्राप्त करने के लिये जिला समिति की सिफारिश, प्रदेश समिति तथा प्रदेश में जाजू के ट्रस्टी हैं, वे उस प्रदेश में सहायता वितरण की प्रक्रिया देखते हैं। जिस प्रदेश में ट्रस्टी नहीं हैं, वहाँ जाजू ट्रस्ट के संयोजक अनुशंसा करते हैं। ट्रस्ट द्वारा दी जाने वाली सहायता अधिकतम 3 वर्ष के लिये होती है, जिसे आवश्यक होने पर बढ़ाया जाता है।

और बढ़ेगी सहायता

वर्तमान में सर्वाधिक सहायता राशि राजस्थान, विदर्भ व पश्चिमी म. प्र. को प्रदान की जा रही है। 59 वर्षीय श्री सोमानी अपने प्रतिष्ठित उद्योग "सुमित इण्डस्ट्रीज लि. के संचालन की व्यस्तता के बावजूद ट्रस्ट की सेवाओं के विस्तार के लिये अपनी पूरी टीम के साथ समर्पित भाव से जुटे हुए हैं। श्री सोमानी का लक्ष्य इसकी पहुँच को देश के कोने-कोने में बसे जरूरतमंद समाजजन तक पहुँचाना है। इसके लिये उन्होंने समस्त समाजजनों से अपील की कि वे इस पवित्र कार्य में 10 हजार से 25 हजार रुपये तक की राशि के सहयोगी बन कर पुण्य अर्पित करें। उनका यह सहयोग कई मुरझाये जरूरतमंद चेहरों पर मुस्कुराहट बिखेर देगा।

कहाँ करें सम्पर्क

श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट

7/8, जाजू अपार्टमेंट, नेहरू एनेक्लेव नई दिल्ली-111019

विवाह की स्वर्ण जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

श्री शान्तिलालजी खटोड़
एवम्
श्रीमती कंकुदेवी खटोड़

के सफल दाम्पत्य जीवन की स्वर्ण जयन्ती पर
दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ.

शुभेच्छु

भ्राता-भ्रातावधू : कन्हैयालाल-कमलादेवी, इन्द्रमल-राधादेवी, अभिमन्यु-चन्द्रकला खटोड़
बहन-बहनोई : कमलादेवी-बालूरामजी लाहोटी, जशोदादेवी-रतनलालजी सोनी, पुष्पादेवी-बद्रीलालजी सोमानी
पुत्र-पुत्रवधू : शिवप्रकाश-साधना, गोपाल-प्रीति, विजेन्द्र-वर्तिका, गोविन्द-मनीषा, अविनाश-माधुरी
पुत्री-दामाद : मंजू-ओमप्रकाशजी सोमानी, संगीता-वीरेन्द्रजी लखोटिया, पारुल-राजेशजी मूँदड़ा,
कंचन -महेशजी आगाल, रुपल-परिमलजी गग्गड़, प्रीति-मयंकजी जागेटिया
पुत्री : निकिता खटोड़, दोहित्र-दोहित्रवधू : गौरांग-प्रिया सोमानी
भाणेज : कैलाशचन्द्र जागेटिया, राकेश लाहोटी, रामसहाय सोनी, नरेश सोमानी
पौत्र : हर्षिल, ऋत्विक, आयुष, मनन, केशव, पौत्री : काजल, जानवी, नव्या
दोहित्र : दीपेन, पार्थ, ध्रुव, अक्षत्, भव्य, हेत, रोहन, विहान, दोहित्री : मिताली, परिधि, नितिका एवं
समस्त खटोड़ परिवार, रायपुर-अहमदाबाद-भीलवाड़ा

फर्म : ▸▸ शुभम एंटरप्राइज, अहमदाबाद ▸▸ शुभलक्ष्मी एंटरप्राइज, अहमदाबाद
▸▸ शिवम् ऑटो सर्विसेज, हीरो शोरूम, रायपुर ▸▸ शुभम इलेक्ट्रॉनिक्स, भीलवाड़ा

गौमाता की महिमा का वेद-पुराण सभी ने वर्णन किया है। फिर भी स्थिति यह है कि हजारों गायें रोज काटी जाती हैं। इसी स्थिति के खिलाफ एक गौसेवा आंदोलन की शुरूआत की, दुर्ग छत्तीसगढ़ के गौसेवक स्व. श्री झूमरलाल टावरी ने। उन्होंने गाँव-गाँव में गीत गाकर गौसेवा का अलख जगाया, और वह भी ऐसा कि जेल तक में गौशाला प्रारम्भ हो गई। 17 फरवरी 2014 को श्री टावरी का 95 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया, लेकिन उनके द्वारा जलाई गई गौसेवा की ज्योति हमेशा प्रकाशित करती रहेगी।

SMT टीम

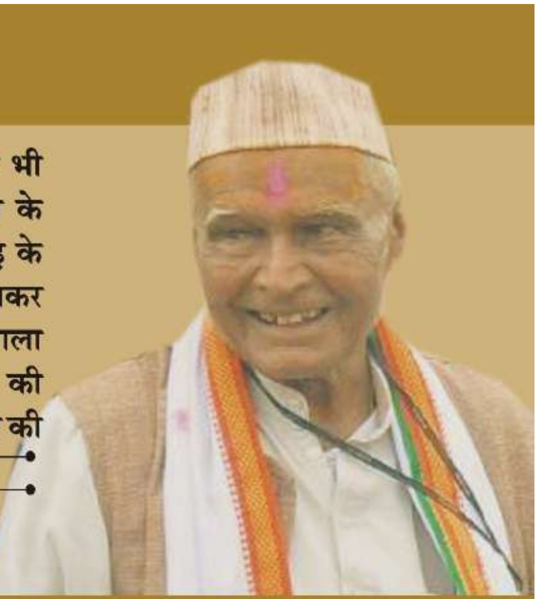

गौसेवा को अर्पित जीवन

स्व. श्री झूमरलाल टावरी

जब भी गौसेवा को लेकर इतिहास में चर्चा होगी तो उसमें स्व.श्री झूमरलाल टावरी का नाम स्वर्णाक्षिरों में अंकित होगा। कारण यही है कि उन्होंने न सिर्फ माहेश्वरी संस्कृति की सेवा भावना बल्कि हिन्दुत्व की परमभावना गौसेवा को न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि देश के कोने-कोने में प्रसारित किया। आप अन्तर्राष्ट्रीय कृषि गौ संरक्षण परिषद के अध्यक्ष भी थे। यह उनके प्रयासों का नतीजा ही है कि वर्तमान में देश के कोन-कोने में गौशालाऐं स्थापित हैं और इनमें से कई को शासन द्वारा आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। उनके जुनून की इसे इंतहां ही कहा जा सकता है कि अंतिम समय 95 वर्ष की अवस्था तक वे गौसेवा में जुटे ही रहे।

गाँधीजी थे प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री टावरी का जन्म राजस्थान के जोधपुर जिले के छोटे से ग्राम खुदियाला में हुआ था। प्राथमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त कर आजीविका के लिये आप रायपुर (छत्तीसगढ़) चले आये। यहाँ आकर महाजनी व्यवसाय सीखा। इसी दौरान सन् 1934 में महात्मा गाँधी दुर्ग आये, तो श्री टावरी 60 कि.मी. पैदल चलकर उनके दर्शन करने गये। इसके बाद उनका जीवन ही गाँधीमय हो गया। आप स्वयं भी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े और 1942 के सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया। वर्ष 1946 से 48 तक पूना में रहकर सामाजिक कार्य किया। बाल्यावस्था में ही आप स्व. श्रीमती रूखमणी के साथ विवाह के बंधन में आबद्ध हो गये थे। लेकिन उन्हें गाँधीजी का रंग ऐसा चढ़ा कि गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए भी आजीवन आपका जीवन एक संत की तरह ही हो गया।

हर जरूरतमंद के मसीहा

देश की स्वतंत्रता के लिये चले आंदोलन के स्वतंत्रता प्राप्ति पर समाप्त होने के बाद ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों में निवास कर रहे श्रमिकों किसानों, व्यापारियों व रचनात्मक संस्थाओं की कठिनाईयों को दूर करना उनका लक्ष्य बन गया। इसमें भिलाई का ग्रामीण अंचल उनका केन्द्र बना। उन्होंने शोषित-पीढ़ित वर्ग को संगठित कर जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने के लिये उन्हें नेतृत्व प्रदान किया। इसका नतीजा यह निकला कि शासन का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट हुआ। वर्ष 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा आपालकाल लगा दिया गया, जिसमें कई निर्दोषों पर अत्याचार हुए। श्री टावरी इसके खिलाफ भी मुखर होकर विरोध में आ खड़े हुए और आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके लिए मीसा के अन्तर्गत उन्हें जेल में रखा गया। छत्तीसगढ़ को पृथक् राज्य का दर्जा देने के लिये चले आंदोलन में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक मुखर विरोधी नेता की छवि का शासन ने सदैव सम्मान किया। परहित सरस धरम नहीं भाई'' ही उनके जीवन का मूल लक्ष्य व आदर्श बन गया।

गौसेवा की ओर बढ़े कदम

मीसाबंदी से रिहा होने के पश्चात् जब आपातकाल समाप्त हुआ, तो उनका सम्पूर्ण ध्यान गौमाता की दुर्दशा पर टीक गया। जिस तरह उन्होंने देश के लिये स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया। उसी तरह गौ संरक्षण के लिये आमजन को जागृत करने का संकल्प भी ले लिया। इसकी शुरूआत तो उन्होंने अपने गिने चुने साथियों के साथ ही की लेकिन लोग जुड़ते गये और कारवाँ आगे बढ़ ही रहा। उन्होंने गाँव-गाँव में गौ संरक्षण की अलख जगाने के लिये उनके द्वारा गाए गये गौ गीत की ये पंक्तियां तो लोगों की जुबान पर हैं, और आज इस आंदोलन का स्लोगन जैसी बन चुकी है।

नई सदी का शंख बज गया, अपना फर्ज निभाना है।
गौ सवंर्धन करके, उन्नत राष्ट्र बनाना है।।

गौरक्षा आंदोलन को दिया वृहद रूप

2001 से अन्तर्राष्ट्रीय कृषि गौ संरक्षण परिषद के केन्द्रीय अध्यक्ष स्व. श्री टावरी ने गौरक्षकों के साथ 6 नवंबर से गौरक्षा आंदोलन संसद के समक्ष प्रारंभ किया। इसने कोलकाता में 26 जनवरी 2012 तक विराट रूप ले लिया। छत्तीसगढ़ दुर्ग में 500 गायों को कटने से बचाकर श्रीकृष्णा गौशाला छत्तीसगढ़ में स्थापित की जहां आज 5000 से ज्यादा गायों का संवर्धन एवं गौ उत्पादों पर रिसर्च व औषधि निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहा है। मई 2002 में जशपुर में पशु तस्करी को कड़ाई से रोकने हेतु साहसिक आंदोलन किया। गौहत्या बंदी जैसे उनका आदर्श बन गया। साध्वी प्रीतिसुधाजी के साथ अनेक मंचों से प्रवचन कराए। देश भर में गौरक्षा की अलख जलाने वाले स्व. टावरी जी ने देवनार, मुंबई, हैदराबाद, कलकत्ता में बड़े-बड़े आंदोलन किये, जिससे भयभीत होकर उन्हें गिरफ्तार तक किया गया था।

जेल में स्थापित की गौशाला

गौसेवा की चरमसीमा तो तब हुई जब इन्होंने दुर्ग सेंट्रल जेल में कैदियों के लिये गौशाला स्थापित की। यह जेल में स्थापित देश की सर्वप्रथम गौशाला है। उनकी धर्मपत्नी स्व. रूखमणी देवी ने भी माहेश्वरी महिला संगठन की प्रमुख नेत्री रहते हुए उनके कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान दिया। अकोला के विशाल सम्मेलन में कन्या शिक्षा हेतु स्वनिधि से 1 लाख रुपये दान किये जो आज करोड़ों तक पहुंच गए हैं। दुर्ग जेल की गौशाला देश की पहली गौशला है जहां जघन्य जुर्मो के कैदी भी खुद को धन्य मानते हैं कि "दादाजी ने उन्हें पावन कर्म से जोड़कर जैसे उनके पाप धोने का रास्ता ही बता दिया"। उनके चेहरों पर आज सकून है। पाँच गायो से प्रारम्भ जेल की रूख्मणि गौशाला आज लगभग 100 गायों का संवर्धन कर रही है।

हर किसी ने किया उनकी सेवा को नमन

तत्कालीन राष्ट्रीय गोवंश आयोग, भारतसरकार के कृषि मंत्रालय ने टावरी जी के आंदोलन से प्रभावित होकर उन्हें अप्रैल 2002 में 'जनसुनवाई' में शामिल होकर आयोग को अपने बहुमूल्य सुझाव देने हेतु आमंत्रित किया। तत्कालीन न्यायमूर्ति माननीय गुमानमल लोढा ने स्वयं पत्र लिखकर उनका अभिनंदन किया कि इतनी वृद्धावस्था में भी उनका गौसेवा का कार्य प्रेरणास्पद है। श्री लोढा जी तो जैसे उनके अनुयायी हो गए। प्रख्यात संत स्वामी मुक्तानंद जी स्वयं उनके कार्यो से बेहद प्रभावित रहे। गुजरात राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष चीनूभाई पटेल ने स्वयं गौसंरक्षण बाबत जानकारी उनसे मांगी।

प्रथम पुण्य स्मरण

स्व. श्री झूमरलाल जी टावरी

को प्रथम पुण्यतिथि पर

शत् शत् नमन

आँसूभरी पलकों से शत् शत् नमन
जिनकी ममता भरी छाँव में हम पल्लवित हुए
सभी पुत्र, पुत्रियाँ, बहुएँ, जमाई एवं नाती-पोते.

रत्नों से चमकाएँ भाग्य

रत्न सिर्फ श्रृंगार की वस्तु ही नहीं होते, बल्कि इनमें भाग्य को बदलने की भी चमत्कारिक शक्ति होती है। बस जरूरत होती है तो इन्हें ज्योतिषीय परामर्शानुसार धारण करने की। याद रखें प्रतिकूल स्थिति का रत्न हानिकारक भी हो सकता है।

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर
मो. 9414370518

ग्रहों की अनुकूलता प्राप्त करने के लिए ज्योतिषी अनुकूल ग्रह संबंधी रत्न पहनने की सलाह देते हैं। रत्नों में अपूर्व दैवीय शक्ति विद्यमान होती है। वैज्ञानिक आधार पर यदि रत्नों का विश्लेषण किया जाये तो इनमें ऐसे रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, जो सूर्य की किरणों के संपर्क में आने पर पहनने वाले व्यक्ति पर अपना प्रभाव डालना शुरू कर देते हैं। रत्नों के सूर्य की किरणों के प्रभाव में आने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार शरीर में होता है, जिससे अनुकूलग्रहों के प्रभाव में वृद्धि होती है। अतः आपको जन्म कुंडली के आधार पर अपने अनुकूल ग्रहों के रत्नों का चयन कर उन्हें धारण करने से ही लाभ होगा।

किस ग्रह का पहने रत्न

ग्रहों से संबंधित रत्न को पहनने से सम्बंधित ग्रह के प्रभाव में वृद्धि होती है, कब? जब जन्म कुंडली के कारक ग्रह (शुभ फलदाता) के रत्न को धारण किया जाए। जैसे जन्म कुंडली में 1, 4, 5, 9, 10 वें भाव के स्वामी यदि नीच अथवा शुभ क्षेत्रीय नहीं हो, तो उनके रत्न धारण करना शुभ फलदायक होता है। शुभ तथा कारक ग्रह का नग धारण करने से उसके कारकत्व में वृद्धि होकर शुभ फलों की अधिक प्राप्ति होती है। अकारक, नीच ग्रह, शत्रु क्षेत्रीय अथवा 2, 3, 6, 7, 8, 11 एवं 12वें भाव के स्वामी ग्रहों के रत्न नहीं पहनें, ये अशुभ फल देते हैं। इनसे लाभ की बजाय नुकसान हो सकता है। रत्नों को अंगूठी, लॉकेट अथवा सिद्धिदायक यंत्रों में जड़वाकर गले में धारण कर सकते हैं।

विधि-विधान से करें धारण

मुहूर्त चिंतामणि के अनुसार किसी कार्य को यदि शुभ मुहूर्त में किया जाए तो उसके परिणाम अधिक अपेक्षित आने की संभावना प्रबल होती है। ग्रहों से संबंधित रत्नों को भी यदि शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से श्रद्धापूर्वक धारण किया जाए तो उनके प्रभाव में वृद्धि होती है। रत्न से निर्मित अंगूठी या लॉकिट को शुभ मुहूर्त में सर्वप्रथम पंचामृत (गौघृत, दुग्ध, दही, शहद, गंगाजल) से स्नान करायें। इसके पश्चात् शुद्ध जल से स्नान कराकर पूजा स्थल में रखें। धूप-दीप जलाकर उत्तर या पूर्वाभिमुख बैठकर अपने ईष्टदेव का ध्यान करें फिर रत्न से संबंधित ग्रह का 108 बार जप करें तथा रत्न धारण कर लें। इस दिन व्रत रखें और रत्न से संबंधित ग्रहों की सामग्री का यथाशक्ति दान करें, शुभफल प्राप्ति की कामना करें।

दोषपूर्ण रत्न से बचें

रत्न व्यवसायी से रत्न खरीदते समय ध्यान रखें कि रत्न की रंगत स्वच्छ और निर्दोष हो। उसमें स्वाभाविक चमक हो और आकार में पूर्ण तथा अविछिन्न हों। अर्थात उसमें निम्नलिखित दोष होगा तो वह लाभकारी नहीं होगा-

- रत्न कहीं से टूटा न हो, वह आकार में पूर्ण होना चाहिए। भले ही वह छोटा हो परन्तु काट-बनावट में परिपूर्ण आकार रखता हो।
- रत्न में ऊपर या भीतर कहीं भी दरार, गड्ढा, छेद, बिन्दू, कालापन या भग्नता (टूट-फूट) नहीं हो।
- रत्न का रंग निर्दोष और समान हो। कहीं गहरा, कहीं फीका रंग, रत्न को दूषित बनाता है।
- आप असली या उपरत्न ही धारण करें परन्तु वे वास्तविक व शुद्ध होने चाहिए। कृत्रिम, अशुद्ध, दूषित, भग्न (टूटे) तथा विकृत रत्न कदापि धारण नहीं करें।
- रत्न की शुद्धता की परख रत्न परीक्षण प्रयोगशाला से भी करवा सकते हैं।

उपरत्न भी देते हैं शुभ प्रभाव

महर्षियों ने कहा है कि जो लोग असली रत्नों को धारण करने में असमर्थ हों, वे इनके उपरत्न धारण कर सकते है। मोती का उपरत्न चंद्रमणि है, इसे सफेद पुखराज कहते हैं। माणक का उपरत्न- सूर्यमणि या तामड़ा (ताम्रमणि) पहनें। मूंगे का उपरत्न- विद्रुममणि, संघमुंगी पहनें। पन्ने का उपरत्न- ओनेक्स, मरगज, संगेसम है। हीरे का उपरत्न- ओपल, फिरोजा, तुरमली, जरकन तथा अमेरिकन डायमण्ड है। नीलम का उपरत्न है- जामुनिया, नीली, नीलम मार्का, कटैला, लाजवर्त। पुखराज का उपरत्न- सुनैला पहन सकते हैं।

जन्म लग्न और आपके लिये रत्न

ध्यान रखें कारक ग्रह भी यदि नीचगत हो तो उसका रत्न धारण नहीं करें। शुभ कारक ग्रह का रत्न पहनने से उसके कारकत्व में वृद्धि होकर शुभ फलों की अधिक प्राप्ति होती है। लग्नानुसार कारक ग्रह व उनसे संबंधित रत्न निम्न प्रकार हैं।

- **मेष लग्न** में मंगल, चंन्द्र तथा सूर्य, क्रमशः 1, 4, तथा 5वें भाव के स्वामी होने से इनके रत्न मूंगा, मोती तथा माणिक्य धारण करना लाभकारी होगा।
- **वृष लग्न** में शुक्र, शनि कारक है। अतः इन्हें हीरा, नीलम पहनना लाभकारी है। हीरा-नीलम साथ पहन सकते हैं।
- **मिथुन लग्न** के शुभ कारक ग्रह बुध तथा शुक्र हैं। इनको पन्ना, हीरा पहनने से लाभ होगा।
- **कर्क लग्न** में चन्द्र, मंगल लग्नेष, पंचमेश-दशमेश होने से कारक है। अतः इनके रत्न मोती, मूंगा धारण करना लाभकारी होगा।
- **सिंह लग्न** में सूर्य, मंगल कारक होने से माणिक्य तथा मूंगा पहनना लाभकारी होगा।
- **कन्या लग्न** में बुध लग्नेश-दशमेश होने के कारण इसका रत्न पन्ना शुभ रहेगा।
- **तुला लग्न** में चन्द्र, शुक्र तथा शनि के रत्न मोती, हीरा तथा नीलम धारण करें।
- **वृश्चिक लग्न** में सूर्य, चन्द्र तथा मंगलकारक हैं। अतः माणिक्य, मोती तथा मूंगा धारण करना शुभ रहेगा।
- **धनु लग्न** में सूर्य, गुरू कारक होने से इनके रत्न माणिक्य तथा पुखराज पहनना शुभ है।
- **मकर लग्न** में शुक्र, शनि कारक ग्रह होने से इनके रत्न हीरा तथा नीलम धारण करना शुभ है।
- **कुंभ लग्न** के कारक ग्रह शुक्र, शनि के रत्न हीरा तथा नीलम पहनें।
- **मीन लग्न** में गुरू और चन्द्रमा क्रमशः लग्नेश-दशमेश और पंचमेश होने से इनके रत्न मोती तथा पुखराज पहनना शुभ है।
- **राहु-केतु-** ये द्रष्टव्य ग्रह न होकर छाया ग्रह हैं और प्रायः अशुभ प्रभाव ही देते हैं। परिस्थितिवश ही शुभ होते हैं। इसलिए इनके रत्न गोमेद तथा लहसुनिया को इनके शुभ स्थिति में होने पर ही किसी ज्योतिर्विज्ञ की सलाह से धारण करें।

परस्पर शत्रु ग्रह के रत्न न पहनें

एक से अधिक रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखें कि वे आपस में शत्रु ग्रह से संबंधित रत्न तो नहीं हैं। आपस में शत्रु ग्रह से संबंधित रत्न एक साथ धारण करने से विपरीत प्रभाव उत्पन्न होने लगता है। क्योंकि जब किन्ही दो वस्तुओं का प्रभाव परस्पर साम्य रखता हो तो वे एक नई शक्ति का सृजन करती हैं। परन्तु दो विरोधी प्रभाव (शत्रुता) वाली वस्तुऐं परस्पर मिलती है तो उनसे विपरीत प्रभाव वाली प्रतिकूल(हानिकारक) प्रतिक्रिया की सृष्टि होती है। अतः आपस में निषेध रत्न एक साथ धारण नहीं करें जो निम्न प्रकार हो सकते है

- **माणिक-** सूर्य रत्न माणिक के साथ हीरा, नीलम तथा गोमेद नहीं पहनें क्योंकि शुक्र, शनि तथा राहु सूर्य के शत्रु है।
- **मोती-** चंद्र रत्न मोती के साथ उसके प्रबलशत्रु राहु रत्न गोमेद को नहीं पहनें।
- **मूंगा-** मंगल रत्न मूंगा के साथ गोमेद, हीरा तथा नीलम कदापि धारण नहीं करें।
- **पन्ना-** पन्ना के साथ उसके शत्रु चंद्रमा के रत्न मोती को नहीं पहनें।
- **पुखराज-** गुरू रत्न पुखराज के साथ हीरा और नीलम कदापि धारण नहीं करें।
- **हीरा-** शुक्र रत्न हीरा के साथ माणिक, मूंगा तथा पुखराज का निषेध है।
- **नीलम-** शनि रत्न नीलम के साथ माणिक, मूंगा तथा पुखराज नहीं पहनें।
- **गोमेद और लहसुनिया-** छाया ग्रह राहु-केतु के रत्न गोमेद-लहसुनिया के साथ माणिक, मोती, तथा मूंगा का निषेध है।

निश्चित समय तक ही प्रभावी

रत्न एक निश्चित समयावधि तक ही प्रभावी होते हैं। इस अवधि के पश्चात् इनकी पूजा व मंत्र साधना पुनः कर लेनी चाहिए। रत्नों की प्रभावशाली समयावधि इस प्रकार है- माणक 4 वर्ष, मोती 2 वर्ष 1 माह 27 दिन, मूंगा 3 वर्ष 3 दिन, पन्ना 2 वर्ष 4 माह 27 दिन, पुखराज 4 वर्ष 3 माह 10 दिन, हीरा 7 वर्ष, नीलम 5 वर्ष, गोमेद-लहसुनिया 3 वर्ष तक।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2014

माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2014
से सम्मानित होने पर
शिक्षा जगत् के महानायक
डॉ. आर.डी. मोहता
का हार्दिक अभिनन्दन

शुभेच्छु-किरण-विष्णु भगत
कोलकाता

आधुनिक समय की आधुनिक बीमारियों में से एक ''स्वाईन फ्लू'' वर्तमान में देश के कई क्षेत्रों में एक विपदा बन गई है। अभी तक कई लोग इससे मौत के ग्रास बन चुके है। एलोपैथिक चिकित्सा इस पर अधिक कारगर सिद्ध नहीं हो रही है। इसके बावजूद कुछ घरेलू नुस्खे आपको रख सकते हैं, इससे सुरक्षित।

▸▸ कैलाश लढ़ा, जोधपुर

महामारी की तरह फैलता रोग
स्वाईन फ्लू

H1N1 इन्फ्लूएंजा या स्वाइन फ्लू दरअसल चार वायरस के संयोजन के कारण होता है। आम तौर पर इस वायरस के वाहक सूअर होते हैं। यही वजह है कि मीडिया ने इसे स्वाइन फ्लू यानी कि 'सुअर फ्लू' नाम दे डाला। अब तक यह जानवरों के लिए घातक नहीं था और न ही कभी इसने इंसानों को प्रभावित किया था। लेकिन जब से इस विषाणु का उत्परिवर्तन हुआ है, इस फ्लू ने महामारी का रूप धारण कर लिया है, क्योंकि यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैल रहा है। जोखिम का विषय यह है कि एक नया वायरस स्ट्रीम बन जाने के कारण कोई भी इससे अप्रभावित नहीं है। लिहाजा प्रत्येक व्यक्ति इस संक्रमण के प्रति संवेदनशील है।

कैसे फैलते हैं इसके वाइरस

यह वाइरस पीड़ित व्यक्ति के छींकने, खांसने, हाथ मिलाने और गले मिलने से फैलते है। वहीं स्वाइन फ्लू का वाइरस स्टील प्लास्टिक में 24 से 48 घंटों तक, कपड़ों में 8 से 12 घंटों तक, टिश्यू पेपर में 15 मिनट तक और हाथों में 30 मिनट तक सक्रिय रहता है।

कैसे पहचानें

इसके लक्षणों में लगातार नाक बहना, मांसपेशियों में दर्द या अकड़न महसूस होना, सिर में तेज दर्द, लगातार खांसी आना, उनींदा रहना, थकान महसूस होना, बुखार होना और दवा खाने के बाद भी बुखार का लगातार बढ़ना आदि शामिल है। आम लक्षणों में जुकाम, खांसी, नाक बंद होना, सिर में दर्द, थकावट महसूस होना, गले में खराश, शरीर में दर्द, ठंड लगना, जी मिचलाना, उल्टी होना और दस्त भी हो सकती है। कुछ लोगों में श्वांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है। स्वाइन फ्लू के ज्यादातर मरीजों में थकावट के लक्षण पाए जाते हैं। स्वाइन फ्लू के प्राथमिक लक्षण दिखने में एक से चार दिन लग सकते हैं।

यह बरतें सावधानी

- स्वाइन फ्लू से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, साफ-सफाई रखना। छींकते या खांसते वक्त रुमाल या टिश्यू पेपर का इस्तेमाल करें और प्रयोग किए गए टिश्यू पेपर को खुले में न फेंका जाए।
- अपने हाथों को थोड़ी-थोड़ी देर में साबुन-पानी से धोते रहें। शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बीमार होने पर लोगों से हाथ न मिलाएं, गले न लगें। अगर फ्लू के लक्षण दिखते है तो दूसरों से एक मीटर की दूरी बनाकर रखें।
- बीमार होने पर घर पर ही रहें। स्कूल, ऑफिस, मंदिर या सार्वजनिक स्थानों पर न जाएं। बिना धुले हाथों से आंख, नाक या मुह छूने से बचें।
- खांसी अथवा छींक के समय अपने चेहरे को टिश्यू पेपर से ढँककर रखें। टिश्यू पेपर को सही तरीके से फेंके अथवा नष्ट कर दें।
- अपने हाथों को किसी हैंड सैनीटाइजर द्वारा नियमित रूप से साफ करें। अपने आसपास हमेशा सफाई रखें।

ऐसे बनाऐं स्वाईन फ्लू रोधी काढ़ा

आवश्यक घटकः- 7 ईलाईची + 7 लोंग + 7 तुलसी के पत्ते + 1 छोटा टुकड़ा अदरक + 1 टुकड़ा दालचीनी + 1/4 टेबल स्पुन हल्दी + 1/4 टेबल स्पून काला नमक + 4 कप पानी !

निर्माण विधिः- उपर्युक्त सभी घटकों को दिये गये मापानुसार 4 कप पानी में इतना उबालें कि पानी एक कप रह जाय तत्पश्चात् तैयार काढ़े को छानकर एक शीशी में भर लें और प्रातः कालीन क्रिया से निवृत होकर भूखे पेट दो-दो चम्मच तीन दिन तक सेवन करें व अपने परिजनों को भी करायें।

▶▶ चेहरे पर मास्क को बचाव का एक तरीका माना जा रहा है, मगर वास्तव में यह कितना प्रभावी है इस बारे में किसी रिसर्च के जरिए कोई पक्के नतीजे सामने नहीं आए हैं

कैसे करें घरेलू उपचार

▶▶ रोज सुबह उठकर 5 तुलसी की पत्तियाँ धोकर खाएँ। तुलसी का अपना एक चिकित्सीय गुण है। यह गले और फेफड़े को साफ रखती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर इसके संक्रमण से बचाती है।

▶▶ गिलोई कई क्षेत्रों में सामान्य रूप से पाई जाती है। गिलोई की एक फुट लंबी शाखा लें। इसमें तुलसी की 5-6 पत्तियाँ मिलाकर इसे 15-20 मिनट तक उबाल लें, जब तक कि इसमे इसके तत्व ना घुल जाऐ। इसमें स्वादानुसार काली मिर्च, सेंधा नमक (यदि व्रत है तो) या काला नमक, मिश्री मिला ले। इसे ठंडा होने दें और गुनगुने का सेवन करें। इम्यूनिटी के लिए यह कारगर है। यदि गिलोई का पौधा उपलब्ध नहीं हो तो हमदर्द या अन्य किसी ब्रांड का गिलोई पाउडर इस्तेमालकर यह काढ़ा बना सकते हैं।100 मि.ली. पानी में तीन ग्राम नीम, गिलोय, चिरैता के साथ आधा ग्राम काली मिर्च और एक ग्राम सोंठ का काढ़ा बना कर पीना भी काफी लाभदायक रहता है। इन चीजों को पानी के साथ तब तक उबालना है, जब तक वह 60 मिली ग्राम न रह जाए। इसे एक सप्ताह के लिए रोज सुबह खाली पेट पीने पर स्वाइन फ्लू से लड़ने के लिए शरीर में जरूरी प्रतिरक्षण क्षमता (इम्यूनिटी) पैदा हो जाएगी। गिलोय की एक फुट लंबी डाल का हिस्सा, तुलसी की पाँच-छः पत्तियों के साथ 15 मिनट तक उबालें। स्वाद के मुताबिक सेंधा नमक या मिश्री मिलाएँ। कुनकुना होने पर इस काढ़े को पिएँ। यह आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति को चमत्कारिक ढंग से बढ़ा देगा। हमदर्द, वैद्यनाथ या किसी अच्छी आयुर्वेदिक दवा कंपनी का गिलोय भी ले सकते हैं।

▶▶ गोली के आकार का कपूर का टुकड़ा महीने में एक या दो बार लिया जा सकता है। बड़े लोग इसे पानी के साथ निगल सकते हैं और छोटे बच्चों को यह आलू या केले के साथ मलकर दे सकते हैं क्यों कि इसे सीधा लेना मुश्किल होता है। याद रखें कपूर को रोजाना नहीं लेना है, इसे महीने में एक बार ही लें। थायमॉल, मेंथॉल, कैंफर (कपूर) को बराबर मात्रा में मिला कर तैयार 'यू वायरल' के घोल की बूँदों को अगर रुमाल या टिश्यू पेपर पर डालकर लोग सूंघें तो भीड़ में मास्क पहन कर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पान के पत्ते पर दवा की तीन बूँदें डालकर 5 दिन तक दिन में दो बार खाने पर स्वाइन फ्लू से बचाव हो सकता है।

▶▶ जो लोग लहसुन खाते हैं वे रोज सुबह दो कलियाँ कच्ची चबा सकते हैं। यह गुनगुने पानी से लिया जा सकता है। अन्य चीजों की बजाय लहसुन से इम्यूनिटी ज्यादा बढ़ती है। इससे रोग प्रतिरोधक शक्ति में इजाफा होगा।

▶▶ जिन लोगों को दूध से एलर्जी नहीं है वे रोज रात को दूध में थोड़ी हल्दी डालकर ले सकते हैं। रात को सोते समय हल्दी का दूध अवश्य पिएँ।

▶▶ ग्वारपाठा आसानी से उपलब्ध पौधा है। इसकी कैक्टस जैसी पतली और लंबी पत्तियों में सुगंध रहित जैल होता है। इस जैलको एक टी स्पून में पानी के साथ लेने से त्वचा के लिए बहुत अच्छा रहेगा, जोड़ों का दर्द दूर होगा और साथ ही इम्यूनिटी बढ़ेगी। ग्वारपाठे का एक चम्मच गूदा रोज पानी के साथ लें। इससे जोड़ों का दर्द कम होने के साथ-साथ रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ेगी।

▶▶ नीम में हवा को साफ करने का गुण होता है जिससे यह वायुजनित बीमारियों के लिए कारगर है, स्वाइन फ्लू के लिए भी। आप खून को साफ करने के लिए रोज 3-5 नीम की पत्तियाँ चबा सकते हैं।

▶▶ गले और फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना प्राणायाम करें और जॉगिंग करें। आपको स्वस्थ रखने के साथ ही यह हर बीमारी के लिए फायदेमंद है जो कि नाक, गले और फेफड़ों से संबन्धित है। अपने फिटनेस लेवल को बढ़ा कर रखें ताकि किसी भी बैक्टेरिया अथवा वायरस के हमले का सामना कर सकें। श्वास प्रणाली की कसरत से यह तंत्र मजबूत होता है।

▶▶ विटामिन सी से भरपूर आंवला जूस आदि का सेवन करें। चूंकि आंवले का जूस हर महीने नहीं मिलता है (खास तौर पर चार महीने), ऐसे में आप पैक्ड आंवला जूस भी ले सकते हैं।

▶▶ त्रिफला, त्रिकाटू, मधुयास्ती और अमृता को समान मात्रा में लेकर उसे एक चम्मच लेने से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे बुखार भी कम होता है। इस दवा को खाना खाने के बाद दिन में दो बार लेने से फायदा होगा।

कुकिंग

भूलभुलय्या कबाब

सामग्री। 1 कटोरी ज्वारी का आटा, 1/2 कटोरी बेसन, 1/4 कटोरी रवा, 1 कटोरी चॉप प्याज, 1/2कप हरा धनिया, 2 टे. स्पून सांबर पावडर, गाजर किसा हुआ- 1/4 कप, स्वादानुसार नमक, मिर्च, अदरक लहसुन की पेस्ट, 2 टे. स्पून मोयन के लिये तेल और तलने के लिये तेल।

विधि। ऊपरी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें और 1 घंटा रख दें। अब थोड़ा गरम पानी लेकर आवश्यकतानुसार पानी लेकर घोल बनाये और गोल-गोल कबाब बनाके डिप फ्राय करें। गरमागरम कबाब चटनी के साथ सर्व करें।

▶▶ **पूनम राठी**, नागपुर
मो. 099700-57423

एक पुरातन लोक किवदंति है कि जिस पर बिजली गिरती है, वही उसकी पीड़ा, दंश एवं व्यथा को सर्वाधिक जानता है। अन्य सभी उसकी विवेचना कर सकते हैं, समीक्षा कर सकते हैं, पीड़ित व्यक्ति को शाब्दिक ढाढस बंधा सकते हैं, पर यह परम सत्य तो जस का तस बना रहता है कि जिसके पांव में जूता चुभता है वहीं उसकी चुभन को सिरे से जानता है। यह एक नग्न सत्य है।

समाज सुधार का नया सवेरा

हम किसी की पीड़ा में एक रस नहीं हो सकते, समभागी भी नहीं बन सकते, लेकिन निश्चय ही उसे महसूस तो कर सकते हैं। जब हम महसूस करेंगे, संवेदनशील बनेंगे, तब निश्चय ही कोई रास्ता भी ढूंढ लेंगे। राजा राममोहन राय ने वर्ष 1785 में एक स्त्री को सती होते हुए देखा, इस दृश्य को देखकर वे इतने विचलित हुए कि कई दिनों तक सो नहीं पाये। उसके पश्चात उन्होंने इस कुप्रथा के विरूद्ध एक आन्दोलन छेड़ दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि सरकार इस पर निषेध लगाने को मजबूर हुई। हालांकि सती प्रथा तब भी बन्द नहीं हुई। वर्ष 1985 में दिवराला गांव में रूपकंवर के सती होने के पश्चात समुचा विश्व इसके विरूद्ध लामबंद हुआ एवं यह प्रथा सदैव के लिये समाप्त हो गई। अनेक बार पत्थर दसवी चोट में टूटता है, लेकिन प्रथम चोट उसकी टूटन का आग़ाज है। यह बात सभी कुप्रथाओं पर लागू होती है।

उन्नीसवी सदी के प्रारम्भ में विधवाओं की व्यथा को महसूस करते हुए मुन्शी प्रेमचंद ने तात्कालीन वॉयसराय को पत्र लिखा था कि क्यों न ऐसा कानून बनें जिसके तहत कोई भी विधुर मात्र विधवा से विवाह कर सके। यह पत्र आज भी साहित्य की धरोहर है। कई कारणों से ऐसा सम्भव नहीं हो पाया लेकिन यह एक अच्छे अहसास का श्रीगणेश था, समाज सुधार के क्षेत्र में यह पत्र मील का पत्थर था। आप वैधव्य की पीड़ा को महादेवी वर्मा के शब्दों में महसूस करिये ..... ''विस्तृत नभ का कोई कोना अपना न कभी कोई होना, परिचय अपना इतिहास यही उमड़ी कल थी मिट आज चली, मैं नीर भरी दुःख की बदली''। यही बात तलाकशुदा स्त्री-पुरूषों पर लागू होती है। तलाक कोई नहीं चाहता पर तलाक जायज कारणों से भी हो सकते हैं।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

मेरी बुआ अठारह वर्ष की उम्र में विधवा हो गई, वह पुनर्विवाह नहीं कर सकी, 1940-50 के वर्षों में माहेश्वरी समाज बहुत कंजरवेटिव था। तब भी मेरे पिता ने उन्हें शिक्षित कर उनकी नौकरी लगाई। उसके एक-एक आंसू दर पीड़ा का मै साक्षी रहा हूं। नवभोर की परिकल्पना के समय वह मेरी आंखों के आगे घूम रही थी। नवभोर एक प्रयास है, हमारी विधवा, विधुर, तलाकशुदा बहनों एवं भाईयों की पीड़ा में एकीकार होने का। उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने का, उन्हें यह बताने का कि आपकी इस कठोर पीड़ा को समाज महसूस करता है, हम आपके साथ हैं। कहते हैं चिन्तन के हर अच्छे बीज के साथ ईश्वर आ खड़ा होता है, इसीलिए नवभोर कार्यक्रम की सभी समाजजन भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं। आग किसी का भी घर जला सकती है, हम कुप्रथाओं की आग को आज बुझायेंगे, तभी कल हमारे घर महफूज रहेंगे।

नवभोर कार्यक्रम का आगाज दो वर्ष पूर्व हमारी महासभा की परिवार परिवेदना समिति के तत्वावधान में हुआ था। पूर्व में तथा हालही में भी इस कार्यक्रम के तहत कार्यशालायें एवं परिचय सम्मेलन आयोजित किये गये हैं। इस कार्यक्रम की वर्तमान प्रभारी श्रीमती मधु समदानी से हुई वार्ता के अंश प्रस्तुत हैं-

▸▸ 'नवभोर' कार्यक्रम के तहत आप क्या विशेष कर रही हैं? आजकल परिचय सम्मेलन तो जगह-जगह हो रहे हैं।

'नवभोर' कार्यक्रम मूलतः हमारे विधवा-विधुर-तलाकशुदा भाई-बहनों के पुनर्वास से संबंधित है। हमारा मुख्य उद्देश्य इस वर्ग के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक पुनर्वास को लेकर है। समाज में इस वर्ग के प्रति एक नई सोच बनाने से है। कार्यशालायें एवं परिचय सम्मेलन इसी वृहद चिन्तन की कड़िया है।

▸▸ आप कार्यशाला में क्या-क्या बताती हैं ?

हम काउंसलिंग द्वारा उनका सामाजिक, मनोवैज्ञानिक स्टिग्मा, अवरोध दूर करने का प्रयास करते हैं। उन्हें बताते हैं कि अब समाज बदल गया है एवं कोई भी एक घटना आपसे जीवन एवं आपका जायज अधिकार नहीं छीन सकती ।

▸▸ तलाकशुदा प्रकरण में आपकी क्या योजना है ?

तलाकशुदा प्रकरणों को लेकर हम हमारा दृष्टिकोण बदलें। हर कोई व्यक्ति सुख, सुकून एवं समायोजन चाहता है लेकिन ऐसा कभी-कभी संभव नहीं हो पाता। तलाक जायज कारणों यथा नपुंसकता, प्रताड़ना, दुर्व्यवहार के आधार पर भी हो सकते हैं। स्त्री पुरूष दोनों इसके शिकार बन सकते हैं।

▸▸ तलाक प्रकरण बहुधा लम्बे क्यों खिंच जाते हैं ?

हमारा प्रयास कानून के सभी पहलू बताकर इस खिंचाव एवं देरी को रोकना ही है। हमने ऐसे कई प्रकरण मात्र एक वर्ष में सुलझा दिये जो 5 से 8 वर्ष तक से लम्बित थे। इस वर्ग के लोग बहुधा अपनी समस्या बयां करने से घबराते हैं। वे पहले ही बहुत भुगत चुके होते हैं, ऐसे में उन्हें ऐसी एजेंन्सियों की जरूरत होती है, जो उन्हें सही मार्ग बता सके। तलाक सरलता से हो जाना भी एक प्रकार का समाधान ही है। हमारे समाज में अधिकांश तलाकशुदा पुर्नविवाह के पश्चात ठीक से समायोजित हो गये है। इसका अर्थ यह स्पष्ट है कि पहले परिस्थितियां विषम एवं प्रतिकूल थी।

▸▸ इस वर्ग के कानूनी पहलुओं में क्या अनेक पेचिदगियां हैं ?

नहीं। पेचिदगियां दिखती हैं पर है नहीं। आज स्त्री/पुरूष को सम्पत्ति में समान अधिकार है। विधवा होने की स्थिति में पूर्व स्त्रीधन पुर्नविवाह के पश्चात् भी उसी का बना रहता है। उसके नाम की सम्पत्तियां उसके स्वयं के नाम ही रहती है। हालही में आये सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार पुर्नविवाह के पश्चात् भी पूर्व पति की पेन्शन जारी रहेगी।

▸▸ पूर्व पति के बच्चों का समाधान कैसे होता है ?

अगला पति चाहे तो उन्हें गोद ले सकता है, अन्यथा वे अपने पूर्व परिवार की सम्पत्ति के उत्तराधिकारी होंगे। कोई भी कानून आपसी समायोजन से ऊपर नहीं है। हार्दिक समायोजन की ताप में सभी कानूनी पेचिदगियां स्वतः पिघल जाती हैं। 'मियां बीबी राजी तो क्या करेगा काजी?' तलाकशुदा स्त्रियों को अनेक बार मुआवजा भी मिलता है। कई समस्या मात्र वसीयत लिखने से समाप्त हो जाती है।

विश्वस्तरीय बॉयोडाटा के साथ वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" वर्ष-2015 अंक का प्रकाशन होने जा रहा है। यह अतिशीघ्र पहुँचेगी आपके द्वार, एक मित्र की तरह लेकर "रिश्तों की सौगात"। यदि आपने अपनी प्रति बुक नहीं करवाई है, तो कहीं मौका चुक न जाऐं। अभी फोन उठाऐं और करें आर्डर।

उत्कृष्ट बायोडाटा की सौगात लायेगी
श्री माहेश्वरी मेलापक-2015

गत पाँच वर्षों में अपने 5 अंकों से दाम्पत्य के सूत्र जोड़ने का कीर्तिमान स्थापित करने वाली श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा प्रकाशित वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" का वर्ष 2015 अंक भी प्रकाशन की ओर है और अतिशीघ्र पाठकों के द्वार पर पहुँच जाऐगा। इसके प्रकाशन की शुरूआत प्रबुद्ध पाठकों के परामर्शानुसार व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण उत्कृष्ट रिश्तों को तलाशने में आ रही परेशानियों को देखते हुए की गई थी। "श्री माहेश्वरी मेलापक" ने अपने इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना सफलतापूर्वक योगदान दिया और वह भी एक मित्र ही तरह, घर बैठे। इन 5 वर्षों में यह प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से 700 से अधिक रिश्तों को जोड़ने मे अपनी अहम भूमिका निभा चुकी है। इसी शृंखला में "श्री माहेश्वरी मेलापक" का वर्ष 2015 अंक भी आ रहा है, लेकर रिश्तों की सौगात-आपके द्वार।"

मनचाहे रिश्तों तक पहुँच

जीवन की बगीया तब खुशियों से सराबोर हो जाती है, जब जीवन साथी मनचाहा हो। इसी को ध्यान रखते हुए किया जाता है, श्री माहेश्वरी मेलापक को तैयार। इसमें सभी बायोडॉटा को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-"मांगलिक, सामान्य व प्राफेशनल"। प्रोफेशनल वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, एम.बी.ए. सी.ए., एडवोकेट, आर्किटेक्ट आदि के बॉयोडाटा को शामिल किया जाता है। विशिष्ट वर्ग में तलाकशुदा, विधवा-विदुर, निःशक्त व 35 वर्ष में अधिक आयु वाले प्रत्याशियों को शामिल किया गया है। तलाश की सुविधा के लिये इन सभी वर्गों के बॉयोडाटा के पृष्ठों के रंग भी भिन्न रखे गये है, जिससे आप जिस वर्ग में तलाश करना चाहते हैं, सीधे उसी वर्ग के पृष्ठों पर जा सकते हैं। बॉयोडाटा में सम्बंधित की अन्य जानकारी के साथ जन्म दिनाँक व जन्म समय भी प्रकाशित किया जाता है, जिससे आप कुण्डली मिलान भी कर सकते हैं।

उत्कृष्ट बॉयोडाटा का संग्रह

'श्री माहेश्वरी मेलापक' को तैयार करने में एक वृहद टीम कार्य करती है। इसके लिये इस टीम द्वारा अथक परिश्रम से सम्बंधित की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर बॉयोडाटा का प्रकाशन किया जाता है। यही कारण है कि श्री माहेश्वरी मेलापक विश्वास का दूसरा नाम बनी हुई है। इसकी 5 वर्षों की सफलता की यात्रा के पीछे भी यही विश्वसनीयता है। फिर भी पाठकों से अनुरोध है कि वे कोई भी रिश्ता तय करते समय अपने स्तर पर पूर्ण जानकारी प्राप्त करके ही रिश्ता तय करें। नई पीढ़ी के अनुरूप इसे आकर्षक बहुरंगी कलेवर में प्रकाशित किया जाता है, जिसके लिये उत्कृष्ट डिजाईनरों की सेवा ली जाती है।

आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना

गत अंकों की तरह इसमें भी समाज की विवाह योग्य बेटियों के बायोडाटा का योजना "आपकी बेटी-हमारी बेटी" के अन्तर्गत निःशुल्क पंजीयन होगा। इसके पीछे "श्री माहेश्वरी मेलापक" का उद्देश्य समाज की बेटियों को स्नेहपूर्ण स्थान देना है। इसमें समाज की बेटियों के बॉयोडाटा के प्रकाशन के लिये उन्हें किसी प्रकार का पंजीयन शुल्क नहीं देना है। बस निर्धारित प्रारूप में अपने फोटो व पूर्ण जानकारी के साथ बायोडाटा ही प्रेषित करना होता है।

कैसे मंगवाऐं डायरेक्ट्री

आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के अन्तर्गत डायरेक्ट्री मंगवाने के लिये इसका मूल्य 300 रुपये प्रथक से देय होगा, जिसमें डाक खर्च भी शामिल होगा। युवकों के लिये यह पंजीयन शुल्क सहित मात्र 500 रुपये देय है। इसके लिये उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं चुकाना है। एडवांस बुकिंग पर डायरेक्ट्री आपके द्वारा दिये गये पतों पर प्रेषित कर दी जाऐगी। इस शुल्क को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के खाता क्रमांक-31725815057 'श्री माहेश्वरी मेलापक' IFSC Code-SBIN0030062 में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करनी होगी। पृथक से डायरेक्ट्री मूल्य रुपये 500/- के भुगतान पर प्राप्त की जा सकेगी।

सम्पर्क- **श्री माहेश्वरी मेलापक**
90, विद्यानगर, उज्जैन (म.प्र.)
फोन 0734-2556144, 094250-91161
E-mail: srimaheshwarimelapak@gmail.com

महान् त्याग से ही महान् कार्य होता है। - स्वामी विवेकानन्द
हुरकट परिवार
की ओर से हार्दिक अभिनन्दन

हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन

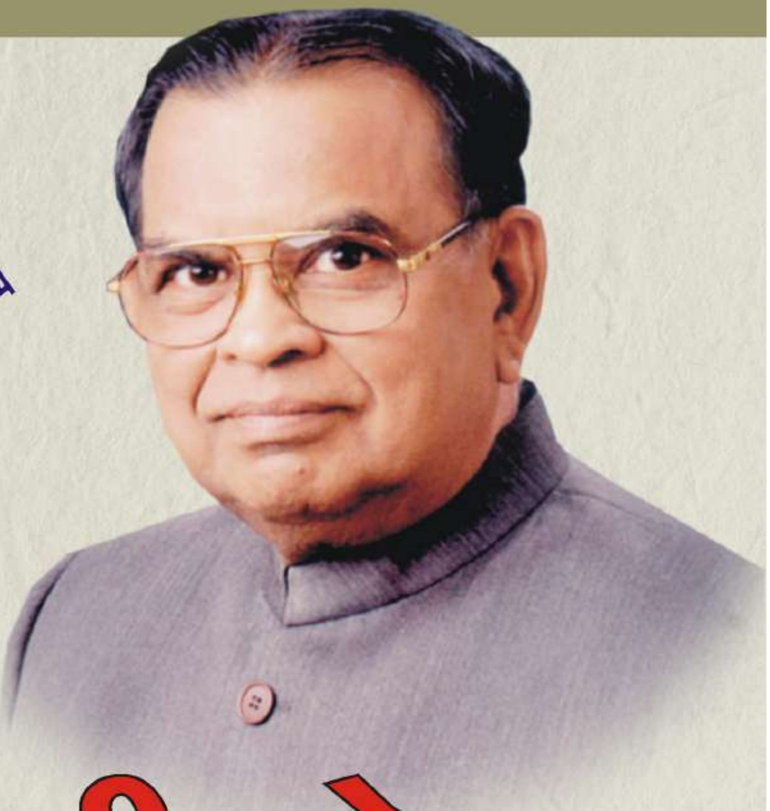

डॉ. आर.डी. मोहता

को

माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2014

से अलंकृत होने पर

हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन

शुभेच्छु-

सज्जनकुमार मोहता

मो. 076669-94770

प्रदेश अध्यक्ष

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन, नागपुर (महा.)

मेनेजिंग ट्रस्टी

श्री मदनमोहन भवन ट्रस्ट, वर्धा (महा.)

आपणी बोली *- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

अंतराष्ट्रीय ख़िताब

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊ कि काई जमानो आ ग्यो जिने देखो वहीं इंटरनेशनल बणनी चाहवे । नेशनल हुवणो तो मानो 'आउट ऑफ़ फैशन' हूँ ग्यों है।एक जनाब दस साल पेहला लंदन जान आया था आज तक उनो नशो दिमाग सुं नहीं ग्यो बरसो तक तो वाणो मन अपणे शहर में नहीं लाग्यो।और तो और हुक्म जिने देखो उने पकड़ने आपरी यात्रा रा संस्मरण सुनावण लॉग जावता ।बेचारो सामने वाळो शर्माशर्मी में घण्टो वाणों व्याख्यान सुणतो । सही में आपाणे अठे हर दिल ने इंटरनेशनल रो कीड़ो लाग्योड़ों है जिनमे एक म्हे भी हूँ।

एक किस्सों सुनाऊँ हुक्म म्हाणो एक लेखन फेन योगेश जो कालेज संघ रा अध्यक्ष है एक दिन घरे आय बोल्या - स्वातिजी इण बार कालेज रो वार्षिक उत्सव अंतराष्ट्रीय स्तर रो करणो है और आपने उनमे जज बणणो है ।में बोली - अरे वाह ! राज्यस्तरीय , राष्ट्रीय स्तरीय समारोह में तो कई बार जज बणिया पर अंतराष्ट्रीय स्तर रे समारोह में कदैई मोको नहीं मिळीयो ।

आप कठे कठे सुं टीम बुला रिया हो ? कांई यूरोप यूनिवर्सिटीज़ टीम भी आ रही है ? वे बोले- जी इन्विटेशन तो काफी देशो में भेजियां है ।अब देखा किण किण देश री टीम आवे।

हुक्म म्हाणे मन में तो लड्डू फुटण लाग ग्या ।वाह अब हम अंतराष्ट्रीय जज कहलावण लॉग जावा ।

हुक्म बहुत सज धज ने तैयार हुआ । साड़ी भी कर्ज लेने 10,000 री खरीदी ।विदेशी देश रे सामने जज बणनी कदैई कल्पना भी नहीं की थी ।लेकिन जण समारोह शुरू हुयो तो पतों लाग्यो एक ही टीम बांग्रादेश सूं आई है ।खेर.. कार्यकम रे बाद म्हे अध्यक्ष साहब ने पूछियों - कौनसा विश्वविद्यालय री टीम थी? वे बोले - इज्जत बचावण वास्ते बांग्रादेशी कच्ची बस्ती रा कलाकार बुला लिया था ।हुक्म म्हे तो वाणो मुहं देखता रह ग्या ।कने खड़ो एक स्टूडेंट बोलियो- स्वाति जी आजकल हर गली मोहल्ला में इंटरनेशनल फेस्टिवल हूँ रिया है । म्हे सब सोचियों एक आपा भी कर ला ।

हुक्म दिमाग रो काफूर आजकल री इण बेबुनयादी होड़ में नाम करण री हवा सुं हिल ग्यो और कसम ख़ाली । भारत री संस्कृति आबो हवा में जो सुख है वो अंतराष्ट्रीय ख़िताब या जज बणन में नहीं ।

विदेश रो सर्टिफिकेट लेने अपने आपने अंतराष्ट्रीय सिद्ध करण री होड़ में अफसर हो उद्योगपति ,मंत्री हो या संत्री सब लाग्योड़ा है।पर सुख तो घर में मिले बाहरे थोड़ी न ।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

प्रजातंत्र का कारनामा

"एक तरफ तो भूख, सत्ता की-धन की
दूसरी तरफ आगत
लोगों को झूठे प्रलोभन की
ऐसे में
कुर्सी के पागलों की हिमाकत तो देखो
किसी ने लेपटॉप, किसी ने टी.वी.
तो किसी ने साड़ियाँ बाँट दी
किसी ने बिजली तो किसी ने पानी
फोकट में मनचाही रेवड़ियाँ बाँट दी
दादा !
ये चुनाव है
या लूट के लायसेंस की लड़ाई है ?"

"बेटा छोटू !
चुप रहने में ही भलाई है
किसी को चिन्ता नहीं मादरेवतन की
फिक्र है तो बस
सिर्फ रिश्वत की, कमीशन की
सब्जबाग दिखाना
सत्ता हथियाने का मूलमंत्र है
यही तो प्रजातंत्र है

वाह रे प्रजातंत्र !
तेरी बलिहारी है
तूने नेता को चोर
और मतदाता को मुफ्तखोर बना दिया
इस देश को दुनिया में
वोट के सौदागरों का सिरमौर बना दिया !"

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपको धन लाभ देने वाला है, रुका हुआ पैसा मिलेगा। पुराने मित्र से अचानक भेंट होगी। विद्यार्थियों को अध्ययन में लाभ मिलेगा, शुभ समाचार मिलेंगे, प्रेम प्रसंगों में सफलता प्राप्त होगी। कैरियर के प्रति सजगता से काम करेंग। राजकीय काम भी सरलता से सम्पन्न होंगें, बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। वाद-विवाद से बचें किसी पर भी विश्वास न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें, नहीं तो बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। पारिवारिक कार्य में व्यस्तता बनी रहेगी, स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृषभ- यह माह आपके लिए सुखद रहेगा, सामाजिक पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पराक्रम में वृद्धि होगी, विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अटके हुए काम होंगे, लम्बी यात्रा के योग, आय के स्त्रोत में वृद्धि होगी, कार्य क्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी, दूसरों की मदद के लिए आगे आएंगे। चालाक एवं धूर्त व्यक्ति से सावधानी बरतें, संतान के विवाह व कैरियर की चिंता बनी रहेगी, शत्रु एवं विरोधी परास्त होंगे, पदोन्नति एवं स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे, बड़े लोगों के सम्पर्क का लाभ मिलेगा।

मिथुन- यह माह आपके लिए सामान्य रहेगा। व्यापार में बड़ा अवसर मिलेगा। जीवन साथी से कार्य क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा, भाइयों से परस्पर प्रेम बढ़ेगा। घर में विवाह आदि मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। विद्यार्थी वर्ग को अध्ययन में रुचि बढ़ेगी एवं सफलता भी मिलेगी। पत्रकारिता, प्रकाशन, लेखन के कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विवाह प्रस्ताव आएंगे। जमीन-जायदाद आदि से विवाद बढ़ेगा। शत्रु परास्त होंगे। आध्यात्मिक तथा वित्तीय क्षेत्र में प्रगति होगी।

कर्क- इस माह आपके लिए पदोन्नति के योग बनते हैं। सफलता एवं शुभ समाचार मिलेंगे। परिवार एवं बच्चों के साथ समय व्यतित होगा। आर्थिक मामले में सावधानी बरतें। मेहमानों, रिश्तेदारों का आगमन एवं स्वागत-सत्कार में व्यस्त रहेंगे। जीवन साथी से मधुर संबंध होंगे। ज्यादा विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें। प्रेम प्रसंग में रुचि बनी रहेगी। राजकीय कार्यों को शीघ्र पूरा करें। रोजगार में उचित अवसर प्राप्त होंगे। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें।

सिंह- इस माह आपके वित्तीय मामलें आगे बढ़ेंगे। आध्यात्मिक क्षेत्र की ओर रुझान बना रहेगा। विपरीत योनी की ओर से सावधानी बरतें। मन का कार्य होने से प्रसन्नता मिलेगी। पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पत्ति में विवाद उत्पन्न होगा। विद्यार्थी पढ़ाई में व्यस्त रहेंगे। परीक्षा में सफलता मिलेगी, अधिकारियों की तरफ से सहयोग मिलेगा। नए-नए लोगों से संपर्क बनेंगे। परिश्रम के बल से धन लाभ होगा। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, मेहमानों का आगमन बना रहेगा। खान-पान पर विशेष ध्यान देवें। बुजुर्गों की चिंता बनी रहेगी।

कन्या-इस माह आपके लिए सुखानुभूति होगी। धन लाभ होगा, व्यापार में बढ़ोत्तरी, परिवार का सहयोग- अविवाहितों के विवाह संबंध होंगे। धार्मिक कार्य में व्यस्त रहेंगे। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। प्रेम के मामले में सफलता अर्जित होगी। राजकीय कार्यों में लाभ के योग, आकस्मिक खर्च आने पर परेशानी उठाना पड़ेगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। बच्चों की ओर से चिंता एवं परेशानी बनी रहेगी। विरोधियों को परास्त करेंगे। आय में बढ़ोत्तरी एवं नौकरी में पदोन्नति होगी।

तुला - यह माह आपके लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा। परिश्रम के बल पर उचित लाभ मिलेगा। राजकीय कार्य जल्द निपटेंगे। क्रोध से बनते कार्य बिगाड़ लिया करेंगे। लोकप्रियता एवं प्रसिद्धि दिन-पर-दिन बढ़ेगी, आभूषण आराम दायक वस्तुओं की खरीददारी करेंगें। तीर्थ यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। न्यायालीन प्रकरणों से दूर रहें। विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा है। जीवन साथी से आपसी मेल-जोल बढ़ेगा, भाई परिवारजनों से मन मुटाव बना रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। मेहमानों के आगमन से व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक-इस माह आपके सरकारी कार्य पूर्ण होंगे। भावनात्मक और पारिवारिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। धर्म के प्रति रुझान बना रहेगा।पदोन्नति होगी। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा, सम्मान,यश, आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। लापरवाही से बचे, भाग्योदय होगा, खुशी मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति करेंगे। अपना समय बच्चों व परिवार में व्यतीत करेंगे। वाहन आदि से सावधानी बरतें। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद बने रहेंगे। मीडिया विज्ञापन से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। मानसिक शांति रहेगी।

धनु- यह माह आपके लिए शांतिप्रदा करने वाला है, मनचाही प्रगति, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शादी समारोह में व्यस्तता बनी रहेगी। आपके शुभ चिंतक मदद करेंगे, प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे। विद्यार्थी जमकर पढ़ाई करें, तकनीकि कार्य में अच्छी सफलता मिलेगी। जीवन साथी का सहयोग सभी परेशानियों से राहत दिलाएगा, किंतु बच्चों को अधिक समय न दे पाएंगे। भूमि, भवन निर्माण के कार्य सम्पन्न होंगे। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। स्वयं की मेहनत से सभी काम सम्पन्न हो जाएंगे। शत्रु परास्त होंगे। साझेदारी से लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे।

मकर- यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायी रहेगा। शत्रु षड्यंत्र में प्रबल रहेंगे, किंतु कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। आप लक्ष्य की ओर अग्रसर रहेंगे। जान-पहचान का क्षेत्र विस्तृत होगा। ह्रास-परिहास मनोरंजन एवं किसी विशेष कार्य में रुचि रहेगी। लोकप्रियता बढ़ेगा, न्यायालयीन प्रकरणों में विजय मिलेगी। उच्च अधिकारियों के संपर्क का लाभ, जीवन साथी से सम्मान, रुका हुआ धन मिलेगा। नवीन वस्तु की खरीददारी करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देंवे। परिवार, रिश्तेदार से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी, योगा-व्यायाम पर विशेष ध्यान देंवे। कल्याणकारी कार्य आपको आकर्षित करेंगे।

कुंभ- यह माह आपके लिए मिला-जुला (मिश्रित) फलदायक रहेगा। मेहमानों के स्वागत-सत्कार में व्यस्त रहेंगे। पुराने मित्र, परिचित से मुलाकात होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा, न्यायालीन प्रकरणों में किसी से सलाह जरुर लेंवे। वाद-विवाद से बचें। बनते-बनते कार्य अटक जाया करेंगे। धार्मिक कार्य में विशेष रुचि बनी रहेगी। जीवन साथी के साथ मधुर संबंध बनेंगे। वाहन से सावधानी बरते। विपरीत योनी की ओर अधिक रुझान बना रहेगा। कड़ी मेहनत से बेहतर सफलता मिलेगी। अपनों से धोखा मिलेगा, नवीन वस्तु की खरीददारी करेंगे।

मीन- यह माह आपके लिए मान-सम्मान प्रतिष्ठा में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में प्यार, उत्साह बनाए रखेंगे।कार्य मे सफलता मिलेगी। कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण फैसले करेंगे। कही घूमने-फिरने का कार्यक्रम बना सकते हैं। सगाई विवाह संबंधी प्रकरणों में आगे बढ़ेंगे, स्थाई सम्पत्ति बढ़ेगी। नेत्र से संबंधित विकार उत्पन्न होंगे। बच्चों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ेगा। लापरवाही से बचना होगा। नई खोज व ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। प्रेम-प्रसंगों में रुचि बनी रहेगी।

श्रद्धांजलि

गत दिनों समाज के ख्यात समाजसेवी व इतिहासकार श्री राधेश्याम धूत का देहावसान हो गया। श्री धूत के देहावसान ने समाज की आंखे भिगो दी। उनसे जुड़ी मधुर स्मृतियों से आपका दीदार करवा रहे हैं, जयपुर के ख्यात साहित्यकार, पत्रकार व कवि चन्द्रमोहन शारदा.

पत्थरों से फूटीं शिक्षा और साहित्य की कोपलें

राधेश्याम धूत

व्यवसाय और साहित्य दो अलग-अलग दिशाऐं हैं, अलग-अलग धाराएं हैं, वह भी व्यवसाय जब संगमरमर यानी पत्थर का हो। पत्थर से साहित्य की कोपलें फूटना आसान नहीं होता, लेकिन जो जीक से हटकर चलते हैं, उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं। ऐसे लोग ही धारा के विपरीत चलने का साहस कर पाते हैं। शिक्षा व साहित्य मनीषी राधेश्याम धूत इसकी जीती-जागती मिसाल थे। एक पत्थर व्यवसायी होने के बावजूद उनके ह्रदय में जीवन भर साहित्य प्रस्फुटित होता रहा। उनका मानना था कि एक शिक्षित व संस्कारी व्यक्ति ही एक अच्छे समाज के निर्माण में सहभागी हो सकता है। जयपुर के महाराजा कालेज से 1955 में दर्शनशास्त्र में एमए करने वाले धूत की पढ़ाई पूरी करने के बाद व्यवसाय में आए जरूर, पर उन्होंने व्यवसाय को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। 1933 में नावां (नागौर) में जन्में धूत ने शिक्षा, साहित्य व कला-संस्कृति को अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया। अपने सपनों को साकार करने के लिए उन्होंने प्रीति क्लब व वाणी परिषउ जैसी संस्थाओं की स्थापना की, जिसके जरिए वह साहित्य अनुष्ठान में लग गए। उनकी यह साहित्य साधना जीवन पर्यंत चलती रही। अपने अंतिम समय में भी वह साहित्य साधना में लगे हुए थे। उनका मानना था कि वृहद केवल शरीर होता है, मन में कभी वृहद नहीं होता, शिक्षा व साहित्य मनीषी राधेश्याम धूत 82 वर्ष की आयु में भी जिस तरह साहित्य और समाज के प्रति जागरूक थे,वह अनूठा ही कहा जाएगा।

प्रीति क्लब व वाणी परिषद के सौजन्य से धूत ने साहित्य व संस्कृति से जुड़े सैकड़ों आयोजन करवाए, पर उनमें से कुछ तो तक भुलाए नहीं जा सके है। गीम गोविन्द पर डॉ. विद्यानिवास मिश्र का तीन दिवसीय व्याख्यान कराना एक महान उपलब्धि थी। इसी तरह ऐतिहासिक उपन्यास रस कपूर पर गोष्ठी भी साहित्य सुधियों को अभी तक याद है। श्री धूत ऐसी विभूति थे, जिन्होंने वर्ष 1976 में सम्पूर्ण जयपुर शहर को प्रथम गैर ईसाई अंग्रेजी माध्यम स्कूल एम.पी.एस. की सौगात देकर शिक्षा जगत में धमाका कर दिया था।

वह निरंतर साहित्य साधना में रत रहे। गीता, मानस, भागवत, और महाभारत, का उन्होंने गहन अध्ययन किया था। धूत का कहना था कि इन महान ग्रंथों में जो भी वर्णित है, वह अनुकरणीय है। इनमें कई प्रसंगों में अतिरेक भी हो सकता है, लेकिन उन पर तर्क करने के बजाय उन्हें प्रतीक के रूप में लेना चाहिए। उदाहरण के लिए महाभारत के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को उपदेश देना। अनेक लोग यह कह सकते हैं के युद्ध के मैदान में यह संभव नहीं, ऐसे लोगों को इसे प्रतीक के रूपमें लेना चाहिए कि यदि ऐसी स्थिति आ जाए तो उसे वही करना चाहिए, जो भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा। इस तरह की दृष्टि रखने से जीवन में हमेशा सकारात्मकजा बनी रहेगी। धूत सा. अपने अंतिम दिनों में राजस्थान विश्वविद्यालय वैष्णव साहित्य संवर्धन संस्थान की स्थापना के लिए प्रयासरत थे। इस प्रकोष्ठ की स्थापना में उन्होंने पूरा सहयोग दिया। उनका मानना था कि जब निर्गुण संप्रदाय का दादू अध्ययन केन्द्र स्थापित हो सकता है तो सगुण संप्रदाय का केन्द्र भी स्थापित होना चाहिए। उनका यह सपना अधूरा ही रह गया।

स्व. श्रीमती कमला फूलचंदजी भक्कड़

को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

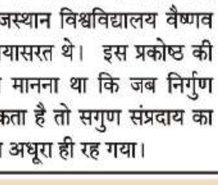

इनर व्हील क्लब जालना, माहेश्वरी महिला मंडल व आदर्श भगिनी मंडल की पूर्व अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व उपाध्यक्ष व शहर अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य सहित कई संगठनों को अपनी सेवाओं से पोषित करने वाली निःस्वार्थ समाज सेवी

जालना। वरिष्ठ समाजसेवी **श्रीमती कमला-फूलचंद भक्कड़** का गत दिनों ह्रदय गति रूक जाने से 75 वर्ष की अवस्था में **13 दिसम्बर, 2014** को देहावसान हो गया। सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली श्रीमती भक्कड़ ने इन्नर व्हील क्लब ऑफ जालना, माहेश्वरी महिला मंडल, आदर्श भगिनी मंडल की अध्यक्ष के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र में जालना जिला महिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष व जालना शहर कमेटी अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवा दी थीं। शासन की ओर से विशेष कार्यकारी दंडाधिकारी, जालना जिला नियोजन समिति एवं भ्रूण हत्या निवारण समिति में भी अशासकीय सदस्य के रूप में 5 वर्ष कार्य किया। इंटरनेशनल इन्नरव्हील सहित कई संस्था की ओर से भी आपकी सेवाओं के लिये सम्मान किया गया था। 1972 कलकत्ता अधिवेशन से महासभा से जुड़ी एवं 1986 से 2008 तक अखिल भारतीय माहेश्ववरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य रहीं।

विनम्र श्रद्धांजलि

▸▸ भक्कड़ परिवार, जालना ▸▸ वरिष्ठ सहेली ग्रुप, जालना

श्री हेमंतकुमार बजाज

उज्जैन। शहर के ख्यात उद्यमी व वरिष्ठ समाजसेवी गणेशनारायण बजाज के ज्येष्ठ पुत्र श्री हेमन्तकुमार बजाज का गत 22 फरवरी को असामयिक निधन हो गया। आप लम्बे समय से कैन्सर से पीड़ित थे। आप अपने पीछे पिता, भाई शरद, रमेशचन्द्र व राजेन्द्र कुमार तथा पुत्र सावन बजाज सहित पौत्र-पौत्रियों से भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं। श्री बजाज के देहावसान से स्थानीय समाज में शौक की लहर फैल गई। आप उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के सचिव रहे हैं। आपके नेतृत्व में समाज की डायरेक्ट्री का प्रकाशन हुआ था। इसके अतिरिक्त कार्यकारी मण्डल सदस्य भारतीय पारमार्थिक न्यास के ट्रस्टी सहित कई सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे हैं। श्री बजाज की अन्तिम यात्रा में समाज संगठनों के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं कई गणमान्यजनों ने उपस्थित रहकर अन्तिम विदाई दी। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार ने भी स्व. श्री बजाज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री प्रयागदास सारडा

देशनोक (बीकानेर)। समाज के वरिष्ठ श्री प्रयागदास सारडा का 83 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। श्री सारडा देशनोक की श्री करणी गौशाला व श्री करणी मंडल औषधालय के सचिव व जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य थे। आप प्रहलादराय सारडा के पिता, बीकानेर स्थित एन. सारडा एंड एसोसिएट के संचालक सीए निर्मल कुमार सारडा व सीए अनिल कुमार सारडा के दादाजी व हिम्मतसर के बजाज परिवार के दामाद थे। उनके निधन पर माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी युवा संगठन ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती गीतादेवी मून्दड़ा

भीलवाड़ा। समाज सदस्य महावीर मून्दड़ा की धर्मपत्नी एवं विकास मून्दड़ा की माता श्रीमती गीतादेवी मून्दड़ा का असामयिक निधन हो गया। श्रीमती मून्दड़ा कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं।

श्री नरसिंगदास बाहेती

मंगरूलपीर। जीनिंग प्रेसींग संस्था के उपाध्यक्ष सतीष बाहेती, अकोला अर्बन बैंक शाखा के संचालक हरीश बाहेती व बुलडाणा अर्बन बैंक के संचालक गिरीश बाहेती के पिता श्री नरसिंगदास बाहेती का 79 वर्ष की अवस्था मे देहांत हो गया। आप अकोला अर्बन बैंक के पूर्व संचालक एवं कृषि उपज मंडी के पूर्व उपसभापति थे।

श्री जगदीशप्रसाद साबू

वृंदावन। वरिष्ठ समाजसेवी 81 वर्षीय श्री जगदीश प्रसाद साबू का गत 23 जनवरी को देहावसान हो गया। स्व.श्री साबू अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य रहे थे। आप सूरत निवासी समाजसेवी महासभा के कार्यसमिति सदस्य रामावतार साबू के बड़े भाई व अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बिमलादेवी साबू के जेठ थे।

श्री जानकीलाल काबरा

पारोली। समाज सदस्य चान्दमल, ओमप्रकाश, महावीर प्रसाद, सत्यनारायण, मनीष कुमार, मुकेश कुमार काबरा के पिता एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री जानकीलाल काबरा का 95 वर्ष की अवस्था में गत 25 जनवरी को देहावसान हो गया। स्व. श्री काबरा अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये।

श्री गोविन्ददास डागा

नांदुरा। श्री डागा ऑईस मिल के संचालक श्री गोविन्ददास डागा का 80 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप श्री बालाजी मंदिर नांदुरा में गत 43 वर्षो से निरंतर नवरात्रि में होने वाले श्री रामचरित्र मानस पाठ के मुख्य प्रवर्तक थे। आप अपने पीछे, तीन पुत्र, पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री जगदीशप्रसाद जाजू

ब्यावर। श्री माहेश्वरी बोर्ड के चेयरमैन रामअवतार जाजू के चाचा श्री जगदीशप्रसाद जाजू का 75वर्ष की अवस्था में गत 15 फरवरी को स्वर्गवास हो गया। आप कई धार्मिक, सामाजिक सेवार्थ संस्थाओं से जुड़े हुए थे एवं विभिन्न संस्थाओं के विभिन्न पदों पर रहते हुए अपनी सेवा दे रहे थे। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, संयुक्त मंत्री कमलकिशोर चांडक, श्री माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के महामंत्री सुनील कुमार मूंदड़ा व उपाध्यक्ष बाबूप्रसाद खटोड़, प्रचार मंत्री विष्णुप्रसाद सोमानी, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री विजयशंकर मून्दड़ा, ब्रह्मधाम अध्यक्ष श्री गणपत सरार्फ, आर्य समाज के प्रधान ओमप्रकाश काबरा, ब्यावर नगर विधायक शंकरसिंह रावत सहित कई गणमान्यजनों ने श्रृद्धांजलि अर्पित की।

श्री जगन्नाथ चाण्डक

काटोल। समाज के वरिष्ठ श्री जगन्नाथ चाण्डक का 96 वर्ष की अवस्था में गत 20 जनवरी को देहावसान हो गया। आप माहेश्वरी समाज काटोल सहकारी शेतकारी खरीदी बिक्री संघ के अध्यक्ष सहकारी शेतकारी जीनिंग प्रेसिग के अध्यक्ष आदि अनेक पदों पर सेवा दे चुके थे। आप अपने पीछे 4 पुत्र, 2 पुत्री एवं नाती, पोतों आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये है।

श्रीमती रतनदेवी सादानी

कोलकाता। समाज की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती रतनादेवी सादानी धर्मपत्नी स्व. श्री बद्रीदास सादानी का स्वर्गवास गत 22 फरवरी को हो गया। आप अपने पीछे पुत्रवधू सुशीला देवी, पुत्र-पुत्र वधू गोपालदास-विमला, गणेशदास-स्नेहलता, नारायणदास-कांता व भगवानदास-शोभा सहित पौत्र-प्रपौत्र आदि का शोकाकुल परिवार छोड़कर गई हैं।

Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

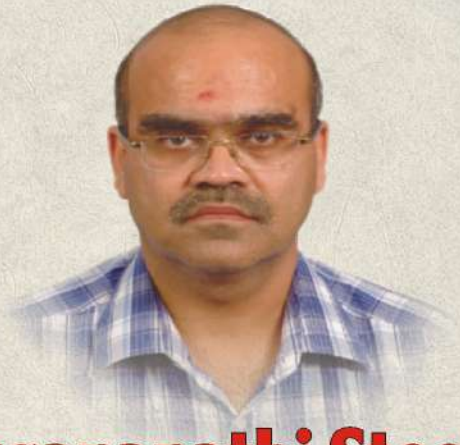

Shri Veerganapathi Steels (P) Ltd.

Iron & Steel Material

"The Legend"
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
Maheshwari Bhawan, Golamandi, UJJAIN (M.P.)
Ph. : 0734- 2556144, 2559389
E-mail : sri_maheshwaritimes@yahoo.com
smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com